नन्हे कदम

भाग–1

कक्षा 1 के लिए हिंदी पाठ्यपुस्तक

राजकीय विद्यालयों में निःशुल्क वितरण हेतु

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
उदयपुर

प्रकाशक

राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मण्डल, जयपुर

प्रथम संस्करण: 2025

© राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

© राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर

पेपर उपयोग: आर.एस. टी.बी. वाटरमार्क 80 जी. एस. एम. पेपर पर मुद्रित

प्रकाशक: राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल 2-2 ए, झालाना डूंगरी, जयपुर

मुद्रक:

मुद्रण संख्या:

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रानिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर नहीं दी जाएगी और ना बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।
- किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन केवल प्रकाशक द्वारा ही किया जा सकेगा।

विशेष: इस पुस्तक में संकलित सामग्री कई स्रोतों से प्रभावित है, हम उन सभी के प्रति आभार ज्ञापित करते हैं।

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता
और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली बंधुता
बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य ''के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

आमुख

बच्चों के लिए शिक्षा का प्रारंभिक चरण (6 से 11 आयुवर्ग) सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह वह समय होता है जब वे अपने आसपास की दुनिया को जानने, समझने और सीखने की शुरुआत करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) इसी विचार को अपनाते हुए शिक्षा को रोचक, आनंददायक और अनुभवात्मक बनाने पर जोर देती है। यह शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार और नवीन दृष्टिकोण को अपनाने की अनुशंसा करती है। इस नीति का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए सृजनात्मकता, तार्किकता और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत शिक्षा को अधिक समावेशी, समग्र और कौशल-आधारित बनाने पर विशेष बल दिया गया है।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर द्वारा प्राथमिक कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है। बच्चों के चतुर्दिक और सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए इनमें भारतीय ज्ञान परंपरा, 21वीं सदी के कौशल, सामाजिक-भावनात्मक कौशल, कला एवं शारीरिक शिक्षा को समेकित किया गया है। यह पाठ्यपुस्तक न केवल तार्किक चिंतन, स्पष्ट अवधारणात्मक समझ और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती है, साथ में समावेशन, सांस्कृतिक एकता और सामंजस्य की प्रवृत्तियों को भी सुदृढ़ करती है।

पाठ्यपुस्तक में कक्षा-स्तरानुरूप प्रभावी, रोचक और सृजनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ रोचक कहानियों, कविताओं सहित अन्य विधाओं की सामग्री का समावेश किया गया है ताकि बच्चे सहज और आनंददायक तरीके से सीख सकें। शिक्षकों के लिए भी इसमें जगह-जगह सुझाव दिए गए हैं जिससे वे बच्चों को और अधिक प्रभावी तरीके से सीखने में सहयोग कर सकें।

पाठ्यपुस्तक विकास की इस महत्वपूर्ण यात्रा में प्रदेश के चुने हुए शिक्षक, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का बहुमूल्य योगदान रहा है। उनके सहयोग, सुझाव और निष्पक्ष दृष्टिकोण के बिना इस कार्य को प्रभावी रूप से संपन्न करना संभव नहीं होता। इस अमूल्य योगदान के लिए हम सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। पाठ्यक्रम समीक्षा समिति के सभी सम्मानित सदस्यों का विशेष आभार जिनके बहुमूल्य सुझावों से इस पाठ्यपुस्तक को और बेहतर बनाने की दिशा मिली।

नवविकसित पाठ्यपुस्तक कक्षा में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को सहज, आनंददायी और उत्कृष्ट बनाएगी ऐसा विश्वास है और यह शिक्षकों के सक्रिय सहयोग से ही संभव होगा। शिक्षकों की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है बल्कि वे विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करने वाले मार्गदर्शक भी हैं। उन्हें इस पाठ्यपुस्तक का उपयोग करते समय बाल-केंद्रित शिक्षण पद्धति अपनानी चाहिए जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमतानुसार सीख सकें। इसके साथ ही वे 21वीं सदी के कौशलों को बढ़ावा देने, सामाजिक-भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने और भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों को कक्षा-शिक्षण में प्रभावी रूप से समाहित करने पर विशेष ध्यान दें।

यह पुस्तक आपके हाथ में है। प्रदेश के लाखों बच्चे आपकी ओर सीखने की आतुरता से निहार रहे हैं। हमारे सामूहिक प्रयासों से वे निश्चय ही सीखने के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, इसका हमें पूर्ण विश्वास है। इन पाठ्यपुस्तकों को और बेहतर बनाने की दिशा में आपके सुझावों का सदैव स्वागत है।

निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

पाठ्यपुस्तक विकास समूह

मुख्य संरक्षक	:	कृष्ण कुणाल, IAS, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, राजस्थान
मुख्य मार्गदर्शक	:	श्वेता फगेड़िया, RAS, निदेशक, RSCERT, उदयपुर
मार्गदर्शक	:	कैलाश चंद्र तेली, अतिरिक्त निदेशक, RSCERT, उदयपुर
मुख्य समन्वयक	:	पीयूष कुमार जैन, उप निदेशक, RSCERT, उदयपुर
समन्वयक एवं समीक्षा समिति	:	महेश कुमार बुनकर, प्राचार्य डॉ. मनीषा उज्ज्वल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रिपुदमन सिंह उज्जवल, उपप्राचार्य डॉ. योगेन्द्र कुमार श्रीमाली, एसोसिएट प्रोफेसर बन्ना राम रैगर, असिस्टेंट प्रोफेसर नरेश पँवार, असिस्टेंट प्रोफेसर
अकादमिक सहयोग एवं परामर्श	:	इग्नस पहल
सहयोगी संस्था	:	रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
लेखन एवं सम्पादन	:	विजय प्रकाश जैन, वरिष्ठ प्रबोधक, गीता देवी, अध्यापक, गुणमाला जैन, अध्यापक, चंचल कुमावत, अध्यापक, गोपाल पारीख, शिशु वाटिका प्रमुख, निर्मला दाधीच, अध्यापक, राजकुमार बंसल, अध्यापक, विद्या भारती।
चित्रांकन	:	मनोज कुमार यादव, प्रधानाचार्य, लाभचंद कुशवाह, व्याख्याता, भारत भूषण वैष्णव, व्याख्याता, हर्षिता गौतम, अध्यापक कनीशा मेहता

विशेष: इस पुस्तक में संकलित सामग्री कई स्रोतों से प्रभावित है, हम उन सभी के प्रति आभार ज्ञापित करते हैं।

अनुक्रमणिका

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
	भारत प्यारा	1
1	मेरा घर	2
2	मेरा विद्यालय	8
3	घूम हाथी, झूम हाथी	17
4	भागा गोला	26
5	चाक वाले काका	33
पुनरावृत्ति अभ्यास – प्रथम		41
6	अर र र धम	44
7	एकता में बल	49
8	तितली	55
9	सुबह-शाम करते काम	62
पुनरावृत्ति अभ्यास – द्वितीय		68
10	बस्ते का रास्ता	71
11	पतंग	80
12	ढेला और पत्ता	90
13	सतोलिया	101
पुनरावृत्ति अभ्यास – तृतीय		107
14	रवि का चेहरा	109
15	पका पपीता	117
16	लाल टमाटर	124
17	चलता पहाड़	132
18	विद्यालय में आज	144
पुनरावृत्ति अभ्यास – चतुर्थ		154

भारत प्यारा

भारत प्यारा
देश हमारा।

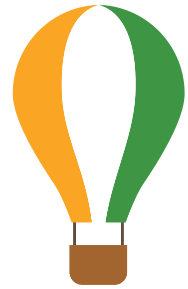

हम उसके ही
नन्हे बच्चे।

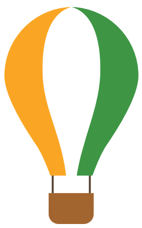

कितने सच्चे
कितने अच्छे।
है सबसे ही
प्रेम हमारा।
भारत प्यारा
देश हमारा।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

पाठ 1

मेरा घर

मौखिक भाषा विकास हेतु चित्र पर चर्चा

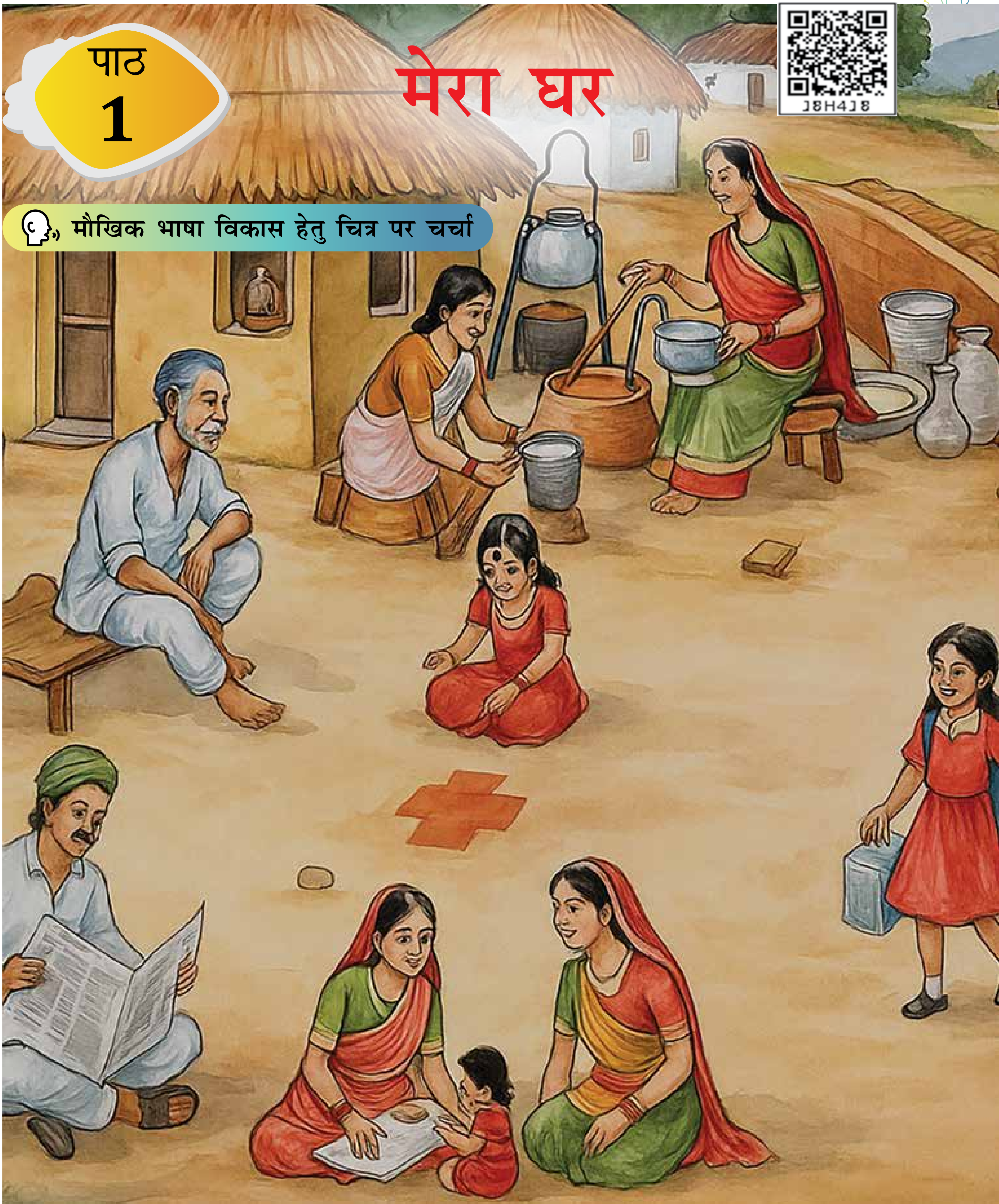

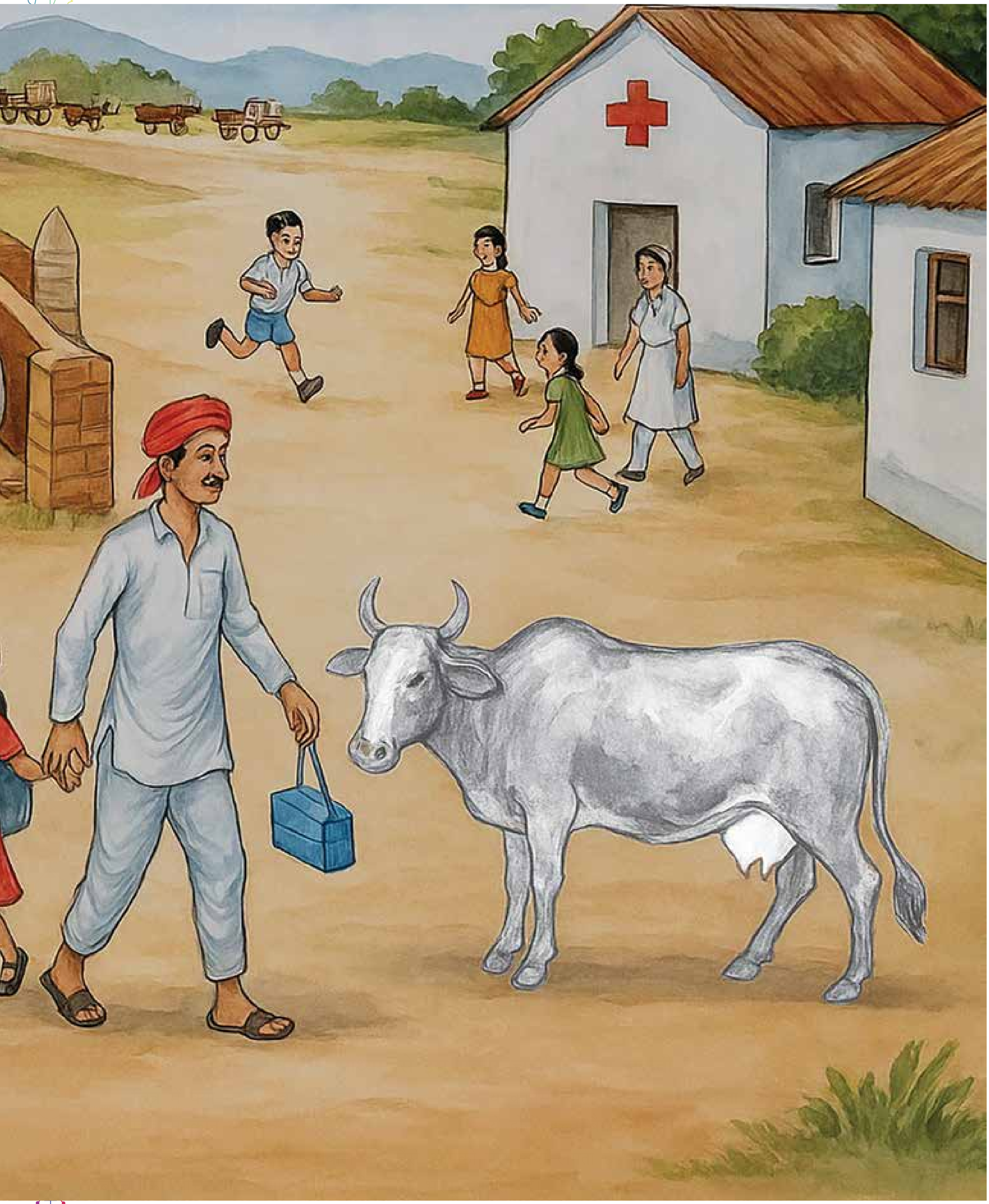

अब आपकी बारी

'मेरा घर' चित्र में जो वस्तुएँ है उनको पहचानिए और उनके नीचे सही (✓) का निशान लगाइए-

आपके घर में इनमें से क्या-क्या हैं? पहचानकर सही चित्र के नीचे (✓) का निशान लगाइए-

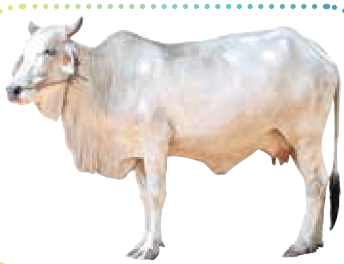

शिक्षक निर्देश– शिक्षक विद्यार्थियों के साथ आसपास के परिवेश से जोड़कर बातचीत करते हुए अभ्यास कार्य करने में सहायता करें।

क्या है छोटा, क्या है बड़ा? बड़े पर सही (✓) का निशान लगाइए-

कौनसा है कम, कौनसा है ज्यादा? कम वाले पर सही (✓) का निशान लगाइए-

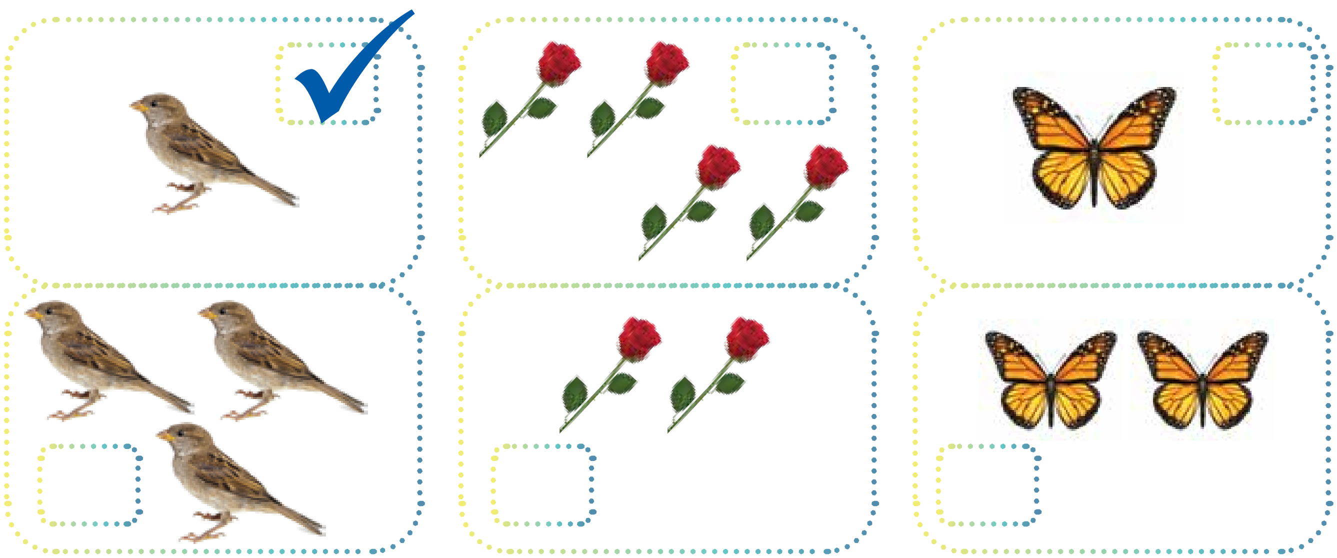

जो चित्र बॉक्स में हैं उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

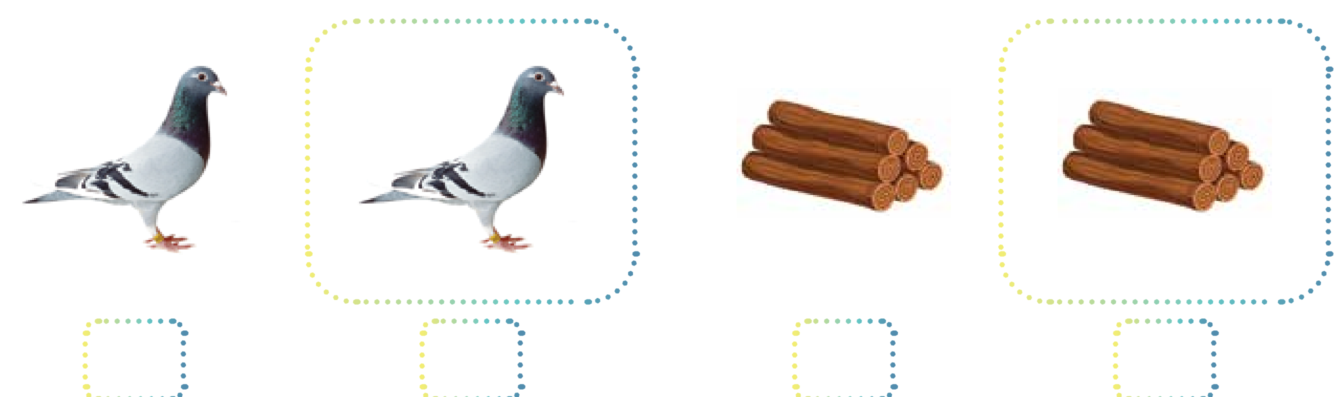

किसका संबंध किससे है? मिलान करिए-

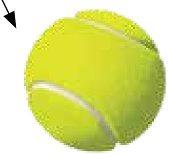

चित्रकारी

नीचे बनी लाइनों पर अँगुली घुमाइए-

अँगुली घुमाओ

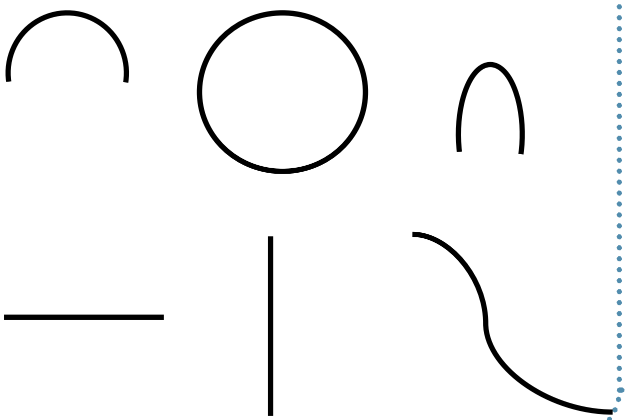

नीचे बने चित्र में बिंदुओं को मिलाकर रंग भरिए-

बिंदुओं को मिलाओ

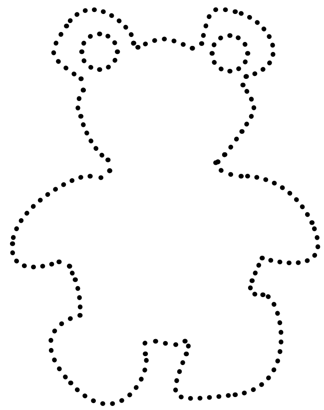

झटपट बताइए

खेलने की वस्तुओं के नाम झटपट बताइए और चित्र भी बनाइए-

घर में खाना खाने में काम आने वाली वस्तुओं के नाम बताइए और चित्र बनाइए-

पाठ 2

मेरा विद्यालय

N2F5R7

मौखिक भाषा विकास हेतु चित्र पर चर्चा

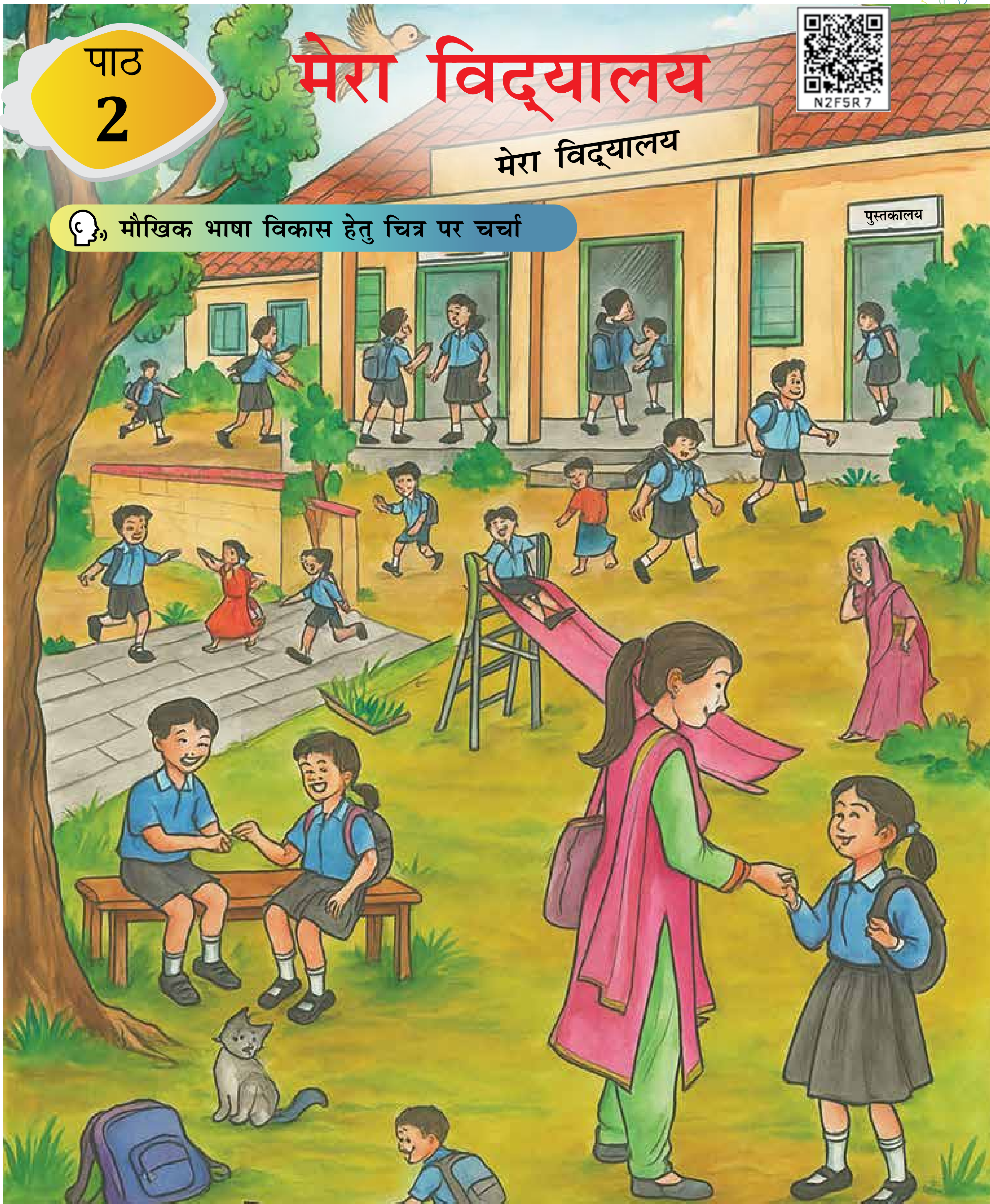

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- चित्र में आपको क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
- चित्र में कौन क्या कर रहा है?
- चित्र में क्या कोई पशु-पक्षी भी दिखाई दे रहे हैं?
- पेड़ के नीचे बैठे बच्चे क्या कर रहे होंगे?
- यह चित्र विद्यालय में किस समय का है?
- क्या आपका विद्यालय भी ऐसा ही दिखता है?

शिक्षक निर्देश- बच्चों को सोचने तथा अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें।

अब आपकी बारी

कौन है ऊपर, कौन है नीचे? नीचे वाले चित्र पर सही (✓) का निशान लगाइए-

कौन है दूर, कौन है पास? पास वाले पर सही (✓) का निशान लगाइए-

क्या है हल्का, क्या है भारी? भारी वाले पर सही (✓) का निशान लगाइए-

क्या है बड़ा, क्या है छोटा? छोटे वाले पर सही (✓) का निशान लगाइए-

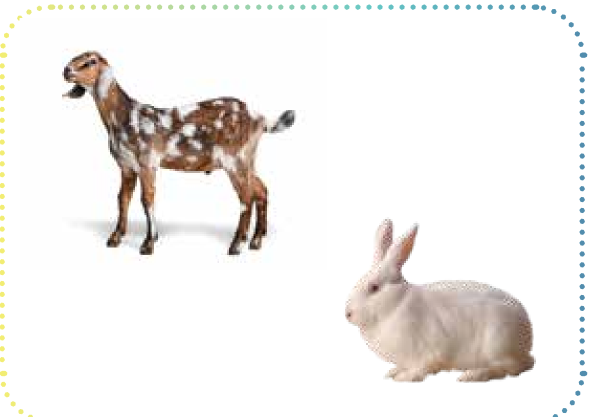

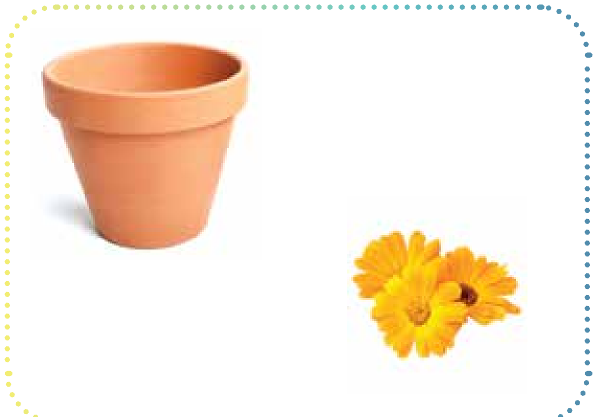

झूले ही झूले

इनमें से किन-किन पर झूल सकते हैं उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

चर्चा करिए

- आपको किस-किस पर झूलने में मजा आता है और क्यों?
- जब खेल का समय होता है तब आप क्या-क्या करते हैं।

ये झूले आपने कहाँ देखें हैं? बताइए-

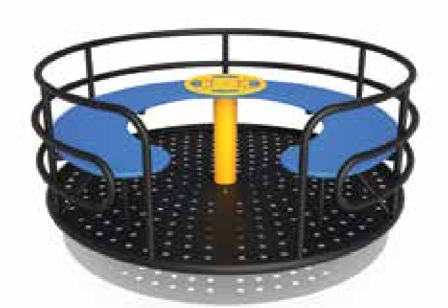

सम्बंधित चित्र को मिलाइए-

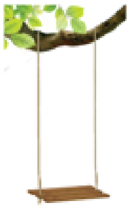

ध्वनि जागरूकता के खेल

ये आवाज कहाँ से आई? ये आवाज कब आती है?

1. टन–टन–टन
2. टप–टप–टप
3. हा–हा–हा
4. चीं–चीं–चीं
5. ट्रिन–ट्रिन–ट्रिन
6. ढम–ढम–ढम

क्या पहले-क्या बाद में

पहले क्या हुआ, बाद में क्या हुआ? सबसे पहले से बाद वाले के क्रम से बॉक्स में नंबर लिखिए और बताइए ऐसा क्यों?

लेखन अभ्यास

बिंदुओं को मिलाकर पैटर्न बनाएँ-

इन्हें पहचानिए

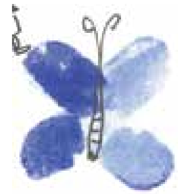

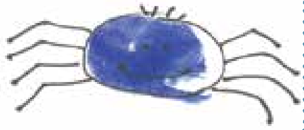

बिंदु मिलाइए और रंग भरिए

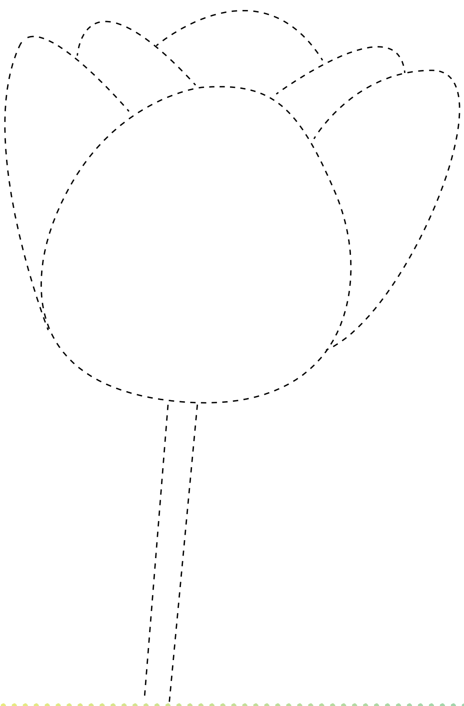

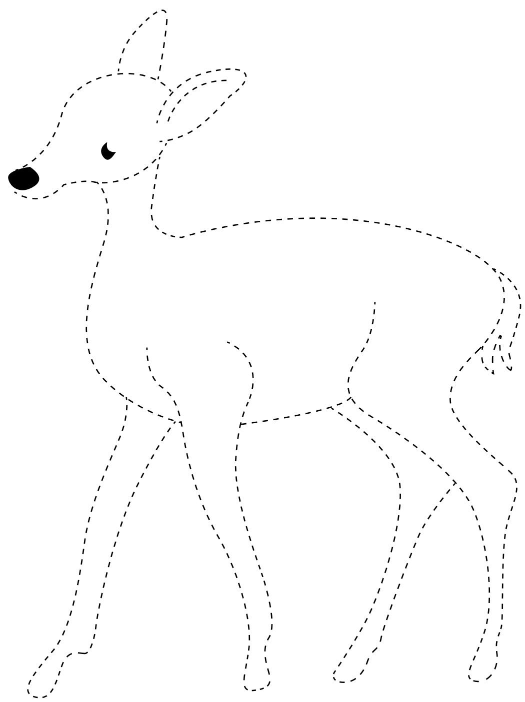

अपने अँगूठे की छाप से चित्र बनाइए–

हाथी को गन्ने तक पहुँचना है। क्या आप रास्ता खोजने में उसकी मदद कर सकते हैं?

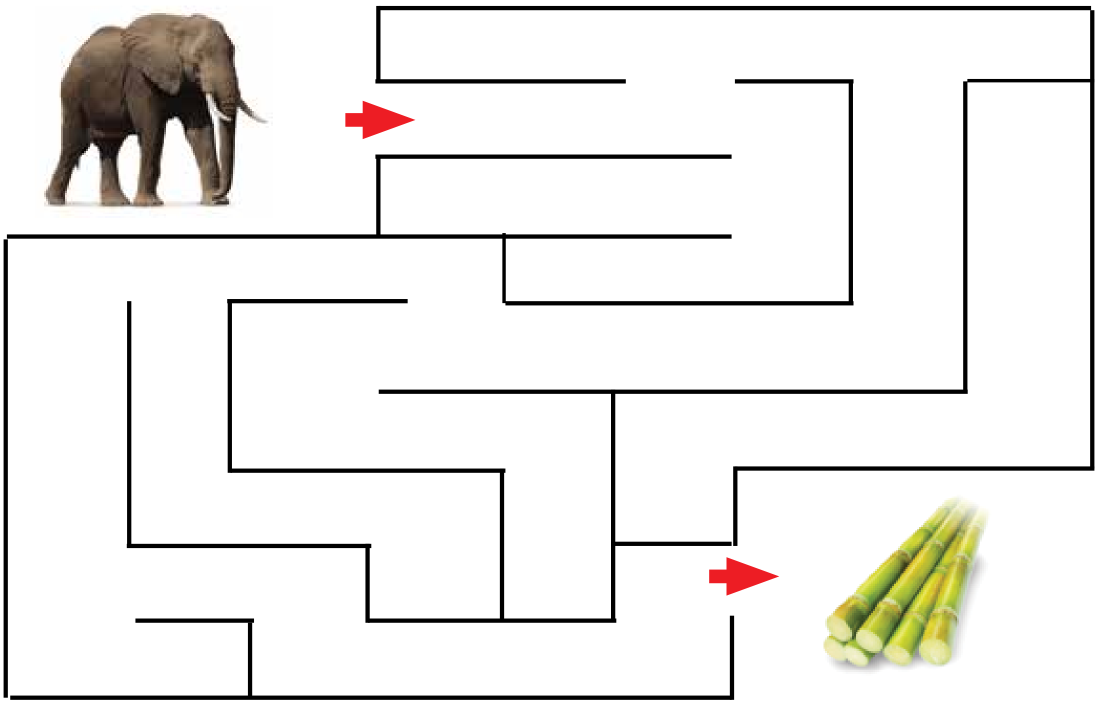

बिंदुओं को मिलाकर पैटर्न बनाएँ-

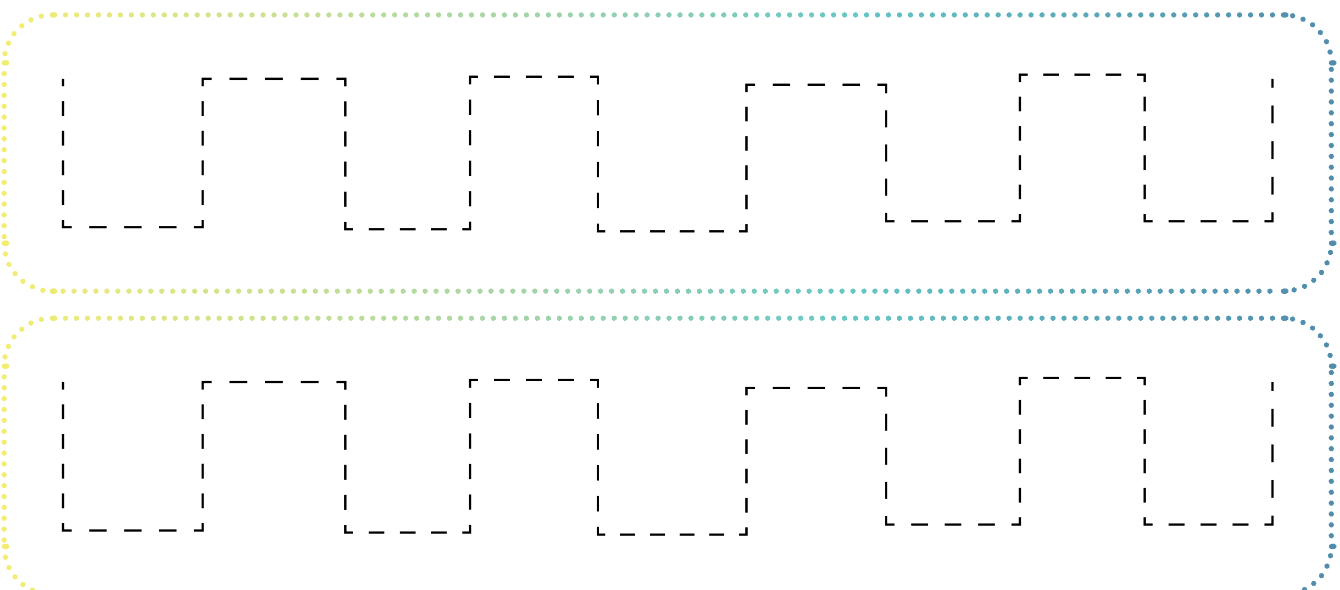

खेल-खेल में

बच्चों को गोल घेरे में खड़ा करें। जब शिक्षक कक्षा के अंदर की वस्तु का नाम लेगा तब बच्चे गोले के अंदर कूदेंगे। जब शिक्षक कक्षा के बाहर की वस्तु का नाम लेंगे तो बच्चे गोले के बाहर कूदेंगे। जैसे–पेड़, बस्ता, साइकिल, पंखा आदि।

पाठ 3

घूम हाथी, झूम हाथी

X3J5Y6

मौखिक भाषा विकास हेतु कविता विद्यार्थियों के साथ मिलकर गाएँ और चर्चा करें-

हाथी झूम-झूम-झूम,
हाथी घूम-घूम-घूम!

राजा झूमे रानी झूमे, झूमे राजकुमार,
घोड़े झूमें फौजें झूमे, झूमे सब दरबार!
झूम झूम घूम हाथी, घूम झूम-झूम हाथी!

हाथी झूम-झूम-झूम,
हाथी घूम-घूम-घूम!

धरती घूमे, बादल घूमे सूरज चाँद सितारे!
चुनिया घूमे, मुनिया घूमे, घूमे राज दुलारे!
झूम-झूम घूम हाथी, घूम झूम-झूम हाथी!

हाथी झूम-झूम-झूम,
हाथी घूम-घूम-घूम!

-विद्याभूषण 'विभू'

अब आपकी बारी

जो घूमता है उस पर सही (✓) का निशान लगाइए-

नीचे दी गई वस्तुओं के नाम और उपयोग बताइए-

इस पर पेंसिल घुमाइए-

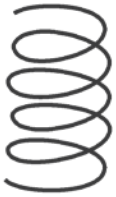

अब आप पेंसिल घुमाइए और अपनी मनपसंद आकृति बनाइए-

शिक्षक निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य करने तथा समझने में सहायता करें।

जो जानवर घर में पाले जाते हैं? उन पर सही (✓) का निशान लगाइए–

जिन पर सवारी की जा सकती है उन पर सही (✓) का निशान लगाइए–

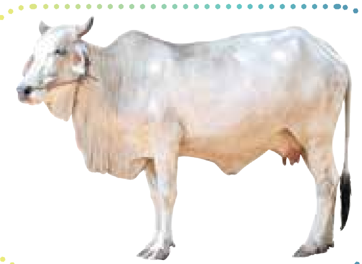

शिक्षक निर्देश– शिक्षक विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य करने तथा समझने में सहायता करें।

इनमें से कौनसे जानवर हरी घास खाते हैं? उन पर सही (✓) का निशान लगाइए–

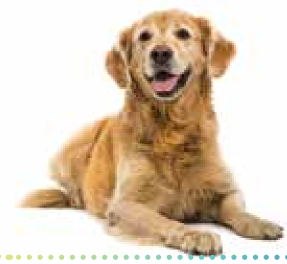

कौनसा भाग किसका है? रेखा खींचकर मिलान करिए–

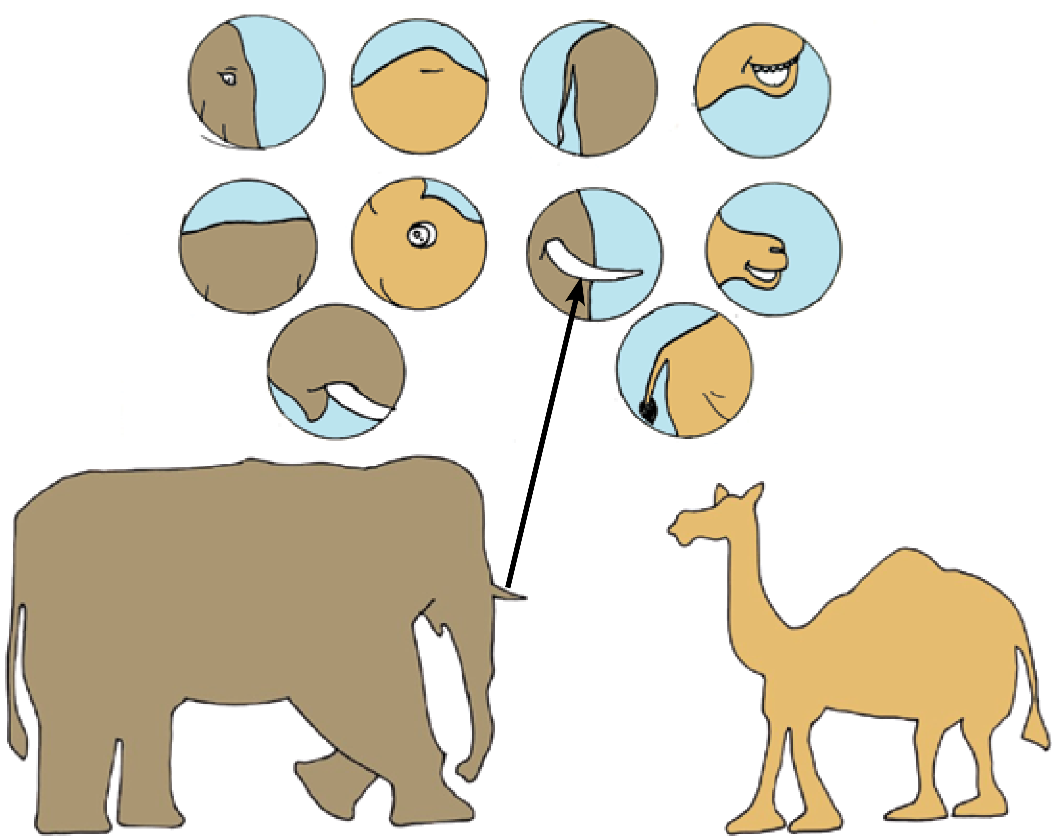

शिक्षक निर्देश– शिक्षक विद्यार्थियों के साथ बातचीत करें कि कौनसा भाग किसका है। उन्हें सही जगह मिलान करने में सहायता करें।

घूमे और झूमे-

- विवाह में सब लोग खुशी से झूम और घूम रहे थे।
- आप वहाँ होते तो इनमें से क्या पहनना पसंद करते? बताइए।
- किसने क्या पहना होगा? पहचानकर मिलान करिए।

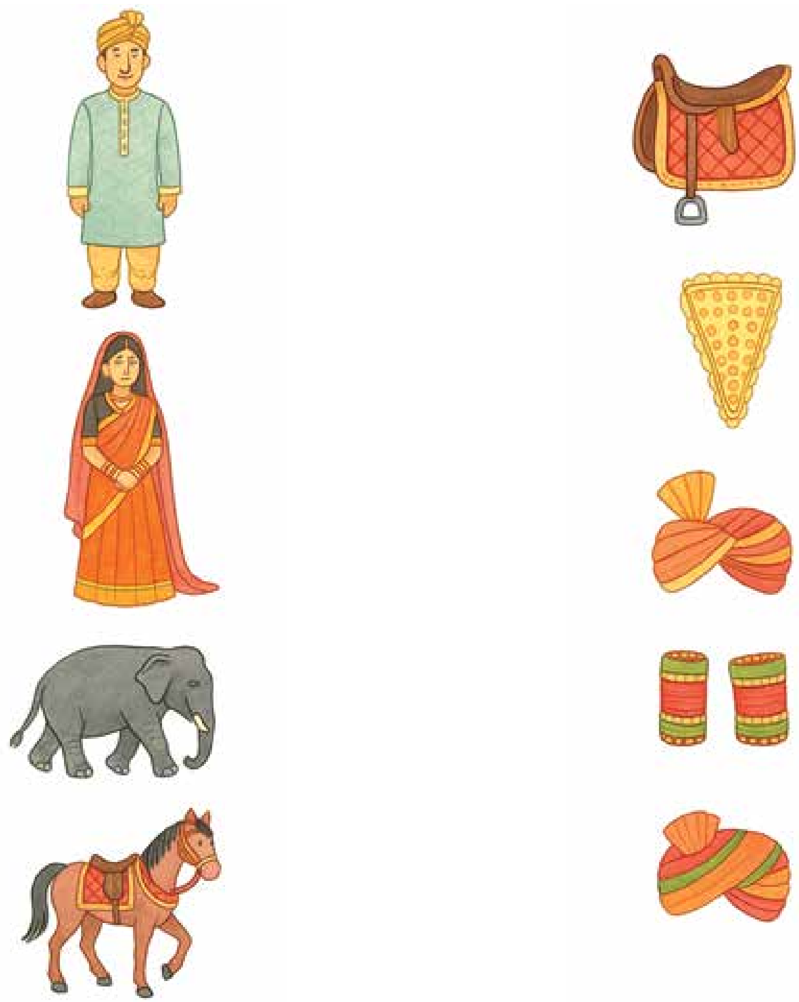

नीचे दिए गए जानवरों की दिनचर्या के बारे में विद्यार्थियों से बातचीत करें-

चर्चा करिए

अगर आप घूमकर रुक जाते हैं तो फिर आपको और क्या घूमते हुए दिखता है?

शिक्षक निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों से घूमने को कहें और फिर इस सवाल पर चर्चा करें।

ऊँट चला मेले में

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

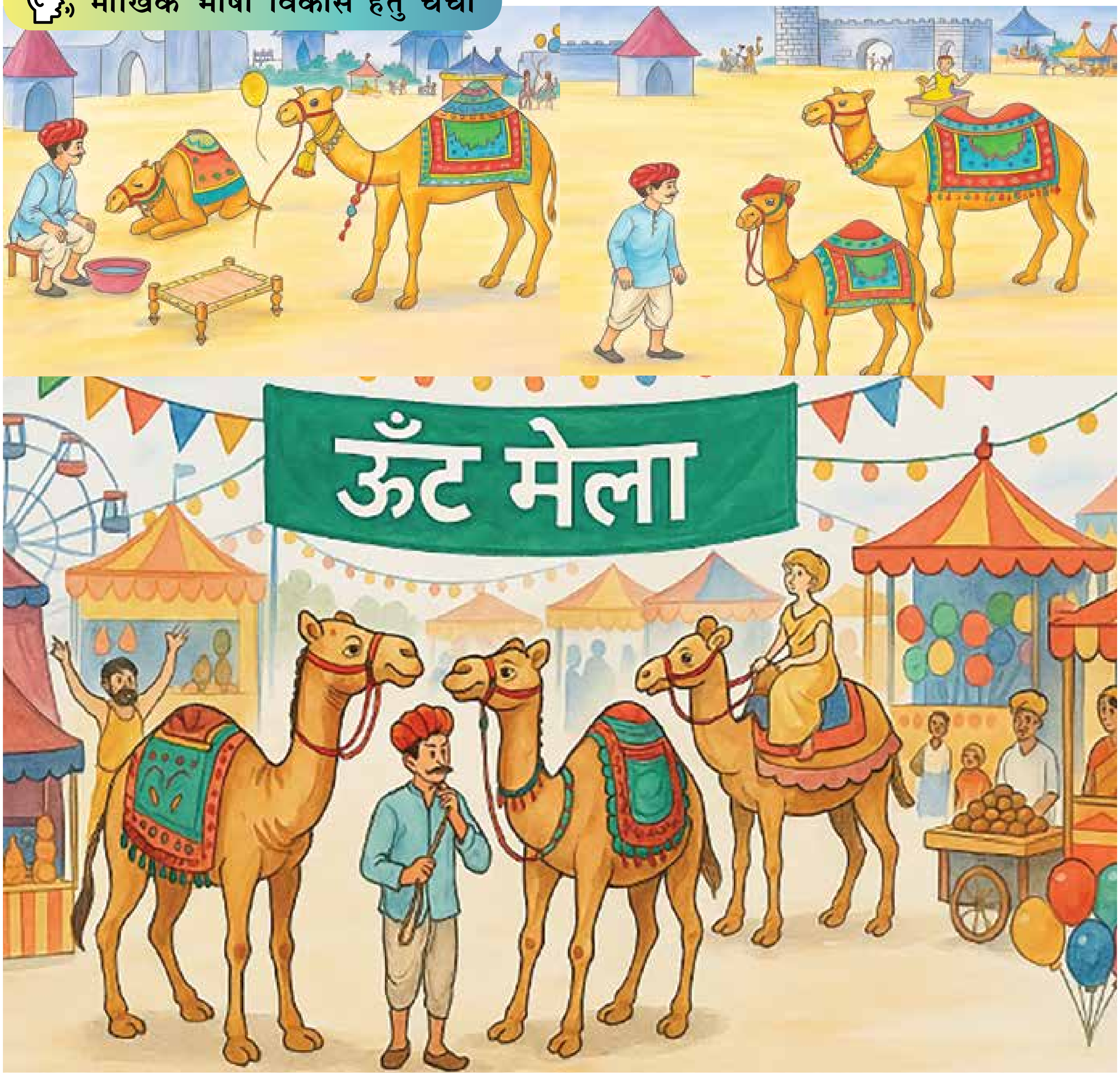

शिक्षक निर्देश- विद्यार्थियों को चित्रों को ध्यान से देखने को कहें। मौखिक चर्चा करें और प्रश्न पूछें कि-

- इस चित्र में क्या हो रहा है?
- ऊँट उदास क्यों हुआ होगा?
- खुशी से ऊँट ने दूसरे ऊँट को क्या कहा होगा?

शिक्षक इसी तरीके से विद्यार्थियों के अनुभवों तथा उनके आसपास के परिवेश से जोड़कर विद्यार्थियों की स्थानीय भाषा में बातचीत करें।

पिछले पृष्ठ पर दिए गए मेले के चित्र में कौन हैं और कौन नहीं? उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

	मेले में देखा है	मेले में नहीं देखा है
	☐	☐
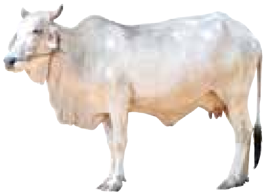	☐	☐
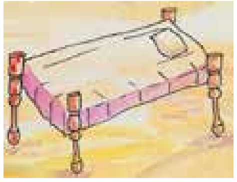	☐	☐
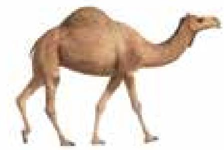	☐	☐
	☐	☐

मौखिक बातचीत करें

कौन पहुँचा मेले में?

पैरों के निशान देखकर बताइए कौन-कौन पहुँचा मेले में?

शिक्षक निर्देश– शिक्षक विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य करने तथा समझने में सहायता करें।

भूल-भुलैया

कौन जाएगा किसके पास? पेंसिल घुमाते हुए रास्ता बताइए।

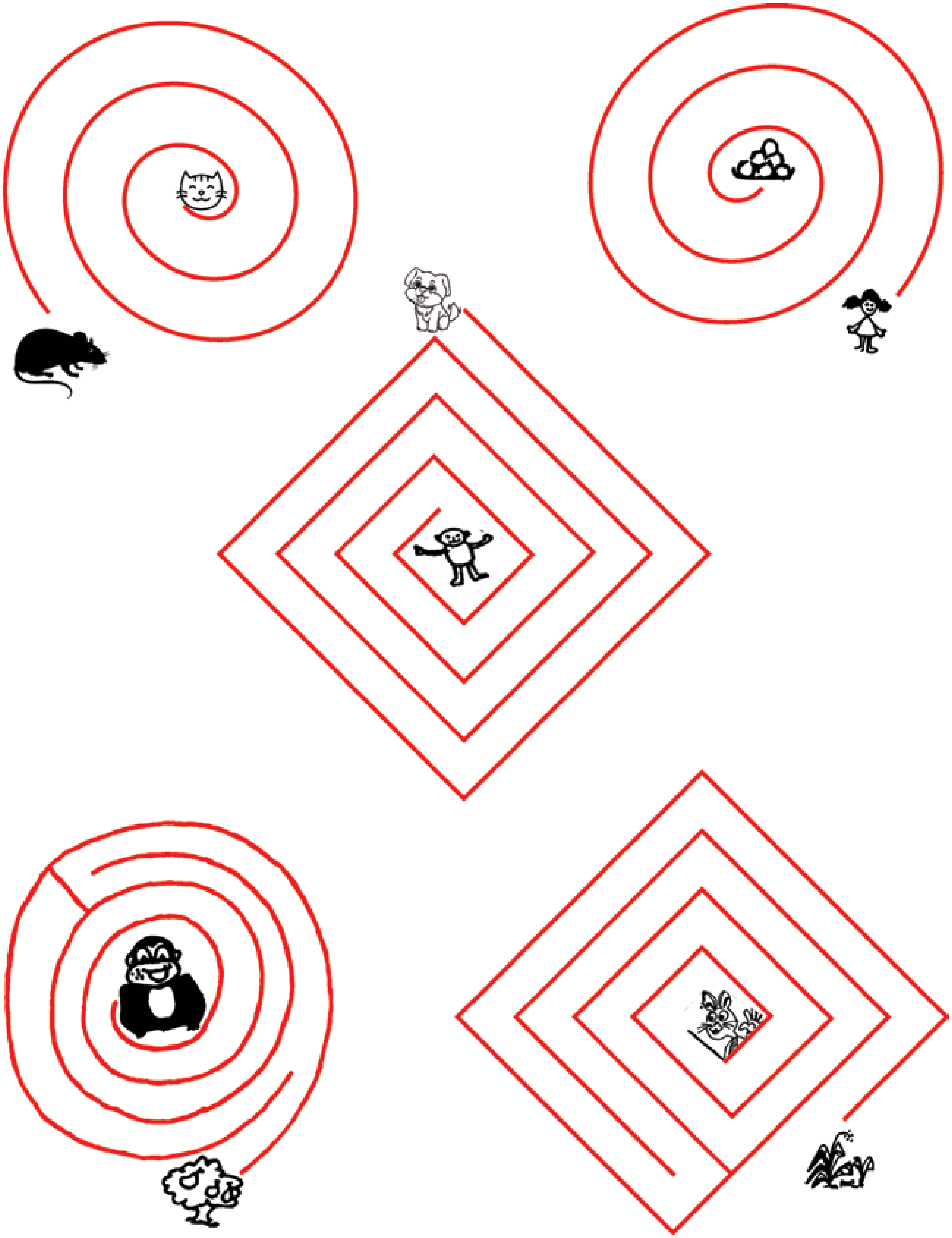

शिक्षक निर्देश– शिक्षक विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य करने तथा समझने में सहायता करें।

बिंदु मिलाकर चित्र पूरा करिए एवं रंग भरिए-

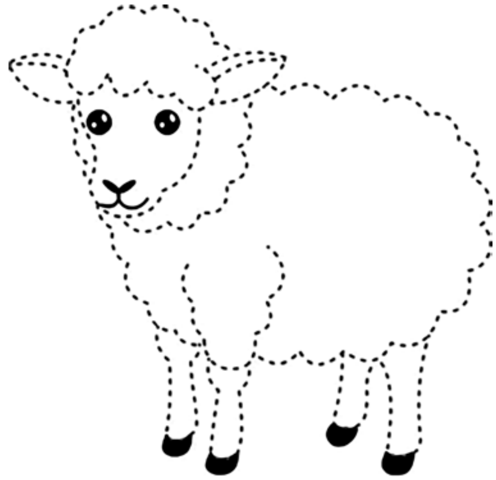

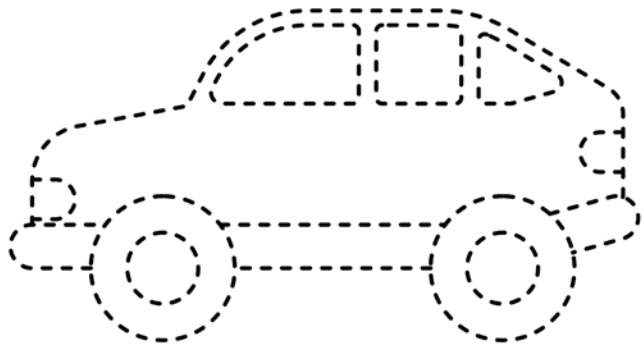

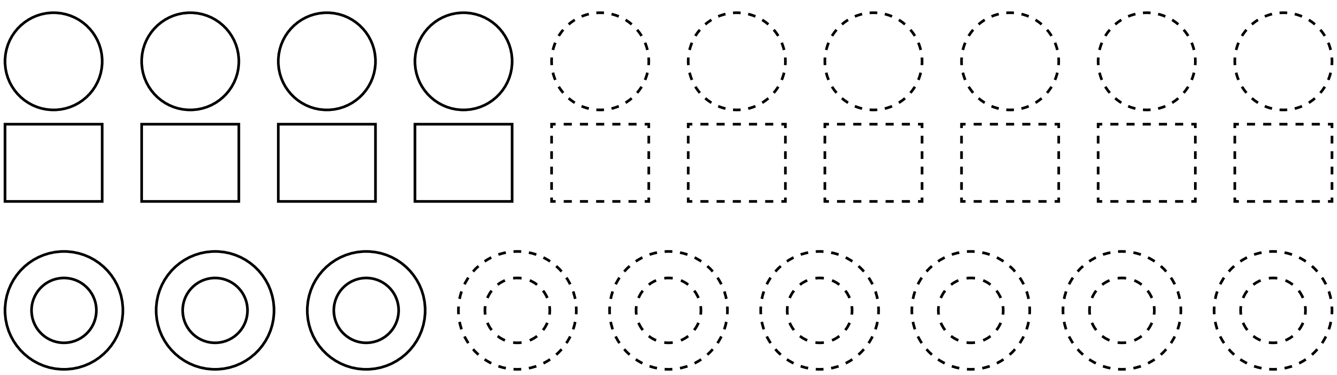

दोनों चित्रों में कम-से-कम 5 अंतर खोजें-

पाठ 4

भागा गोला

मौखिक भाषा विकास हेतु शिक्षक विद्यार्थियों के साथ गोले पर चर्चा करते हुए गतिविधि को आगे बढ़ाएँ–

किशन ने अपनी कॉपी में एक गोला बनाया। तभी उसे एक हँसी सुनाई दी। उसने देखा कि गोला हँसा और उसकी कॉपी से निकलकर भागा।

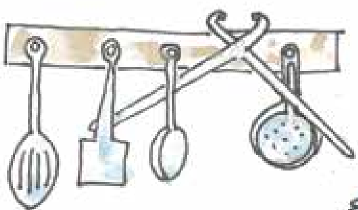

भागकर गोला छिप गया चौके में। कहाँ छिपा है? बताइए–

इस बार गोला भागा सीधे किशन के खिलौनों की ओर। कहाँ छिपा है? बताइए।

अब गोला गया घर के बाहर। घर के बाहर कहाँ-कहाँ छिपा होगा? बताइए। जानते हो फिर कैसे मिला गोला किशन को? उसने पेंसिल ली और बना लिया फिर से नया गोला।

लेखन अभ्यास

बनाइए गोला-

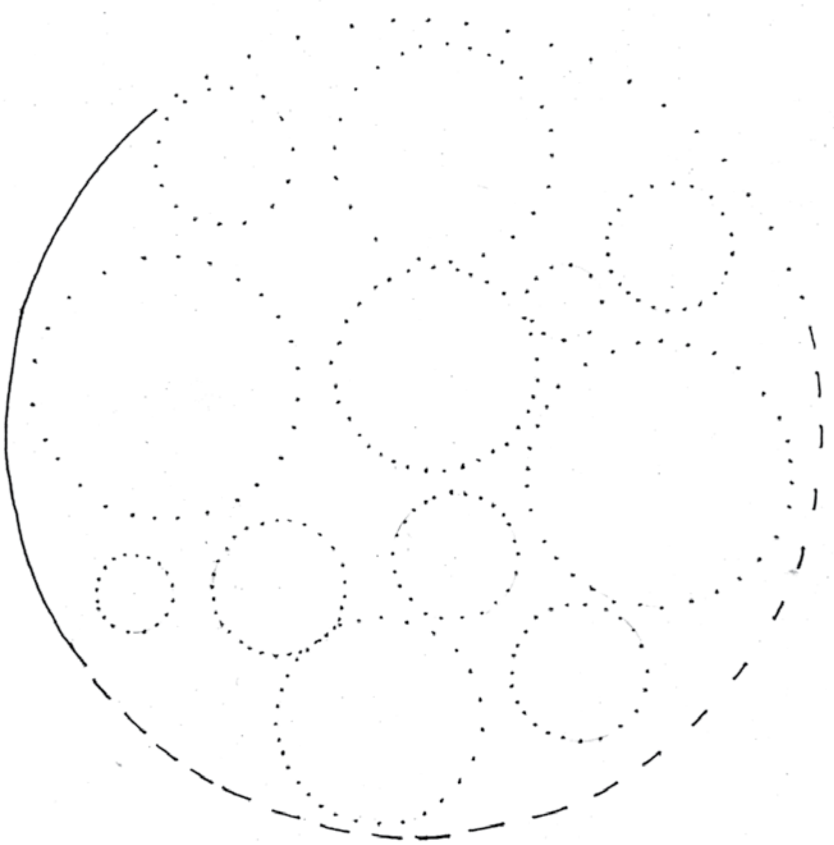

चित्रकारी

आप भी गोला बनाइए-

बोतल, ढक्कन, गिलास, कटोरी, लोटा या कोई भी गोल वस्तु लेकर उसके चारों ओर पेंसिल घुमाकर गोले का चित्र बनाइए।

आओ खेलें खेल

- गोल-गोल, गोल-गोल क्या होता गोल-गोल?
- झट से बोल, झट से बोल, क्या होता है गोल-गोल?

चित्र देखो और बताओ

- वह गोला गोल की जगह अगर चौकोर होता तो विद्यालय में कहाँ छिपता?

शिक्षक निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य करने तथा समझने में सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

इनमें से किस को देखकर आप छिपने की कोशिश करोगे और क्यों? बताइए-

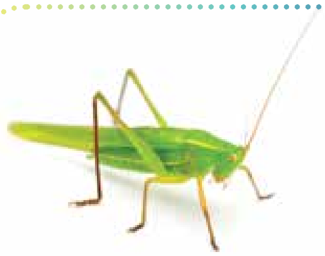

नीचे दिए गए चित्र को देखो। चित्र में क्या हो रहा है?

- बच्चे कौनसा खेल खेल रहे हैं?
- बच्चे कहाँ-कहाँ छिपे होंगे?
- अगर आपको छिपना होता तो आप कहाँ छिपते?

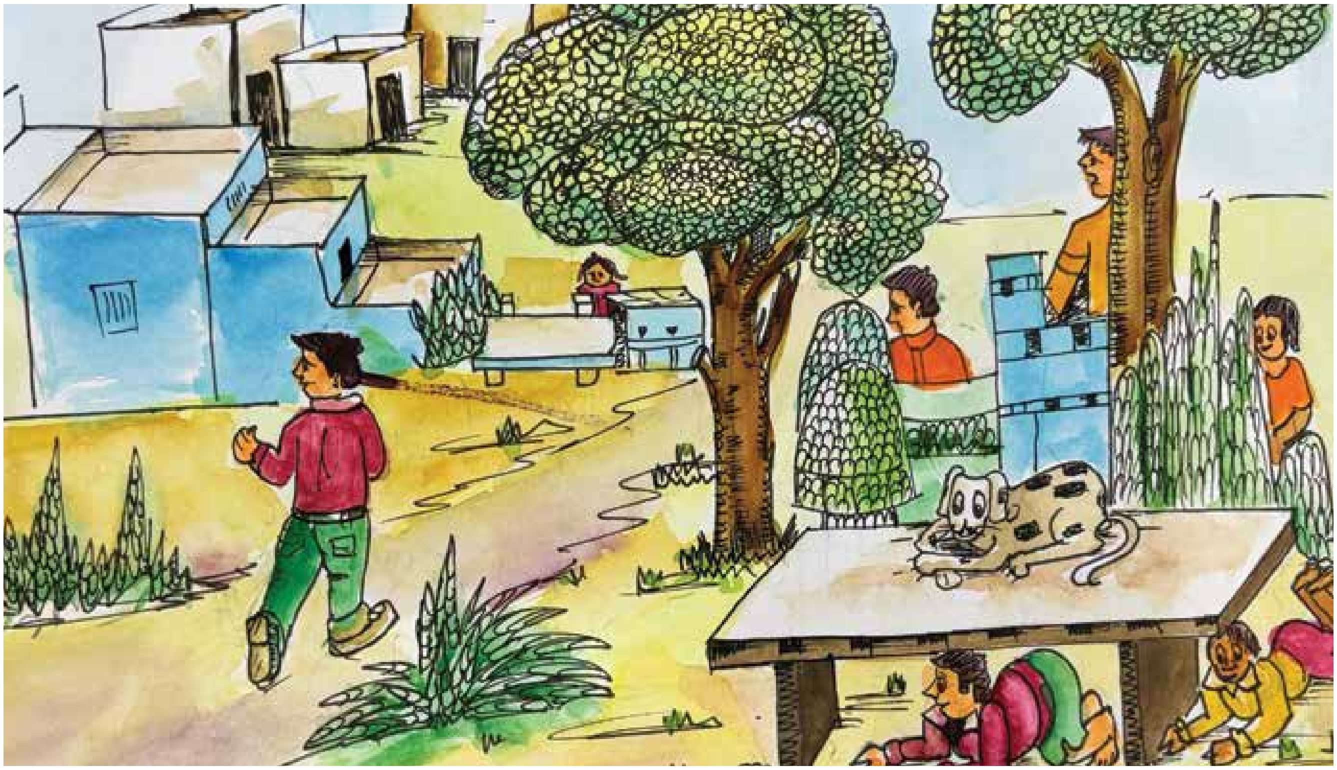

चित्रकथा

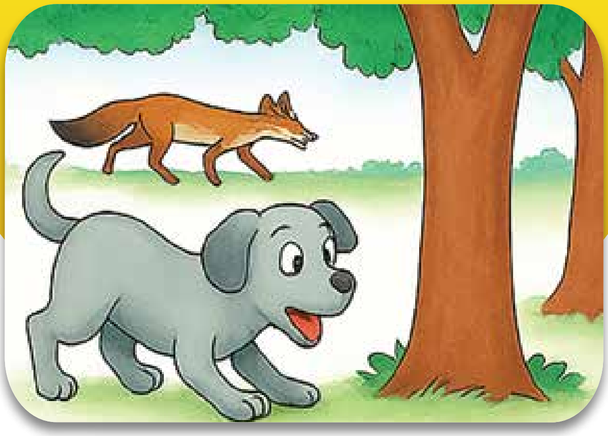

शिक्षक निर्देश– शिक्षक विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहानी पूरी कराएँ। बाद में शिक्षक स्वयं भी कहानी सुनाएँ।

क

ध्वनि जागरूकता के खेल

जिन चित्रों का नाम 'क' ध्वनि से शुरू होता है उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

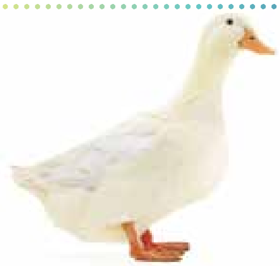

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

क

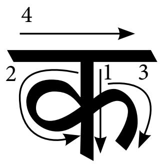

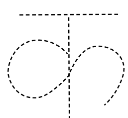

'क' वर्ण से 'क' वर्ण का मिलान करें-

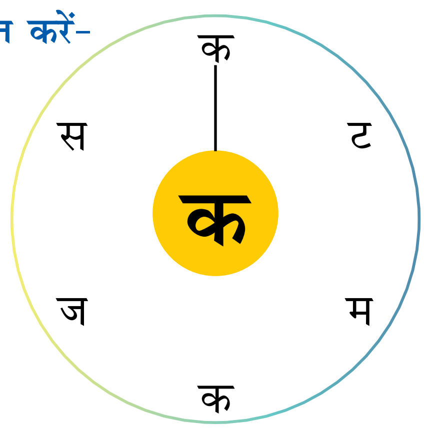

म

ध्वनि जागरूकता के खेल

जिन चित्रों का नाम 'म' ध्वनि से शुरू होता है उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

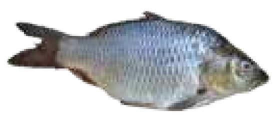

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

म

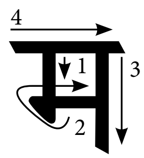

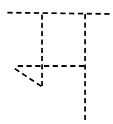

'क' और 'म' वर्णों को ढूँढ़ो और गोला लगाओ-

म	ल	क	ल
ल	क	न	म
म	न	म	न
क	म	ल	क

'म' वर्ण पर गोला लगाइए-

महल जल मगर बतख नमक मछली काम

समान वर्णों का मिलान करें-

क	म
ल	क
म	च
ह	क
क	न

पाठ 5

चाक वाले काका

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- चलता चाक बनाता क्या? बताइए।
- आपके यहाँ मटके का रंग कैसा होता है?

शिक्षक निर्देश- इसके अतिरिक्त शिक्षक विद्यार्थियों के साथ उपर्युक्त **'चाक वाले काका'** चित्र पर आसपास के परिवेश से जोड़कर क्या, क्यों, किधर, कैसे और अगर/यदि वाले प्रश्नों के माध्यम से स्थानीय भाषा में मौखिक चर्चा करें।

आओ खेलें

नीचे दी गई वस्तुओं को लाइन खींचकर सही जगह पहुँचाइए-

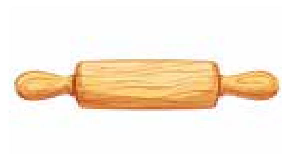

खिलौने	बर्तन

बिंदुओं को मिलाओ और रंग भरो-

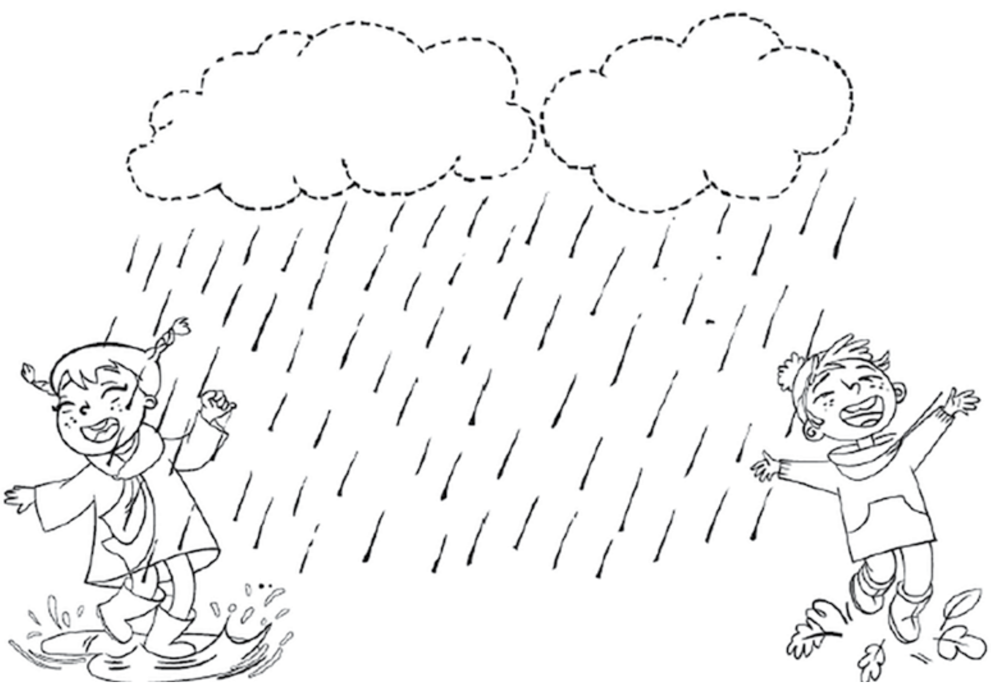

शिक्षक निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य करने तथा समझने में सहायता करें।

‘चाक वाले काका’ चित्र में से तीन वस्तुएँ चुनो तथा छोटे से बड़े के क्रम में नीचे उनके चित्र बनाओ–

मिलान करिए–

टुकड़ा जोड़ो, सही टुकड़े पर गोला लगाओ–

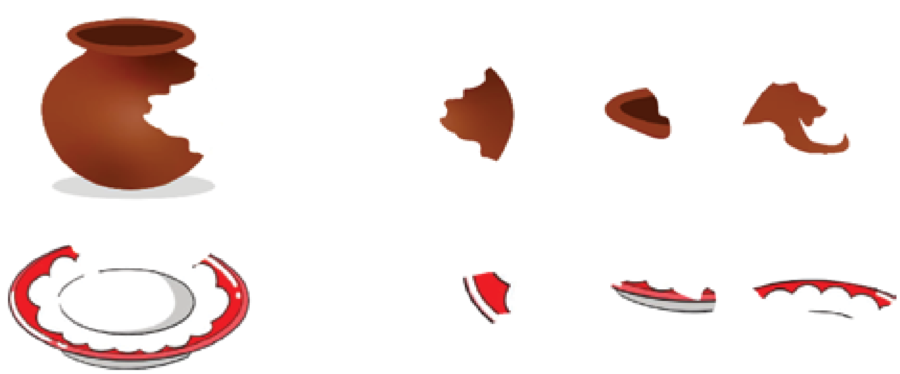

शिक्षक निर्देश– शिक्षक विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य करने तथा समझने में सहायता करें।

गड़बड़

कभी-कभी काम करते समय गड़बड़ हो जाती है फिर उसका समाधान निकालना होता है। जैसे-

गड़बड़	समाधान
मिट्टी में पानी ज्यादा गिर गया	और मिट्टी मिलाओ

गड़बड़ पहचानिए, समाधान बताइए-

गड़बड़	समाधान
चप्पल टूट गई	
गेंद छत पर पहुँच गई	
बनाया हुआ चित्र फट गया	
पतंग पेड़ पर अटक गई	

शिक्षक निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य करने तथा समझने में सहायता करें।

कैसे बनाया

चाक वाले काका ने मटका बनाया। विद्यार्थियों से मौखिक चर्चा करें कि क्या किया पहले और क्या बाद में? सही क्रम के लिए बॉक्स में संख्या लिखिए।

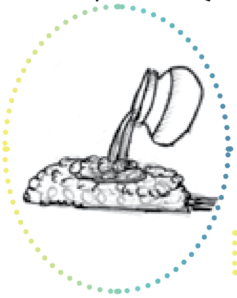

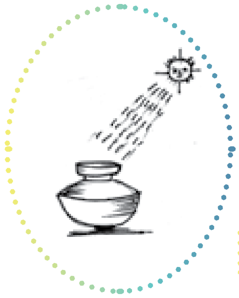

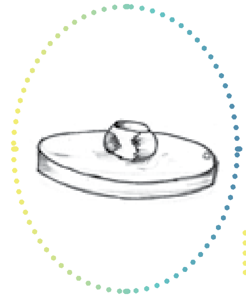

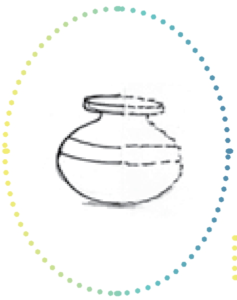

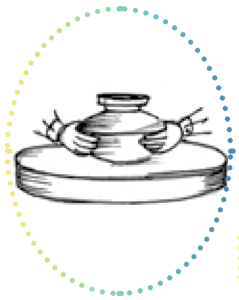

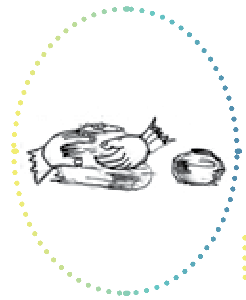

चित्रकारी

काका की मदद

काका का काम पूरा करिए-

बच्चों के साथ मिलकर मिट्टी के कुछ खिलौने बनाएँ-

मिट्टी के खिलौने बनाने के बाद इन्हें सूखने दें। सूखने के बाद इन खिलौनों को रंग भी सकते हैं।

शिक्षक निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य करने तथा समझने में सहायता करें।

ल

मौखिक भाषा विकास के लिए कविता विद्यार्थियों के साथ मिलकर गाएँ तथा कविता पर बातचीत करें।

झूला झूल रही थी विमला
संग में लाली और सुशीला

झूले का बंधन था ढीला
देख रहा था खड़ा रंगीला

अर र र झूला गिरा धडाम
गिरे साथ उसके दस आम

ध्वनि जागरूकता के खेल

जिन चित्रों का नाम 'ल' ध्वनि से शुरू होता है उन पर सही (✓) का निशान लगाइए–

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें–

ल | ल (1, 2, 3, 4) | ल

'ल' वर्ण को ढूँढ़ो और गोला लगाओ–

क	ल	म	ल	क
म	ल	म	क	ल

न

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- अगर आपके पास उड़ने वाले जूते होते तो आप क्या-क्या करते और क्यों?

ध्वनि जागरूकता के खेल

जिन चित्रों का नाम 'न' ध्वनि से शुरू होता है उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

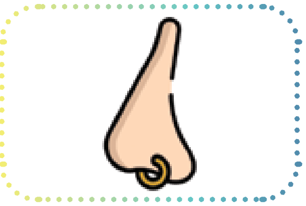

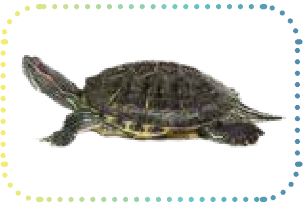

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

न

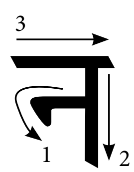

पढ़ें और देखकर लिखें-

न	ल	क	म	न	ल

चित्रों के नाम में कुछ वर्ण छूट गए हैं इन्हें लिखकर पूरा करें और पढ़ें-

न..................

..................मल

कल..................

मिलाकर पढ़िए-

न + ल = नल

क + म = कम

आपके घर में कौन-कौनसी वस्तुएँ मिट्टी से बनी हुई हैं। उनमें से किन्हीं दो वस्तुओं के चित्र बनाइए-

पुनरावृत्ति अभ्यास - प्रथम

X6K4V1

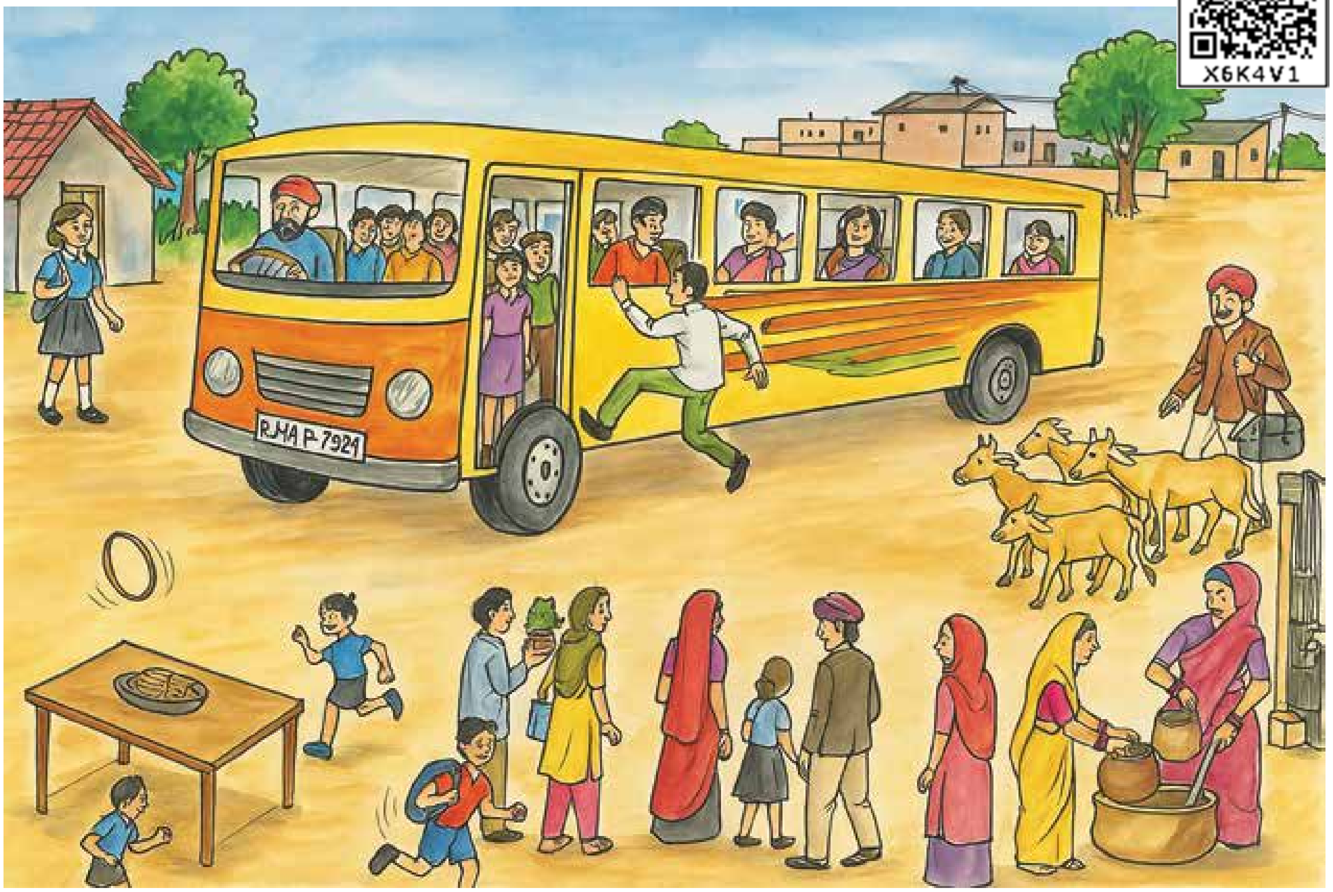

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- बाजार में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
- बस कहाँ जा रही होगी?
- क्या आप कभी बस में बैठे हैं?
- क्या आप भी कभी बाजार गए हैं और कहाँ? बताइए।
- आप बाजार से क्या खरीद कर लाते हैं?
- इस चित्र में क्या-क्या गलत हो रहा हैं? विद्यार्थियों को चित्र में देखकर मौखिक रूप से बताने के लिए कहें।

इन्हें आपकी भाषा में क्या कहते हैं?

- कुत्ता, दुकान, ठेला, बिजली, सड़क

शिक्षक निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों के साथ उपर्युक्त चित्र पर स्थानीय भाषा में मौखिक चर्चा करें तथा विद्यार्थियों को सोचकर बताने के भरपूर मौके दें।

आओ खेलें

आगे बढ़ाएँ-

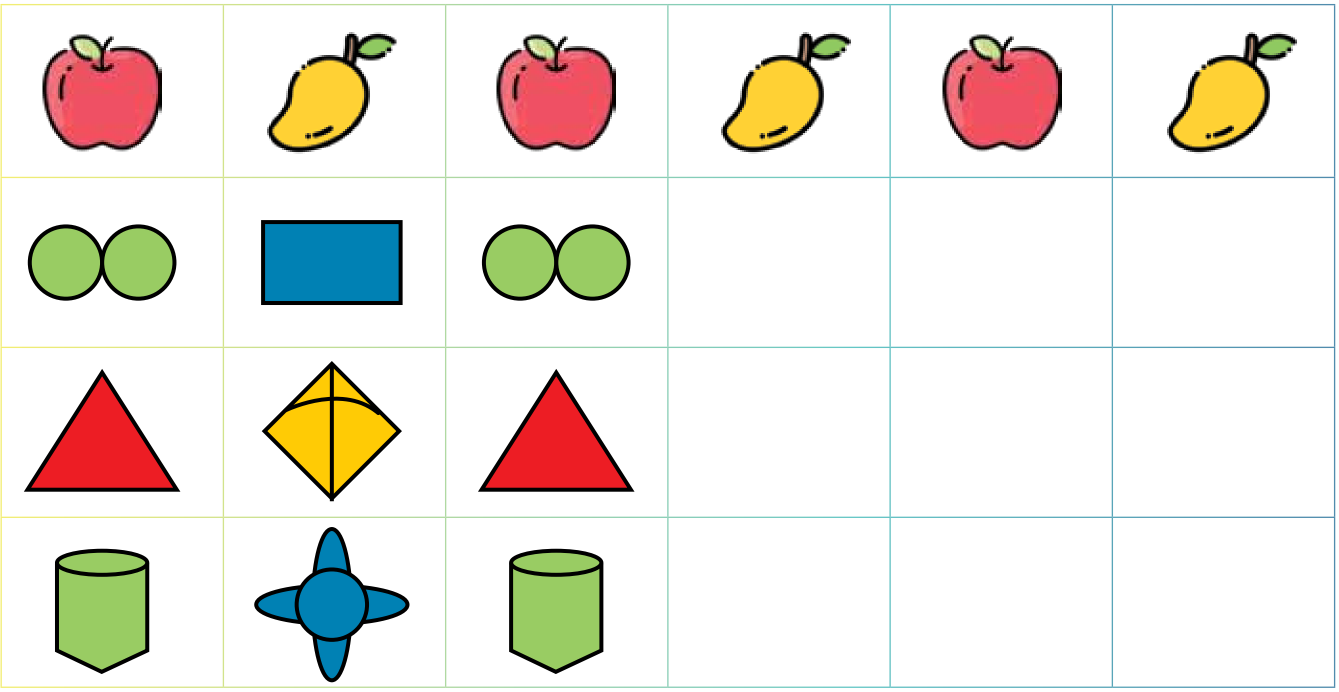

बिंदु मिलाकर चित्र पूरा करिए और रंग भी भरिए-

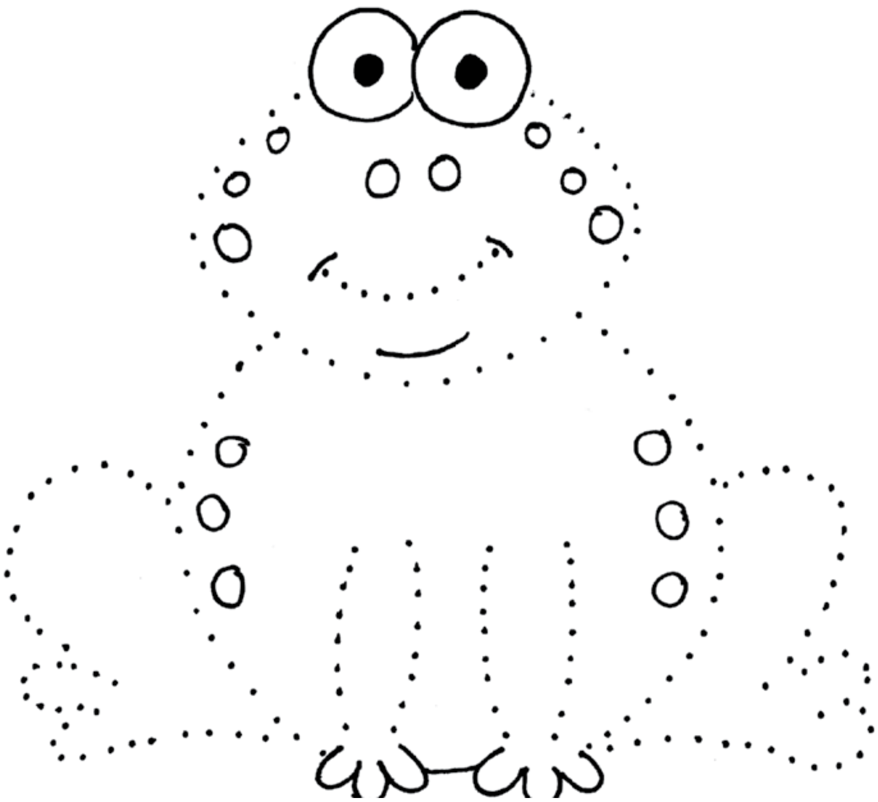

दोहरान

क म ल न

ध्वनि जागरूकता के खेल

'क', 'म', 'ल' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों को पहचानकर गोला लगाइए-

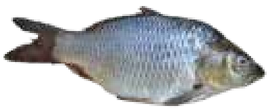

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

क म ⇨ कम   न म ⇨ ....   क ल ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

कल	नल	कमल	नमन	मनन
....	....	....	....	....

चौकोर कागज काटें और चित्र में दी गई आकृतियों जैसी कोई दो आकृतियाँ बनाइए-

पाठ 6

अर र र धम

मौखिक भाषा विकास हेतु मिलकर कविता गाएँ और विद्यार्थियों के साथ अनुभव आधारित खुली चर्चा करें-

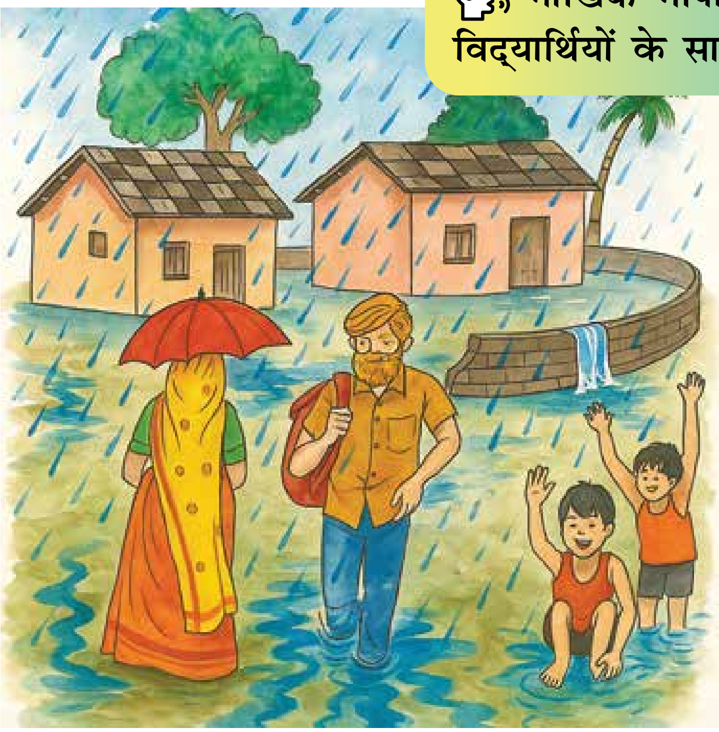

बादल गरजे गड़ गड़ गड़,
बिजली कड़के कड़ कड़ कड़।

बूँदें बरसे छम छम छम,
खूब नहाते हम हम हम।

नदियाँ बहती भर भर भर,
मेंढक करते टर टर टर।

जब हम चलते छप छप छप,
कीचड़ करता चप चप चप।

चलते-चलते फिसले हम,
गिरे फिसलकर अर र र धम।

शिक्षक निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों के साथ उपर्युक्त कविता पर आसपास के परिवेश व विद्यार्थियों के अनुभवों से जोड़कर क्या, क्यों, किधर, कैसे और अगर/यदि वाले प्रश्नों के माध्यम से स्थानीय भाषा में मौखिक चर्चा करें।

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- कविता में क्या-क्या है? पहचानिए और बताइए।

लिखिए-

- ये आवाजें किसकी? सही शब्द चुनकर लिखिए-

  बादल, बिजली, बूँदें, मेंढक, कीचड़, चलते

1. गड़-गड़-गड़ : ....
2. कड़-कड़-कड़ : ....
3. छम-छम-छम : ....
4. चप-चप-चप : ....
5. टर-टर-टर : ....
6. छप-छप-छप : ....

आओ खेलें

शिक्षक विद्यार्थियों से मौखिक बातचीत करें कि आप भी इसी तरीके से कुछ आवाजें निकालो और अपने साथी से पूछो कि यह किसकी आवाज है?

क, म, ल, न वर्णों को जोड़कर नए शब्द बनाओ। जैसे-

कम	....	....	....

पीछे दी गई कविता बारिश के चित्रों में किसने क्या किया?

भीगा : ....

नहाया : ....

छतरी ली : ....

नाव चलाई : ....

फिसला : ....

भागा : ....

विद्यालय से घर आते समय बीच में बारिश होने लग जाए तो आप क्या करोगे? बॉक्स में त्रिभुज (△) का निशान लगाइए-

नहाओगे	चलते रहोगे	नाव बनाओगे	खेलोगे
☐	☐	☐	☐

बारिश के मौसम में आपका क्या-क्या खाने का मन करता है? चित्र बनाइए-

शिक्षक निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों से स्थानीय भाषा में बातचीत करते हुए उनके अनुभवों से जोड़कर अभ्यास कार्य को करने में सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास हेतु- मिलकर गाएँ और चर्चा करें

र

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।
इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर सपाटा।

ध्वनि जागरूकता के खेल

'र' ध्वनि वाले चित्र को पहचानें और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

र	र (3, 1, 2)	र	....	....

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

क + र ⇨ कर

न + र ⇨ ....

रंग भरो-

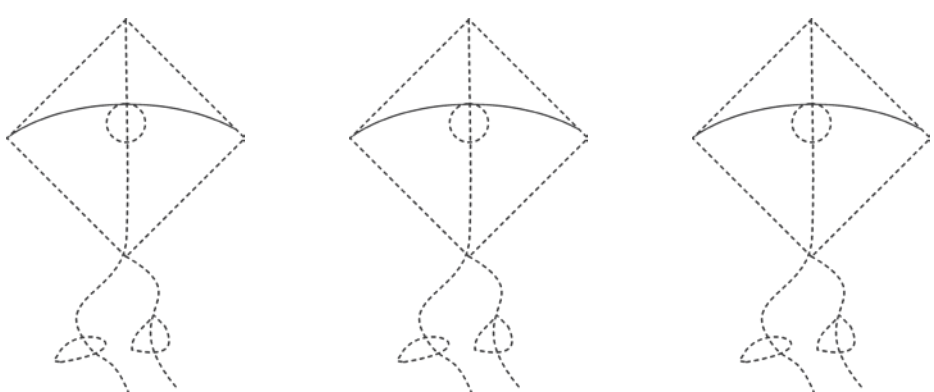

ह

मौखिक भाषा विकास हेतु- मिलकर गाएँ और चर्चा करें

हरी-हरी भिंडी
हरे-हरे आम
हरा-हरा धनिया
खरे-खरे दाम

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ह' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों पर सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ह

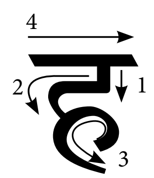

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

ह ल ⇨ हल

ह क ⇨ ....

ह म ⇨ ....

पाठ 7

एकता में बल

V5V4E4

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा के लिए कहानी

चित्र देखकर कहानी सुनाइए–

शिकारी ने जाल फैलाया।

दाना देखकर पक्षी उड़ते आए।

दाना चुगते पक्षी जाल में फँस गए।

सभी पक्षियों ने मिलकर पंख चलाए।

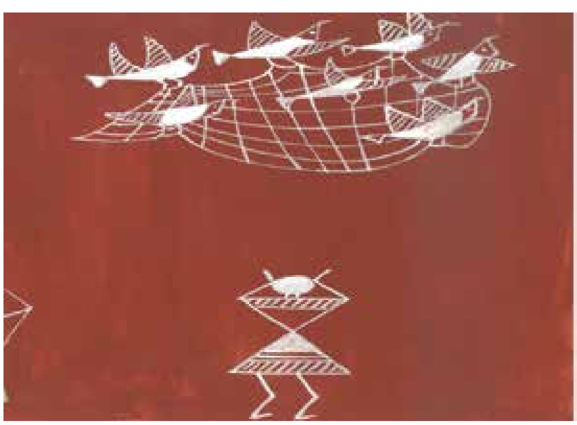

पक्षी जाल लेकर उड़े।
शिकारी देखता रह गया।

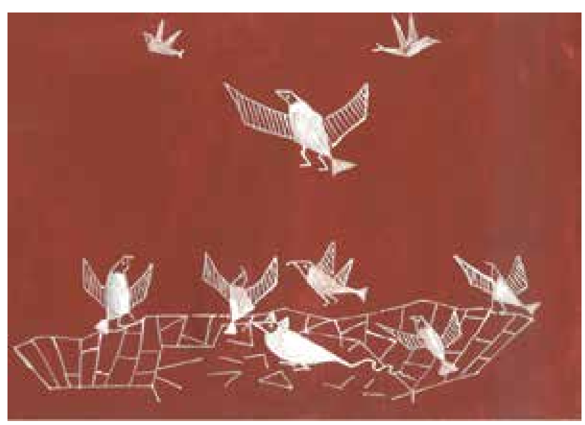

पक्षियों के दोस्त चूहे ने जाल कुतरा।

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- कबूतरों पर क्या मुश्किल आ गई? वे उस मुश्किल से कैसे बचे?
- पक्षी को पंछी भी कहा जाता है। आपके यहाँ इन्हें क्या कहते हैं?
- कबूतरों ने अपनी कहानी चूहे को कैसे सुनाई होगी?
- शिकारी ने अपनी कहानी घर पर कैसे सुनाई होगी?
- एकता में बल क्यों होता है? चर्चा करिए।
- कबूतरों ने चूहे को धन्यवाद दिया। क्या आपने भी कभी किसी को धन्यवाद कहा है? किसे और क्यों? बताइए।

नए शब्द-

कहानी से संबंधित इन शब्दों का अर्थ क्या होगा? चर्चा करें।

एकता	बल	खाना	ढेर सारा

पहले क्या-बाद में क्या?

शिक्षक दिए गए वाक्यों को पढ़कर सुनाएँ एवं कहानी के क्रम पर चर्चाकर सही क्रम के लिए दी गई तालिका के बॉक्स में संख्या लिखवाएँ।

जाल लेकर उड़ गए	
एक साथ पंख फड़फड़ाए	
चूहे ने जाल कुतरा	
कबूतर जाल में फँसे	
शिकारी ने जाल डाला	
कबूतर दाना चुगने आए	

शिक्षक निर्देश- उपर्युक्त मौखिक चर्चा शिक्षक विद्यार्थियों के अपने अनुभवों से जोड़कर स्थानीय भाषा में करें तथा संबंधित गतिविधियों का अभ्यास कार्य करने में विद्यार्थियों की सहायता करें।

आओ खेलें

कौन-कौन उड़ते हैं? उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

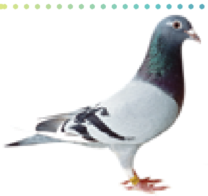

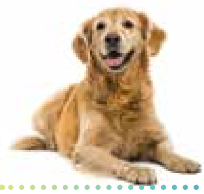

सही शब्द से चित्र को मिलाइए-

पक्षी कैसे-कैसे?

लाल आँखें, गुटर-गूँ

हरे पंख,
लाल चोंच

काला रंग,
काली चोंच

लाल कलगी,
पीली चोंच

नीली गर्दन,
लंबे पैर, सुंदर पंख

शिक्षक निर्देश- शिक्षक की मदद से सही शब्द से चित्र को मिलाइए।

चित्रकारी

बिंदु जोड़ो और रंग भरो। देखो क्या बनता है-

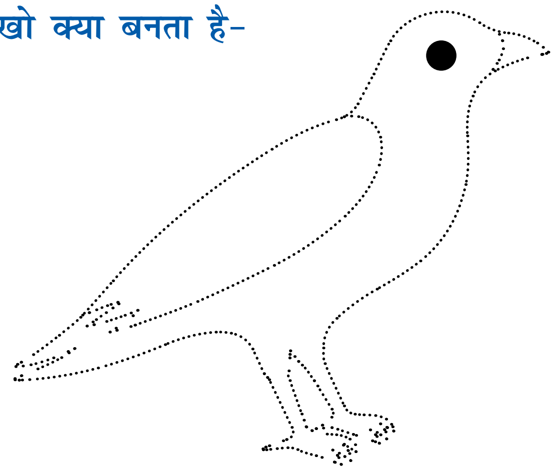

मौखिक चर्चा-

(शिक्षक विद्यार्थियों से समूह में खेले जाने वाले खेलों के बारे में चर्चा करते हुए विद्यार्थियों के विचारों को बोर्ड पर लिखते रहें।)

ऐसे खेलों के नाम बताइए जिन्हें कई बच्चे मिलकर समूह में खेलते हैं। जैसे -

सतोलिया	....	....	....	....

इनमें से कौन-कौनसे काम आप मिलकर करते हो?

शिक्षक एक-एक करके काम का नाम पढ़कर सुनाएँ तथा विद्यार्थी मिलकर किए जाने वाले कामों के नीचे सही (✓) का निशान लगाएँगे।

सफाई	पढ़ाई	रंगोली	बागवानी	गाना
☐	☐	☐	☐	☐

क्या-क्या दिखता होगा?

आपके विद्यालय के ऊपर से पक्षी को क्या-क्या दिखेगा? बताइए और चित्र बनाइए।

खेल गतिविधि-

आओ बच्चो 'चिड़िया उड़' खेल खेलें।

शिक्षक निर्देश- खेल खेलने के बाद शिक्षक विद्यार्थियों से उड़ने वाले पक्षियों के बारे में चर्चा करें।

आ

ध्वनि जागरूकता के खेल

जिन चित्रों का नाम 'आ' ध्वनि से शुरू होता है उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

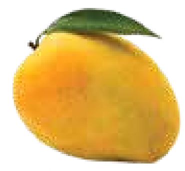 ☐

☐

☐

☐

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

आ	आ (1–6)	आ	....	....

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

आ + म ⇨ आम

आ + ना ⇨ ....

आ + क ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

आम	आन	आक	आह
....	....	....	....

दिए गए वर्णों से नए शब्द बनाइए-

ल	....	....	र	....	....
ह	....	....	आ	....	....

स

मौखिक भाषा विकास हेतु- मिलकर गाएँ और चर्चा करें

एक दो दस
मिल गई बस
बस में बीस
ठस्सम ठस्स

ध्वनि जागरूकता के खेल

'स' ध्वनि वाले चित्र को पहचानें और सही (✓) का निशान लगाएँ-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

स

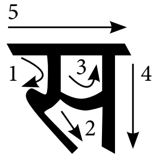

'स' वर्ण पर गोला लगाइए-

सड़क	पेड़	सपेरा	साइकिल	घर

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

र + स ⇨ रस

आ + स ⇨ ....

आ + स + न ⇨ ....

शब्द पढ़िए-

रस	नस	आस	कस

पाठ 8

तितली

E8S5A3

मौखिक भाषा विकास हेतु कविता को विद्यार्थियों के साथ मिलकर गाएँ। कविता पर विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर बातचीत करें-

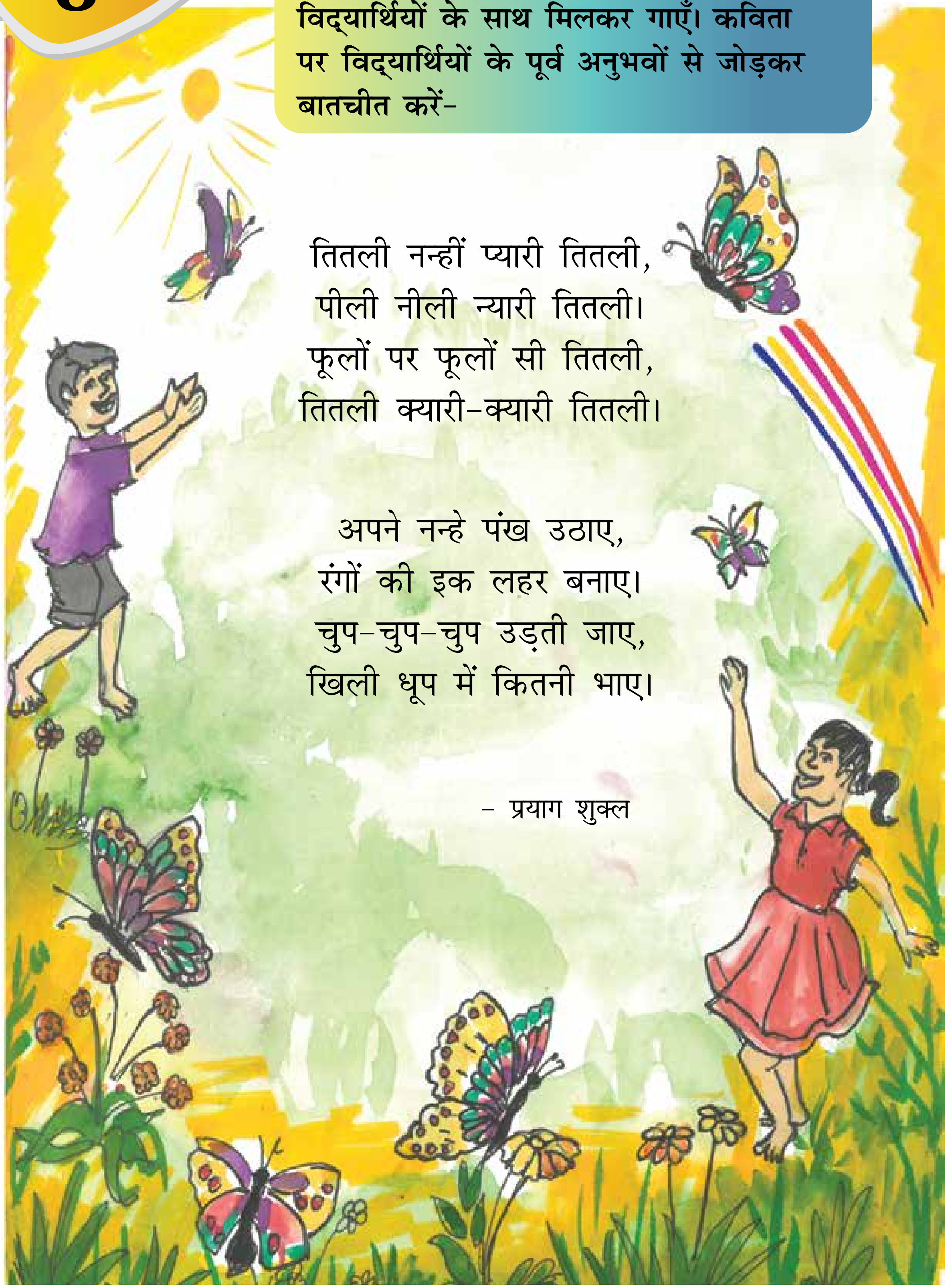

तितली नन्हीं प्यारी तितली,
पीली नीली न्यारी तितली।
फूलों पर फूलों सी तितली,
तितली क्यारी-क्यारी तितली।

अपने नन्हे पंख उठाए,
रंगों की इक लहर बनाए।
चुप-चुप-चुप उड़ती जाए,
खिली धूप में कितनी भाए।

– प्रयाग शुक्ल

चित्र का मिलान करें

तितली के रंग का समान रंग के फूल से मिलान करिए-

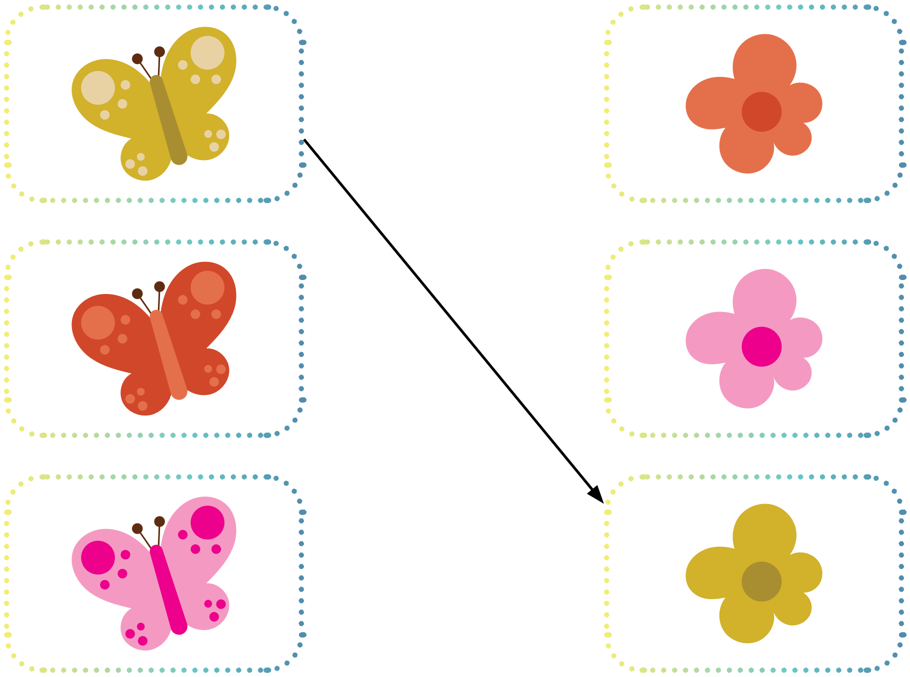

तितली का रंग बताइए-

....

....

चित्रकारी

बच्चों के साथ मिलकर फिरकी/चकरी बनाएँ। इसके लिए आपको एक वर्गाकार पेपर और एक पतली डंडी चाहिए। चकरी/फिरकी बनाने के लिए नीचे दिए गए चित्रों की मदद ले सकते हैं-

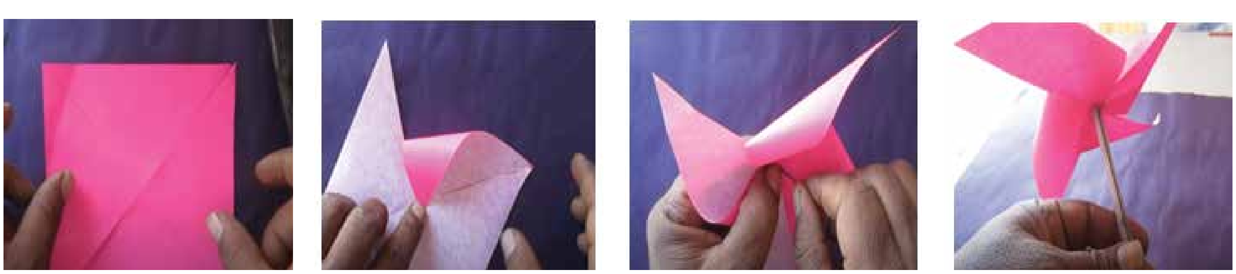

स्टेप 1 **स्टेप** 2 **स्टेप** 3 **स्टेप** 4

आओ खोजें

बिना पंख के कौन होते हैं उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

(शिक्षक नीचे लिखे नामों को बोलते जाएँगे तथा विद्यार्थी सही चित्र पहचानकर सही का (✓) निशान लगाएँगे।)

कौन पानी के अंदर रहते हैं उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

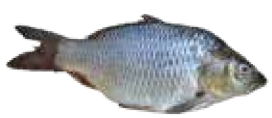

कौन कहाँ रहता है, बताइए और सही (✓) का निशान लगाइए-

मोर, तोता	पानी में / पेड़ पर	मछली, मेंढक	पेड़ पर / पानी में

नीचे दिए गए चित्र में रंग भरिए-

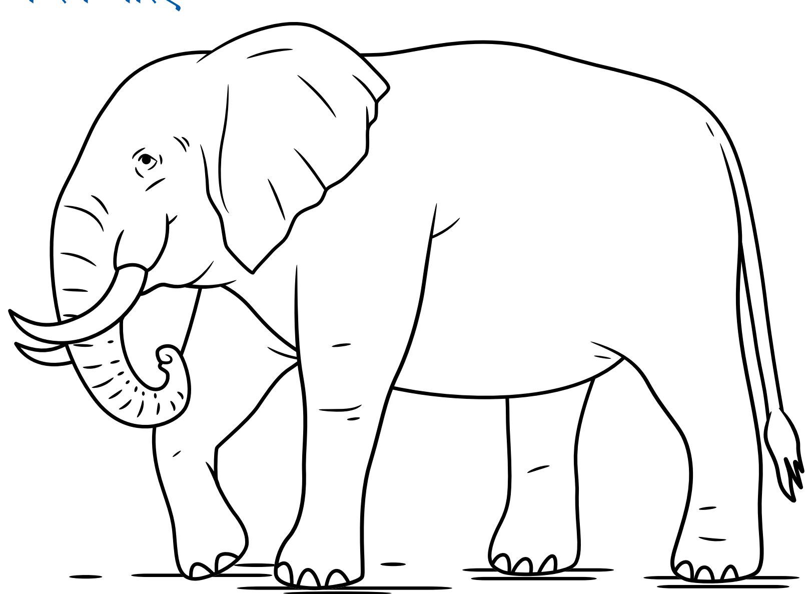

कौन कहाँ है? मिलान कीजिए-

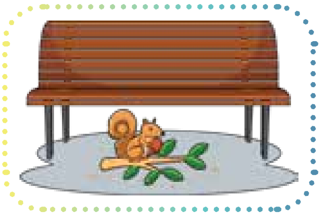

ऊपर   अंदर   नीचे   बाहर

पढ़कर सही (✓) का निशान लगाइए-

तितली फूल के	ऊपर / नीचे / बाहर / अंदर है।	मधुमक्खी छत्ते के	ऊपर / नीचे / बाहर / अंदर है।
मग बाल्टी के	ऊपर / नीचे / बाहर / अंदर है।	गिलहरी बैंच के	ऊपर / नीचे / बाहर / अंदर है।

शब्द ऐसे भी-

उठ	उठा	बन	....	चल	....
नाप	....	उड़	....	फैल	....

अभिनय-

आप ही की तरह तितली भी कभी-कभी गुस्सा, उदास और खुश होती होगी। तितली के भावों का अभिनय करके दिखाओ।

कागज को मोड़कर फूल बनाइए-

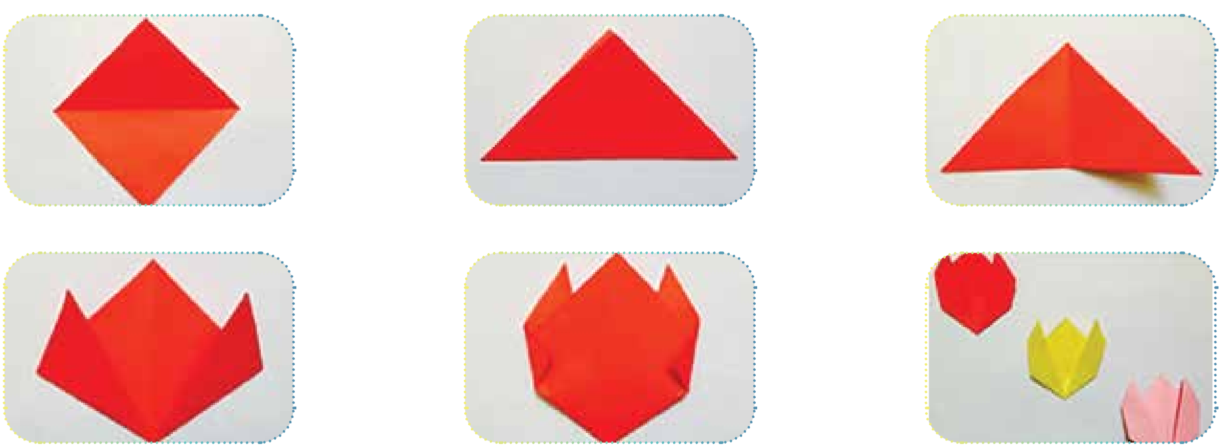

ा

ध्वनि जागरूकता के खेल

मात्रा 'ा' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों को पहचानकर गोला लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ा	ा (2 →, 1 ↓)	मा	का	ना

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़ें-

	ा
क	का
म	मा
ल	ला
न	ना

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

का + र ⇨ कार

का + न ⇨ ....

मा + ला ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

नाम	मान	काका	नाला
....	....	....	....

ध्वनि जागरूकता के खेल

ए

दिए गए शब्दों को बोलें और पहली ध्वनि 'ए' आए तो अपना हाथ ऊपर करें और 'ए' नहीं आए तो हाथ सामने करें-

एक	दिन	एकतारा	सारंगी	एड़ी

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ए	3 1 ए 2	ए	....	....

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़ें-

	ा
स	सा
र	रा
ह	हा
न	ना
ल	ला

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

आ ए ⇨ आए

ला ए ⇨ लाए

ए क ⇨ एक

शब्द पढ़िए और लिखिए-

एक	आए	लाए	जाए
....	....	....	....

ई

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- अगर हमारे गाँव के सभी पेड़ बात करने लग जाएँ तो क्या होगा? आप पेड़ों से क्या-क्या बात करेंगे?

ध्वनि जागरूकता के खेल

दिए गए शब्दों को बोलें और पहली ध्वनि 'ई' आए तो अपना हाथ ऊपर करें और 'ई' नहीं आए तो हाथ सामने करें-

ईख उल्लू ईमान टमाटर

जिन चित्रों का नाम 'ई' ध्वनि से शुरू होता है उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ई

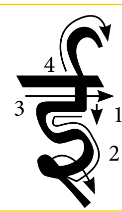

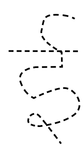

....

....

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़ें-

	ा	ी
स	सा	सी
र	रा	री

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

रा + ई ⇨ राई

क + ई ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

नई	आई	राई	कई
....	....	....	....

पाठ 9

सुबह-शाम करते काम

N9W5H2

मौखिक भाषा विकास के लिए यह कविता विद्यार्थियों के साथ मिलकर गाएँ तथा बाद में कविता पर विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर बातचीत करें-

सुबह-सुबह उठते हम,
मंजन करके हँसते हम।
ही, ही, ही, खी, खी, खी।

नहाते-धोते चमकते हम,
बस्ता लेकर चलते हम।
हा, हा, हा, हो, हो, हो।

विद्यालय में पढ़ते-लिखते हम,
शाम को खेला करते हम,
हे, हे, हे, हू, हू, हू।

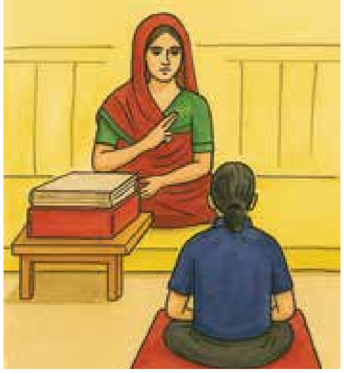

दादी से किस्से सुनते हम,
सुनते-सुनते सोते हम,
घों, घों, घों, सों, सों, सों।

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

ऐसे हँसकर बताइए-

- हँसने की आवाज
  ही ही ही, खी खी खी, हा हा हा, हो हो हो, हू हू हू
- अब ऐसे हँसो
  हा हा हो, हा हा, हो, हा हा हो

चित्रों को सही क्रम दो-

अब आपकी बारी

ही ही हो	ही ही	ही ही हो	ही ....
हा हा हो हो	हा हा	हा हा हो हो	हा .... हो ....

आप भी अपनी धुन बनाइए-

....

निम्नलिखित काम करते समय कौनसी आवाजें होती हैं? चर्चा करिए-

- मंजन करते समय
- नहाते समय
- खेलते समय

मूक अभिनय- (बारी-बारी से)

- **आप अभिनय करिए**- सुबह-सुबह उठना, तैयार होना, पढ़ना आदि। बाकी बच्चे बताएँगे कि आप क्या कर रहे हो।

बदलते शब्द-

गा	गाना	खा	....	रो	....
पी	गाना	सो	....	हँस	....

आप भी जोड़ो

....	....
....	....

कौनसा काम कौन करता है? शिक्षक की मदद से तालिका में सही (✓) का निशान लगाइए-

काम	हम	जानवर
खाना बनाना		
चलना		
हँसना		
रोना		
खेलना		
पढ़ना		
गुस्सा		
सोना		

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

क्या आप जानवरों की देखभाल करते हैं या किसी को करते हुए देखा है? बताइए देखभाल कैसे की जाती है?

संबंध जोड़ें और मिलान करें- (मिलान करवाकर विद्यार्थियों से चर्चा करिए कि इनका संबंध क्यों है?)

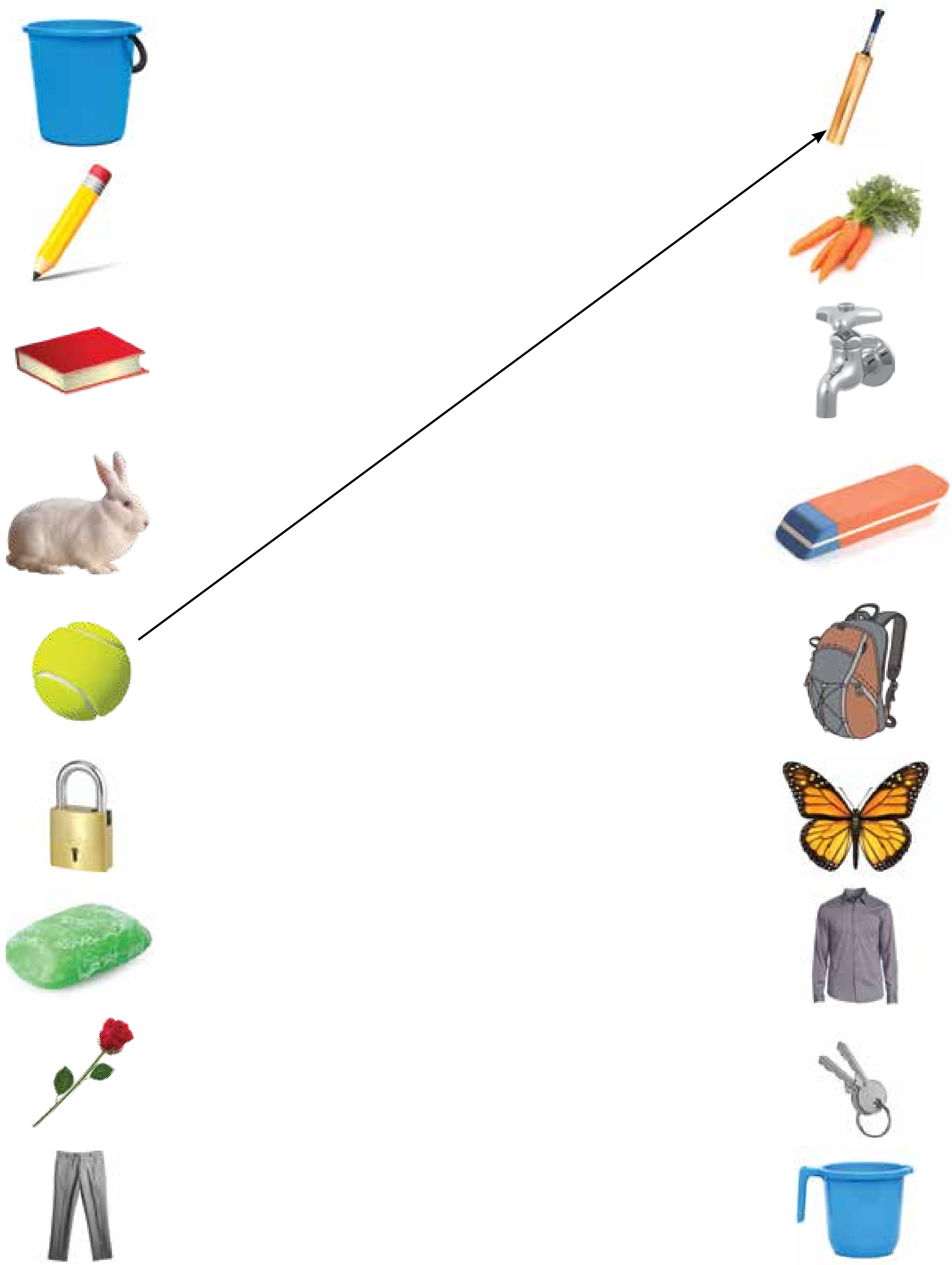

चित्रकारी

विद्‌यालय जाते समय आप अपने बस्ते में क्या-क्या लेकर जाते हैं? यहाँ चित्र बनाइए-

कैसे जाते हैं विद्यालय?

- कई बच्चे पैदल जाते हैं। बाकी बच्चे कैसे जाते होंगे?

  साइकिल, मोटरसाइकिल, ऊँटगाड़ी, पैदल, बस, कार

  मैं .... से जाती/जाता हूँ।

  मैं .... से जाना पसंद करूँगी/करूँगा।

अब आपकी बारी

किस समय क्या?

आप किस समय क्या करते हो? बताइए और लिखिए-

दिन में	रात में

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

साथी से बातचीत-

आप दिन में क्या-क्या काम करते हैं? वह काम अपने साथी को बताओ। उसको भी सुनो। पूरी कक्षा को बताओ कि कौन-कौनसे काम समान करते हो और कौन-कौनसे अलग।

काम में देरी-

कुछ काम में देरी होने से मुश्किल हो जाती है। उन कामों में देरी होने पर क्या करोगे? बताइए। जैसे-

- सुबह देर से उठे।
- नहाते समय नल से पानी नहीं आ रहा है।
- आज विद्यालय साइकिल से नहीं, पैदल जाना है।
- घर से काम करके नहीं लाए।
- क्या कोई ऐसा भी काम है जिसमें देरी होने से फर्क नहीं पड़ता?

पुनरावृत्ति अभ्यास - द्वितीय

मिलकर गाएँ और चर्चा करें

देर से उठना, देर से सोना
सोते रहना बात बुरी है।
गलत बोलना, गलत देखना
चुगली करना बात बुरी है।
बिना हाथ धोए कुछ खाना
गंदी आदत, बात बुरी है।

– कृष्ण बिहारी पाठक

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

शिक्षक व बच्चे कविता को हाव-भाव के साथ बोलेंगे तथा शिक्षक बच्चों के साथ कविता पर चर्चा करेंगे-

- आपको जल्दी उठना कैसा लगता है?
- हमें क्या-क्या काम हाथ धोकर करने चाहिएँ?
- आपको क्या-क्या करना अच्छा लगता है और क्यों?
- कविता में बुरा क्या बताया गया है और क्यों?

आओ खेलें

अंदर-बाहर

- चित्र में अंदर क्या है और बाहर क्या है? बताइए-

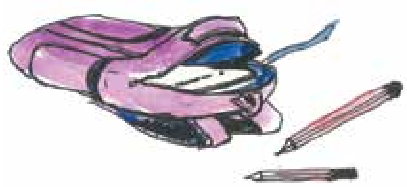

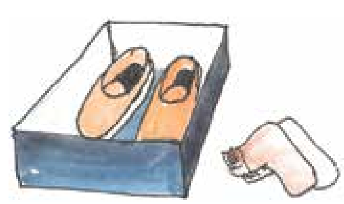

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

सोचो, अगर हम सब चाँद पर पहुँच जाएँ तो वहाँ क्या-क्या करेंगे?

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

दिए गए वर्णों से नए शब्द बनाइए-

क	....	....
आ	....	....
स	....	....

र	....	....
ह	....	....
म	....	....

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ा
ल	ला
न	
ह	

	ा
स	
म	
र	

चित्र देखकर उनके नाम लिखें-

....

....

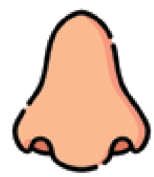

....

....

चित्र बनाएँ और रंग भरें-

शिक्षक निर्देश- बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से पुस्तकें लेकर पढ़ने के अवसर दें साथ ही पुस्तक के चित्रों पर चर्चा करें।

दोहरान ल न र ह आ स ई ा

ध्वनि जागरूकता के खेल

चित्र देखकर पहला वर्ण पहचानिए और लिखिए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़ें-

	ा	ी
म	मा	मी
ल	ला	ली
स	सा	सी
न	ना	नी

	ा	ी
क	का	की
र	रा	री
ह	ह	ही
स	सा	सी

पासे का खेल-

पासे लो। ऊपर से डालो। जिस खाने में गिरे, वह करना होगा।

'ह' ध्वनि से शुरू होने वाले कोई दो शब्द बताइए।	'आ' ध्वनि से शुरू होने वाले कोई दो शब्द बताइए।	'स' ध्वनि से शुरू होने वाले कोई दो शब्द बताइए।
'म' से शुरू होने वाले रिश्ते का नाम बताइए।	'क' ध्वनि से शुरू होने वाले कोई दो नाम बताइए।	तीन अक्षर का एक शब्द बताइए।
'ल' से लकड़ी से बनी कोई दो वस्तुएँ बताइए।	'ई' की ध्वनि वाले दो शब्द बताइए।	'न' ध्वनि से शुरू होने वाले कोई दो शब्द बताइए।

पाठ 10

बस्ते का रास्ता

मौखिक भाषा विकास हेतु चित्रों पर चर्चा

सुगना विद्‌यालय से घर आई। उसने कहा- ''सुनो मिट्‌ठू!''

मिट्‌ठू से बात करते-करते भैंस के सींग पर उसने बस्ता टाँगा।

रात को वह सोई। बस्ता वहीं टँगा रहा जहाँ उसने टाँगा था।

सुबह हुई। माँ और मिट्‌ठू ने उसे जगाया।

''आज तो विद्‌यालय में बहुत मजा आने वाला है।'' सुगना ने मिट्‌ठू को कहा। वह खुशी-खुशी तैयार हुई।

तैयार होकर सुगना बस्ता लेने गई लेकिन यह क्या! बस्ता तो वहाँ था ही नहीं।

सुगना ने खूब ढूँढ़ा। मिट्ठू भी उसके साथ ढूँढ़ने में लगा। दोनों ने खाट के नीचे देखा। नहीं मिला। रसोई में देखा, ताक के ऊपर देखा नहीं मिला। आलमारी में देखा। तभी मिट्ठू उड़ता आया। ''मिल गया! मिल गया!'' उसने कहा।

सुगना भागी। ''अरे ये क्या? मैंने तो बड़ी कील की जगह भैंस के सींग पर टाँग दिया था अपना बस्ता।'' मिट्ठू ने पूछा- ''अब चलें विद्यालय?'' सुगना ने खुशी-खुशी कहा- ''हाँ।''

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- अगर भैंस बस्ता लटकाए घूमने चली जाती तो क्या होता?
- सुगना ने कहा ''आज तो विद्यालय में बहुत मजा आने वाला है।'' उस दिन उसके विद्यालय में क्या होने वाला होगा? बताइए।
- ऐसे कौन-कौनसे काम हैं जो आप को पसंद हैं? बताइए।

शिक्षक निर्देश-

1. कहानी सुनाने से पहले कहानी के चित्रों, स्थानीय संदर्भों तथा विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।
2. कहानी सुनाने के बाद कहानी के बारे में प्रश्नोत्तर रूप में चर्चा करते हुए कहानी पर गहरी समझ बनाएँ।
3. विद्यार्थियों को चर्चा के दौरान सोचने व अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें।

आओ खोजें

आपको क्या-क्या करने में आनंद आता है? चित्र पर सही (✓) का निशान लगाइए-

कहानी में पहले क्या, बाद में क्या?

सही क्रम लिखिए-

सुबह माँ और मिट्ठू ने उसे जगाया।

सुगना विद्यालय से लौटी और मिट्ठू से मिली।

सुगना खुशी-खुशी तैयार हुई।

बस्ता भैंस के सींग पर मिल गया।

उसने जगह-जगह बस्ता ढूँढा।

उसने भैंस के सींग पे बस्ता टाँगा।

सुगना बस्ता ढूँढने लगी।

गतिविधि-

- अपने और दोस्त के बस्ते के अंदर की वस्तुओं को देखकर बताइए कि दोनों में क्या अंतर है? लिखिए-

खेल का नाम-शीशा

- अपने साथी की नकल करो। दो-दो की जोड़ी में विद्यार्थी आपने-सामने खड़े होंगे तथा जैसा सामने वाला दोस्त करता है वैसा ही दूसरे को करना है। उसी तरह से नकल करना है जैसे शीशे में दिखता हो।

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

इनमें से कौनसा काम सुगना ने नहीं किया? चर्चा करिए-

- घर आना, चिल्लाना, बात करना, खेलना, टाँगना, सोना, खाना, पीना।
- खिलौने बनाना, जागना, तैयार होना, ढूँढ़ना, देखना, फेंकना, विद्यालय जाना।
- आप घर में बस्ता कहाँ रखते हैं?
- क्या आपकी कोई वस्तु खोई थी?
- वह क्या थी?
- वह कहाँ मिली?
- खोई हुई वस्तु को ढूँढ़ने में किसने मदद की?

शिक्षक निर्देश- विद्यार्थियों को सोचने व अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें।

दिए गए शब्दों की सहायता से कहानी सुनाइए-

- सुगना, मिट्ठू, बस्ता, टाँगा, सोई, जागी, तैयार, बस्ता, ढूँढ़ना, बिस्तर, रसोई, ताक, आलमारी, मिला, सींग, खुशी

कौनसी वस्तु कहाँ?

- अपने घर में हम कौन-कौनसी वस्तुएँ टाँगकर रखते हैं? निशान (○) लगाइए।
- कौनसी वस्तुएँ आलमारी में रखते हैं? निशान (✓) लगाइए।
- ताक पर क्या-क्या रखते हैं? निशान (△) लगाइए।

बस्ते का रास्ता-

बस्ता ढूँढ़ने के लिए सुगना कहाँ से कहाँ गई?
क्रम से लिखिए।

- सींग पर, कील, रसोई की ताक, पलंग के नीचे, आलमारी

कील	⇨		⇨	पलंग के नीचे	⇨		⇨	

तरह-तरह के रास्ते-

कौन किस रास्ते से जाएगा? मिलान करिए-

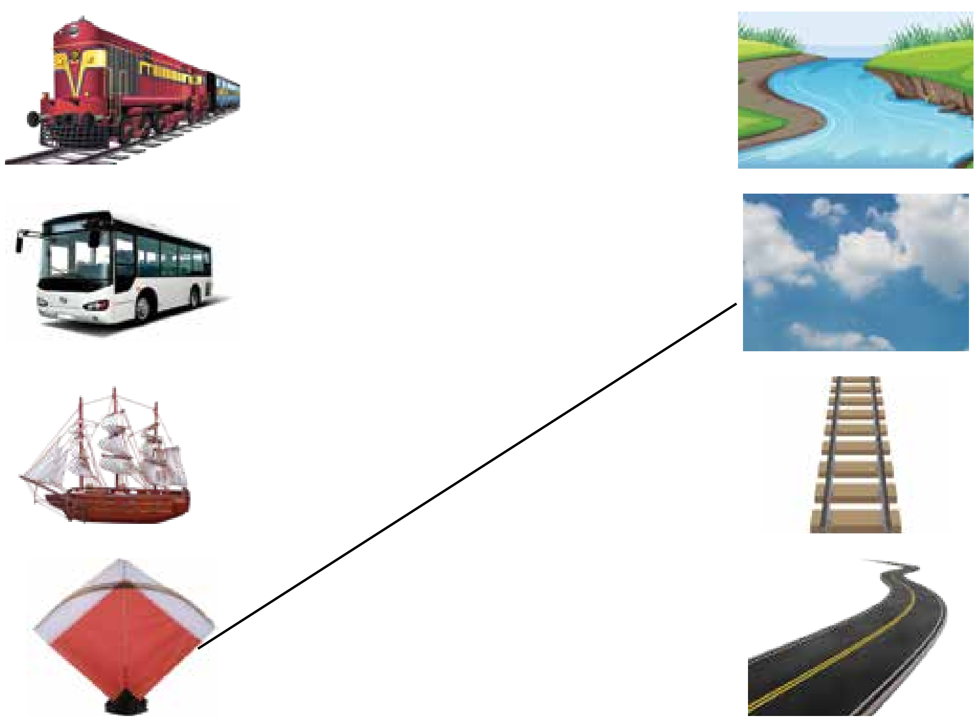

रास्ते को सड़क भी कहते हैं। आपकी भाषा में यहाँ रास्ते को क्या कहते हैं?

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

घर से विद्यालय का रास्ता-

- घर से विद्यालय के रास्ते में आपको क्या-क्या दिखाई देता है? जैसे- पेड़, चिड़िया, गाय, साइकिल आदि और क्या-क्या दिखता है? बताइए।

े

मिलकर कविता गाएँ और चर्चा करें

केले

गली-गली में ठेले
केले ले लो केले
पैसे हैं ना धेले
कैसे ले लूँ केले?

ध्वनि जागरूकता के खेल

दिए गए शब्दों को बोलें और पहली ध्वनि मात्रा 'े' आए तो अपना हाथ ऊपर करें और मात्रा 'े' नहीं आए तो हाथ सामने करें-

केला	काम	मेला	हरा	रेल	आम

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

े | े (1, 2) | मे | से | ने

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़ें-

	ा	े
स	सा	से
ल	ला	ले
न	ना	ने
ह	हा	हे

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

के + ला ⇨ केला

मे + ला ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

रेल	केला	मेला	रेता
....	....	....	....

ओ

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ओ' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ओ | ओ | ओ | .... | ....

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़ें-

	ा	ो
ल	ला	लो
न	ना	नो
स	सा	सो
र	रा	रो
ह	हा	हो

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

ओ + स ⇨ ओस

ला + ओ ⇨ ....

ओ + र ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

ओम	ओर	आओ	लाओ
....	....	....	....

त

ध्वनि जागरूकता के खेल

'त' ध्वनि वाले चित्र को पहचानो और सही (✓) का निशान लगाओ-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

त त

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए-

	ा	े
त	ता	ते
स	सा	से
ह	हा	हे
ल	ल	ले
न	ना	ने

ते	ला	हे
मा	ता	के
रा	ने	सा

मिलाकर पढ़िए और देखकर लिखिए-

ता र ⇨ तार   ते ल ⇨ ....   ता ला ⇨ ....

शब्द पढ़िए और देखकर लिखिए-

तर	तार	तारा	ताला	तेल
....	....	....	....	....

पाठ 11

पतंग

मौखिक भाषा विकास के लिए यह कविता विद्यार्थियों के साथ मिलकर गाएँ तथा बाद में कविता पर विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर बातचीत करें-

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।
इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर सपाटा।

अब लड़ने में जुटी पतंग,
अरे कट गई, लुटी पतंग!
सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।

– सोहन लाल द्विवेदी

ध्वनि जागरूकता के खेल

पतंग की आवाजें हैं-

सर-सर-सर-सर, फर-फर-फर-फर

ये आवाजें किसकी होंगी? बताइए-

घर-घर-घर-घर
चर-चर-चर-चर
टर-टर-टर-टर

आप भी आवाजें जोड़ो-

कौन कहाँ?

पतंग-माँझा निकले साथ,
सुई-धागे से करते बात।
पहुँचे सब एक मेले में,
खो गए सब एक रेले में।
पतंग पूछे माँझा कहाँ,
धागा रोए सुई कहाँ।

अब आपकी बारी

कौन किसके साथ? मिलान करिए-

पतंग	चाबी
चकला	धागा
सुई	माँझा
गिल्ली	बेलन
ताला	डंडा

शब्द ऐसे भी-

इनका मतलब क्या है? अपने शिक्षक से पता करिए।

- उड़ी पतंग
- जुटी पतंग
- लुटी पतंग
- आप पतंग कब-कब उड़ाते हो?
- आपके यहाँ पतंग कौन-कौन उड़ाता है?

शब्दों को सही जगह लगाइए-

गाया, आया, लाया, खाया

लड्डू	....	पुस्तक	....
साथी	....	गाना	....

भाषा विकास हेतु गतिविधि

क्या आपने कभी पतंग उड़ाई है?

दिए गए शब्दों को कहानी में सही जगह लिखिए-

पतंग, रंग, उड़ी, फटी, चिपकाया, उड़ाया, हरा

मुझे मिली एक पतंग। लाल .... की एक पतंग। उसमें लगा हुआ था धागा। मैंने पतंग उड़ाई लेकिन वह तो .... ही नहीं। मैंने देखा, वह नीचे से .... हुई थी। मैंने उस पर थोड़ा सा नीला कागज ....। अब पतंग को .... तो वह नीले कागज की ओर बहकने लगी तो मैंने दूसरी ओर .... कागज लगाया। अब पतंग को उड़ाया तो वह खूब उड़ी। बहुत ऊँची उड़ी मेरी लाल-हरी-नीली ....!

पतंग और बादल–

जब पतंग बादलों के पास पहुँची तो क्या बात हुई?

अगर आप पतंग के साथ उड़ते तो नीचे क्या–क्या दिखता? चित्र बनाइए।

कागज की पतंग बनाइए और उसमें रंग भरिए–

क्रम 1 **क्रम 2** **क्रम 3** **क्रम 4** **क्रम 5** **क्रम 6**

कौनसी पतंग किसकी?

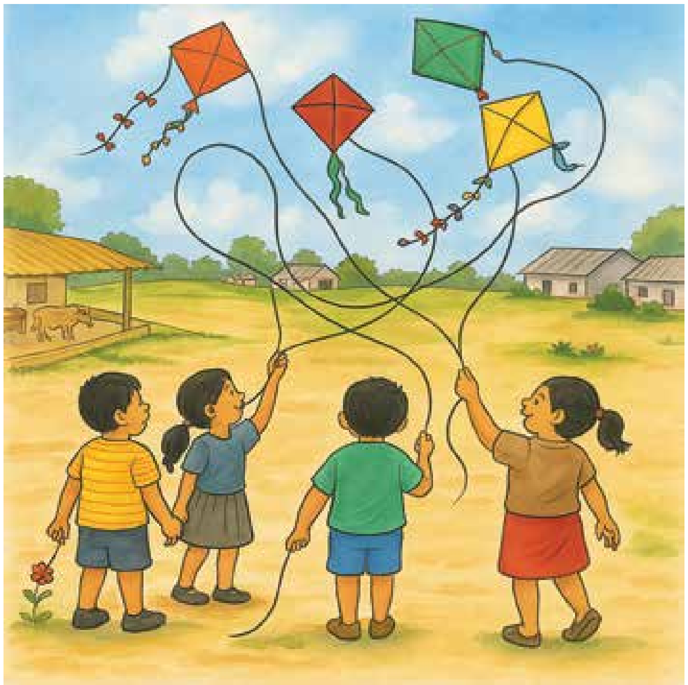

अलग-अलग पतंग-

ये पतंगें किसकी तरह दिखती हैं? बताइए और उनमे रंग भरिए-

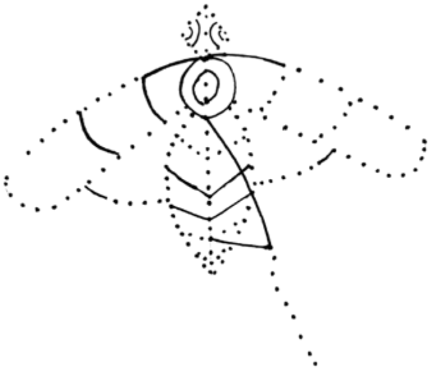

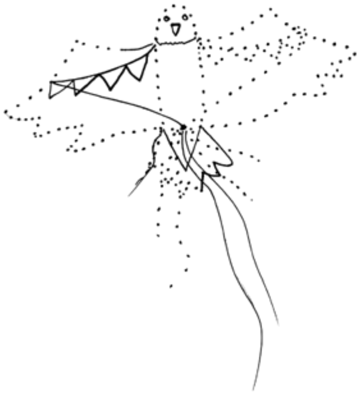

चित्रकारी

बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करें और रंग भरें-

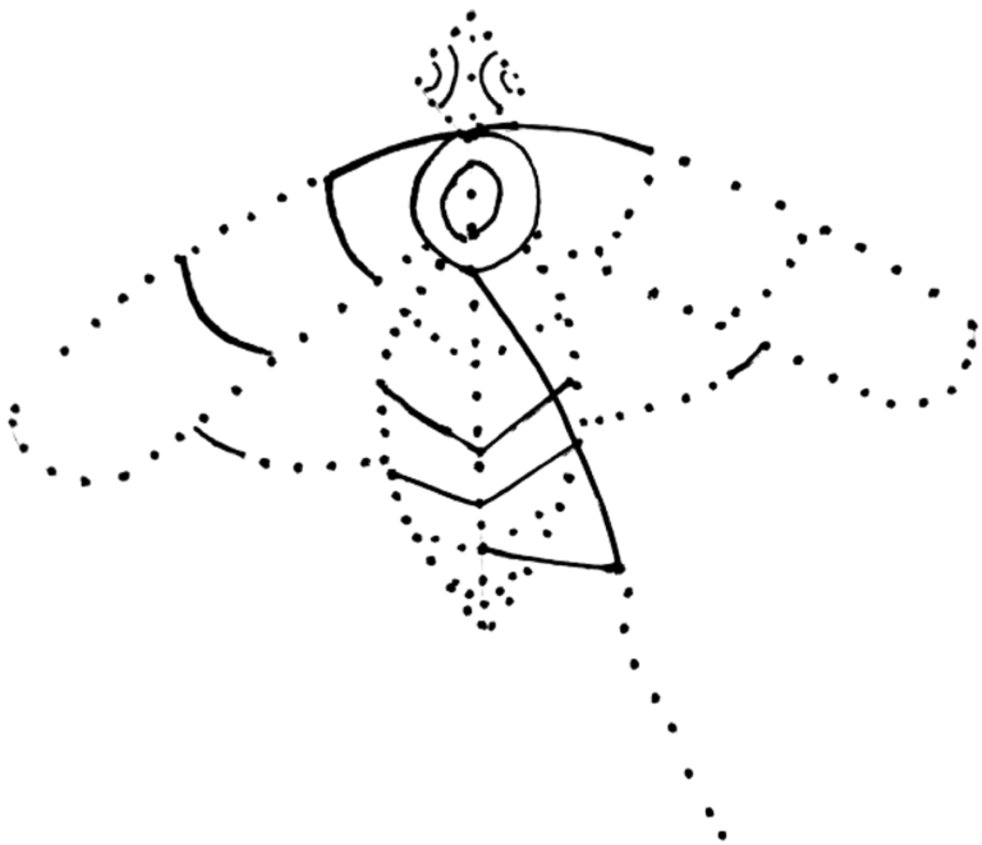

एक पतंग आप भी बनाइए और रंग भरिए-

आओ मिलकर गाएँ और चर्चा करें

जंगल में क्या हुआ

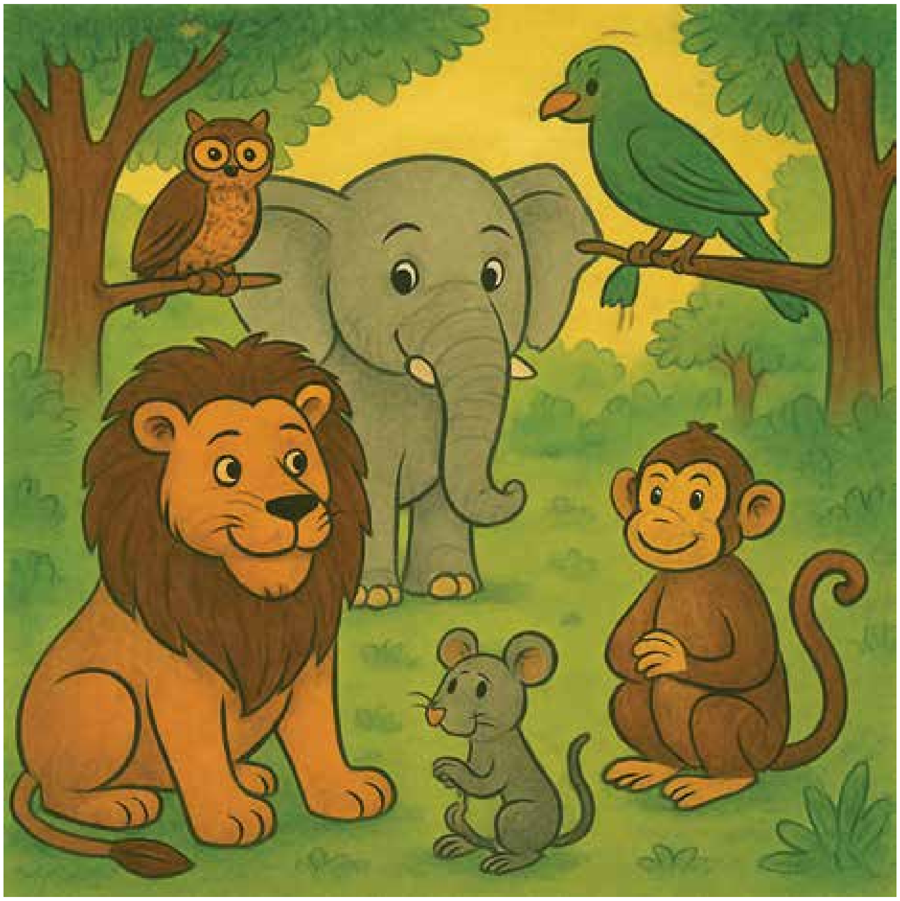

मचा हुआ था जंगल में
बहुत जोर का शोर
जोर-जोर से बोले उल्लू
जंगल में घुस आए चोर

शेर दहाड़ा जोर से
खबर भिजवाई मोर से
जल्दी से एक सभा बुलाओ
सब मिल-जुलकर चोर भगाओ

चूहे बोले चूँ चूँ चूँ
कोयल बोले कू कू कू
बोले बंदर हुप-हुप
पर हाथी दादा थे चुप

सबने मिलकर सभा लगाई
अपनी-अपनी राय बताई
जंगल का कानून बनाया
जिससे जंगल में मंगल छाया

ध्वनि जागरूकता के खेल

ी

शब्दों में मात्रा को पहचानिए और बताइए–

चल ⇨ चील कल ⇨ कील नल ⇨ नील

पहचानें और लिखें–

ी ी (1, 2) क ल ब

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए–

	ा	ी
ब	बा	बी
न		
ल		
न		
म		
क		

शब्द पढ़िए और लिखिए–

	ा	ी
पला	पाला	पीली
नला		
मला		
कला		

मिलाकर पढ़िए और लिखिए–

की ल ⇨ कील चि ल ⇨ .... ना नी ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए–

नीम	कली	नानी	मीरा	नाली
....	....	....	....	....

ध्वनि जागरूकता के खेल

उ

‘उ’ ध्वनि वाले चित्र को पहचानो और सही (✓) का निशान लगाओ–

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें–

उ	उ 1	उ	....	....

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए–

	ा	ी	े
त	ता	ती	ते
स	सा	सी	से
ह	हा	ही	हे
ल	ल	ली	ले
न	ना	नी	ने

मिलाकर पढ़िए और देखकर लिखिए–

उ + म + र ⇨ उमर

उ + स + का ⇨ ....

शब्द पढ़िए और देखकर लिखिए–

उमा	कमरा	हमारा	उनका	उसका
....	....	....	....	....

वाक्य पढ़िए–

उमा हरा आम ला।

ऐ

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- अगर कभी रात ही ना हो तो क्या-क्या होगा? सोचिए और बताइए।

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ऐ' ध्वनि वाले चित्र को पहचानें और सही (✓) का निशान लगाएँ-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ऐ

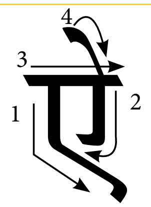

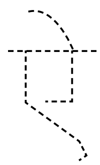

....

....

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ि	े	ा
त	ति	ते	ता
स			

	ि	े	ा
र			
न			

पढ़ें-

ये	को	ओ
ई	ऐ	आ
ते	उ	सी

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

ऐ + सा ⇨ ऐसा

ऐ + न + क ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

ऐनक	ऐसा	ऐलान	ऐना
....	....	....	....

पाठ 12

ढेला और पत्ता

एक और एक आम के पेड़ के नीचे रहते थे। भारी था। हमेशा जमीन पर पड़ा रहता था। 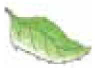 हल्का था थोड़ी हवा चले तो इधर-उधर उड़ता रहता था।

वह से कहा करता था- "क्या दिनभर एक ही जगह पड़े रहते हो, आओ थोड़ा इधर-उधर घूम आएँ।" कुछ न बोलता, वह चुपचाप को देखता रहता।

एक दिन तेज हवा चली। डर गया। वह उड़ने ही वाला था कि आकर से चिपक गया।

धीरे से लुढ़का और के ऊपर आ गया। अब भी डर के मारे काँप रहा था। पर अब उसे उड़कर दूर चले जाने का भय न था।

हवा थम गई। अचानक जोर से आने लगी। पानी की टप-टप गिरने लगी।

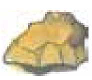 ने कहा- "लगता है अब मैं न बचूँगा।"

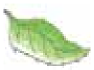 मुस्कुराया और आकर के ऊपर बैठ गया ऐसे जैसे कि 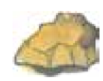 को ने ढक लिया हो।

थम गई और हवा भी।

ने से कहा- "आज तुमने मुझे बचा लिया। "

बोला- "हाँ दोस्त! हमने एक-दूसरे को बचा लिया।"

शिक्षक निर्देश-

1. कहानी सुनाने से पहले कहानी के चित्रों, स्थानीय संदर्भों तथा विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।
2. कहानी सुनाने के बाद कहानी के बारे में प्रश्नोत्तर रूप में चर्चा करते हुए कहानी पर गहरी समझ बनाएँ।
3. विद्यार्थियों को चर्चा के दौरान सोचने व अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें।

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

क्या आपको भी डर लगता है? किससे? फिर आप किसकी मदद लेते हो?

सच्चे दोस्त समय पर काम आते हैं। जैसे-

- पत्ते को हवा से डर लगा ⟶ ढेले ने उसे पकड़ा।
- ढेले को बारिश से डर लगा ⟶ पत्ते ने छतरी बना ली।

सच्चे दोस्त क्या करेंगे? जब दोस्त को-

- अंधेरे से डर लगता है।
- बात करने में झिझक होती है।
- बुखार होता है और वह विद्यालय नहीं आता।

सही शब्द भरो- मैं या तुम

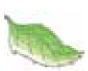	.... एक जगह क्यों पड़े रहते हो।		.... एक जगह ही रहा हूँ।
	.... हवा से डर रहा हूँ।		.... हवा से मत डरो।
	.... बारिश से मत डरो।		.... बारिश से डर रहा हूँ।

समान अर्थ वाले शब्द-

डर – भय

कहा – बोला

ऐसे समान अर्थ वाले शब्द और भी हैं। ऐसे शब्द कहानी में से ढूँढ़कर बताइए।

(अपने शिक्षक की मदद ले सकते हो।)

इन शब्दों को आपकी भाषा में क्या कहते हैं?

दोस्त	....
मिट्टी का टुकड़ा	....
मेघ	....
रुक गई	....

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

हवा में क्या-क्या उड़ता है और क्या-क्या नहीं?

चित्रकारी

उड़ने वालों का चित्र

नहीं उड़ने वालों का चित्र

ढेला लुढ़का, पत्ता सरका

कौन क्या करता है? बताइए।

वस्तु		लुढ़का	सरका
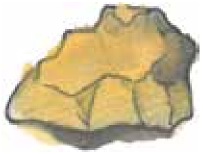	ढेला	✓	
	पत्ता		✓
	गेंद		
	बल्ला		
	कंगन		
	डंडा		
	कॉपी		
	रबड़		

ऐसे आप भी जोड़ो-

पानी रे पानी
चीनी बोली पानी से
मिल गए हम आसानी से।

पानी में और क्या-क्या आसानी से मिल जाएगा? सही (✓) का निशान लगाएँ-

नमक

मिट्टी

घास

कंकड़

ऐसा कौन है जो घास नहीं खाता है? उस पर सही (✓) का निशान लगाइए-

नीबू पानी बनाते समय क्या-क्या करते हैं? देखिए और लिखिए-

लिया, निचोड़ा, डाली, घोला

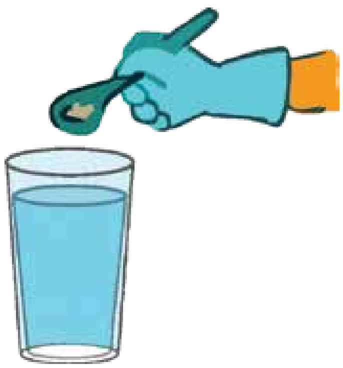

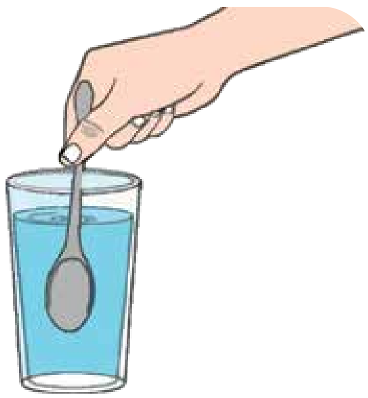

पहले एक गिलास में नीबू ....।

फिर जग से पानी ....।

उसके बाद एक चम्मच चीनी ....।

आखिर में चम्मच से ....।

नीबू पानी किससे बना?

...., ... और ....।

इसे बनाने के लिए कौन से बर्तन लगे?

...., ... और ....।

गतिविधि

ढेला और पत्ता कहानी का अभिनय करके दिखाइए।

नीचे दिए गए चित्रों में रंग भरो और कहानी बनाओ–

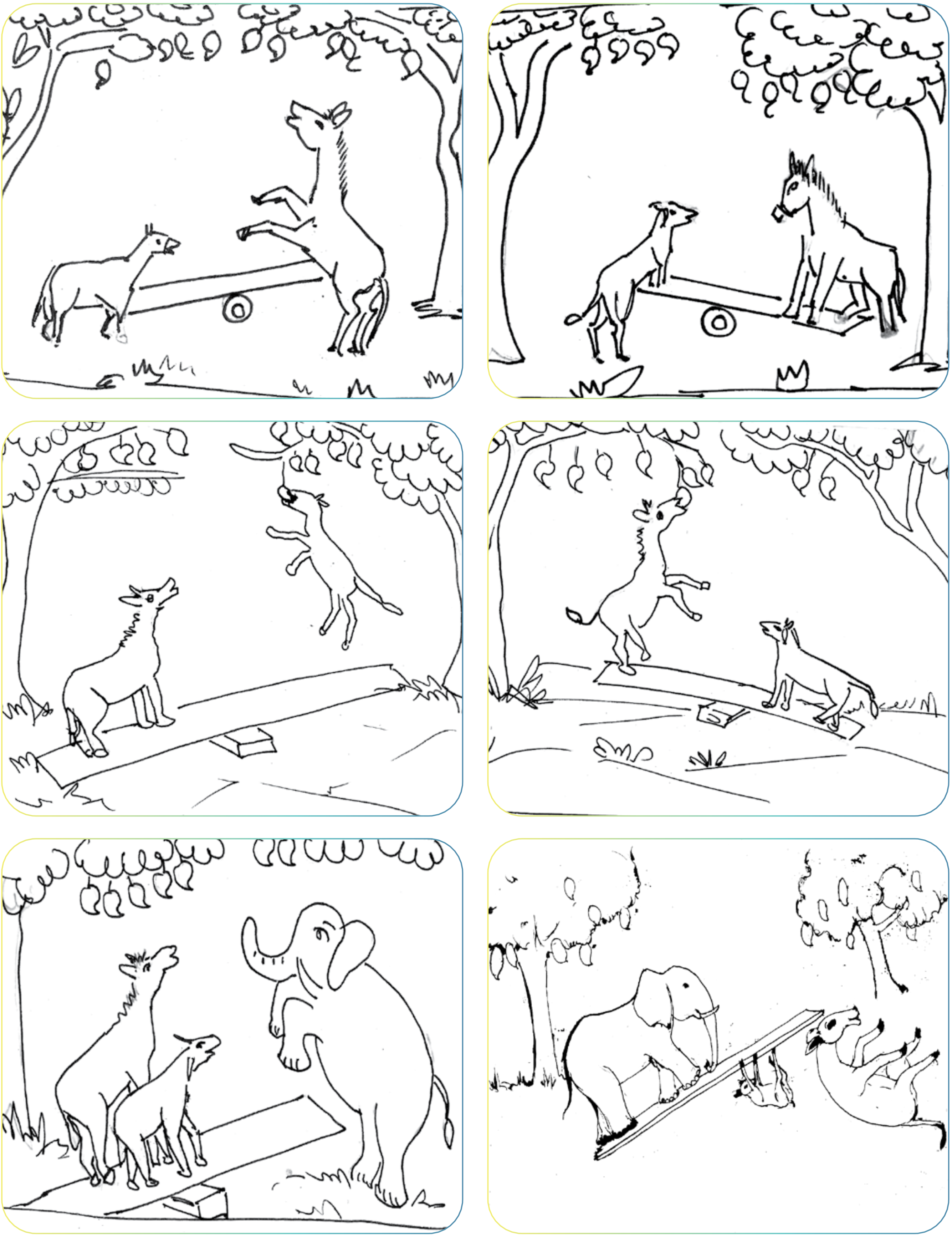

प

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- अगर आप जब चाहो तब गायब हो सको तो क्या -क्या करोगे और क्यों?

ध्वनि जागरूकता के खेल

दिए गए शब्दों को बोलें और पहली ध्वनि 'प' आए तो अपना हाथ ऊपर करें और 'प' नहीं आए तो हाथ सामने करें-

पहाड़	बकरी	पलंग	ऊँट	पकौड़ी	आम

जिन चित्रों का नाम 'प' ध्वनि से शुरू होता है उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

प

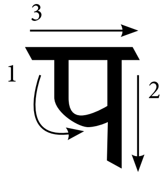

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़ें-

	ा	ी	े
प	पा	पी	पे
स	सा	सी	से

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

म का न ⇨ मकान

प पी ता ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

आओ	ओस	पतीला	पपीता
....	....	....	....

ो

ध्वनि जागरूकता के खेल

मात्रा 'ो' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ो ो (3, 2, 1) र स म

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ा	ी	ो	े
प	पा	पी	पो	पे
त				
स				
ह				

	ा	ी	ो	े
र				
न				
ल				
अ				

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

मो र ⇨ मोर

सो ना ⇨ ....

पो हा ⇨ ....

पढ़ें-

मोना आओ, रीना आओ, सारे आओ।

ो

ध्वनि जागरूकता के खेल

शिक्षक पढ़कर सुनाएँ-

गौरव और परमजीत सिंह दोनों दोस्त हैं। दोनों जोधपुर में रहते हैं। एक दिन दोनों ओसिया गाँव में घूमने गए। वहाँ उनको दिनेश और सतीश मिले। सतीश ने बताया कि वे आजकल जयपुर रहते हैं। सभी ने मिलकर बहुत सारी बातें की।

- अब आप बताइए उन चारों दोस्तों ने क्या-क्या बातें की होंगी?

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पढ़ें और सही शब्दों का चयन करके लिखें-

कल, काल, कला, काला, कील, कली

1. तवे का रंग .... होता है।
2. तस्वीर .... पर लगाते हैं।
3. फूल की .... होती है।
4. .... खेलने जाती है।

मिलकर कविता गाएँ और चर्चा करें

हवा चलती है तो
पत्ती हिलती है
पत्ती हिलती है तो
धूप हिलती है
धूप हिलती है तो
छाँव हिलती है
छाँव हिलती है तो
धरती को गुदगुदी चलती है

– सुशील शुक्ल

अब ऊपर दी गई कविता में 'ह' के नीचे लाइन खींचो और 'ो की मात्रा' पर गोला लगाओ-

ग

मिलकर कविता गाएँ और चर्चा करें

गैया मेरी बड़ी सयानी
माँग रही पीने को पानी
सुंदर बछिया उसकी मोती
खूँटे पर ही बँधकर सोती

गैया दुहने जब मैं बैठा
गैया ने बछिए को देखा
तब गैया ने मारी लात
मैंने खाई चार कुलाँट

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ग' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ग

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

ग + ला ⇨ गला

ग + ग + न ⇨ ....

ग + म + ला ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

गम	गला	गगन	हमला	गमला
....	....	....	....	....

वाक्य पढ़िए-

गीता गमला लाई। लाली गुलाल लाई।

पाठ 13

सतोलिया

मौखिक भाषा विकास के लिए यह कविता विद्यार्थियों के साथ मिलकर गाएँ तथा बाद में कविता पर विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर बातचीत करें-

लगा निशाना
सतोलिया पर,
छीन झपटकर
पीठ बचाकर
बैठ बैठाकर
ठीक जमाकर
उठ कर भागी
मेरी टीम।
इधर बची वो
उधर मुड़ी वो
पकड़ न आई
मेरी टीम
पकड़ न आई
मेरी टीम।

आओ खोजें

इनमें से कौनसे शब्द कविता में नहीं हैं? बताइए-

निशाना, गोल, बची, भागी, रन, छीन झपट

अगर सतोलिया अच्छे से खेलना है तो क्या-क्या करना होगा? बताइए-

तुकबंदी

इसे पढ़िए-

पीठ बचाकर
बैठ बैठाकर
ठीक जमाकर

अब आप बनाओ और बोलो-

उठ ....

जुट ....

झुक ....

टीम के खेल-

- आप कौनसा खेल टीम में खेलते हो?
- उस टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?
- उस खेल को कैसे खेला जाता है?

टीम या बिना टीम-

इन खेलों में से टीम के खेल पहचानो और गोला लगाओ-

गुल्ली-डंडा

क्रिकेट

बैडमिंटन

हॉकी

सतोलिया के खेल में सतोलिया को गेंद से मारते हैं। ऐसे और कौनसे खेल हैं जिनमें एक वस्तु से दूसरी वस्तु को मारा जाता है? मिलान कीजिए-

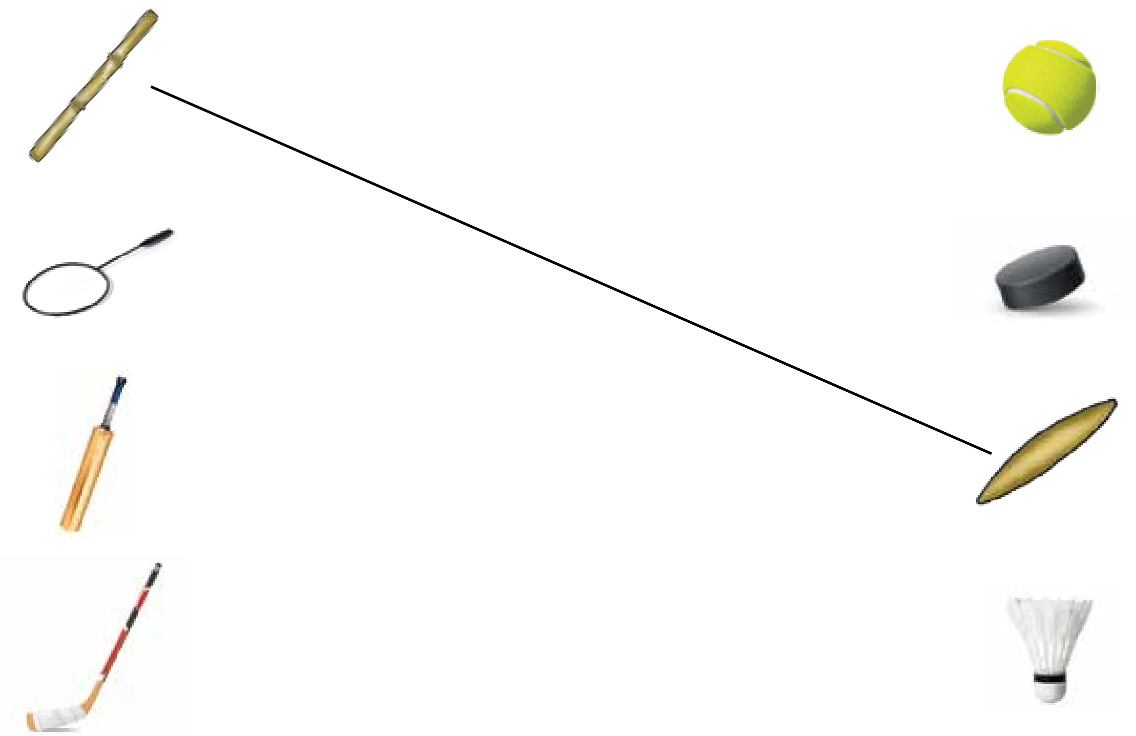

आपने इनमें से कौन-कौनसे खेल खेले हैं?

सतोलिया को आपके यहाँ क्या कहा जाता है?

कौनसे खेल बड़े बच्चे ही खेलते हैं और छोटे नहीं खेलते?

इनमें से कौनसे खेल घर के अंदर और कौनसे घर के बाहर खेले जाते हैं? सही (✓) का निशान लगाइए-

खेल	घर के अंदर	घर के बाहर
साँप-सीढ़ी		
कबड्डी		
फुटबॉल		
कैरम		

पता करो-

आपके यहाँ कौन-कौनसे खेल खेले जाते हैं? बताइए।

ध्वनि जागरूकता के खेल

ु

मात्रा ' ु ' ध्वनि वाले चित्र को पहचानो और सही (✓) का निशान लगाओ-

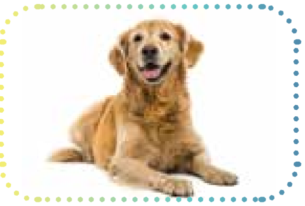

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ु	ु	पु	सु	मु

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए-

	ु	े	ी
प	पु	पे	पी
न	नु	ने	नी
त	तु	ते	ती
ह	हु	हे	ही

पढ़ें-

सु	पो	नी
हो	तु	री
के	गो	मी

मिलाकर पढ़िए और देखकर लिखिए-

पु + ल ⇨ पुल

पु + का + र ⇨ ....

शब्द पढ़िए और देखकर लिखिए-

पुल	तुम	कुमार	पुकार	पुनीत
....	....	....	....	....

ब

ध्वनि जागरूकता के खेल

दिए गए शब्दों को बोलें और पहली ध्वनि 'ब' आए तो अपना हाथ ऊपर करें और 'ब' नहीं आए तो हाथ सामने करें-

बकरी	चिड़िया	बस	तालाब

जिन चित्रों का नाम 'ब' ध्वनि से शुरू होता है उन पर सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ब

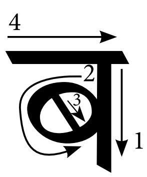

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़ें-

	ा	ी	े
ब	बा	बी	बे
प	पा	पी	पे

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

ब क री ⇨ बकरी

अ प ना ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

बस	बसेरा	बकरी	कुबेर
....	....	....	....

वाक्य पढ़िए-

बकरी बाग में गई। रमा बाग से आम लाई।

ध्वनि जागरूकता के खेल

'इ' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

इ

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ा	ि	ो	े
प	पा	पी	पो	पे
त				

	ा	ि	ो	े
न				
ल				

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

इ + म + ली ⇨ इमली

इ + स + का ⇨ ....

इ + ध + र ⇨ ....

पठन अभ्यास हेतु

इला मीना की सहेली है। एक दिन मीना इला से नाराज हो गई। इला उसके लिए पपीता लाई। पपीता से इला खुश हो गई।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- नाराज, खुश

प्रश्न 1. नाराज कौन था?	प्रश्न 2. मीना ने इला को कैसे मनाया?

पुनरावृत्ति अभ्यास - तृतीय

गरिमा की गाय

U6M9J4

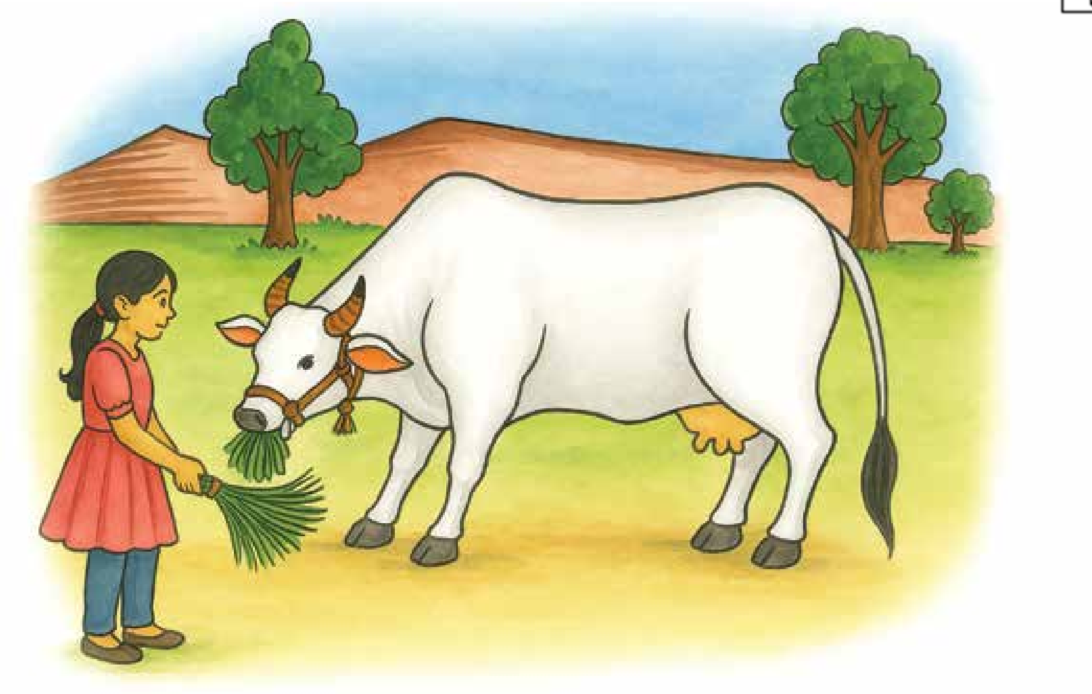

गरिमा के पास एक गाय है। वह गाय को चारा खिलाती है। वह गाय को पानी पिलाती है। गाय को नहलाती है। गरिमा और गाय साथ-साथ खेलते हैं।

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- गरिमा के पास क्या थी?
- गाय को पानी कौन पिलाती थी?
- गरिमा किसके साथ खेलती थी?
- गरिमा गाय के साथ दिनभर क्या-क्या करती होगी?

क्या खाते हैं, क्या पीते हैं? सही (✓) का निशान लगाइए-

क्या	खाना	पीना
रोटी		
दूध		

क्या	खाना	पीना
आम		
पानी		

ऐसे ही आप भी जोड़िए-

क्या	खाना	पीना

क्या	खाना	पीना

इसे पढ़ें एवं शब्द बनाकर लिखें-

तो	ता	के
ला	ली	ला
चा	रा	मी
चा	नी	रा
ल	कु	ल

..........**तोता**..........

....

....

....

....

चित्र देखकर वाक्य पूरा करिए-

तालाब में .... पानी पी रही है।

.... बकरी को देख रहा है।

पाठ 14

रवि का चेहरा

P6S1W8

होली का दिन था। सुमन, राघव और रवि गुलाल लेकर निकले। मौसम भी अच्छा था। चारों ओर बादल छा रहे थे। ना ज्यादा गरमी थी ना ठंड।

घर के बाहर सब ने रंग खेला। खूब खेला। सारे चेहरे रंग-बिरंगे हो गए।

तभी रवि की माँ उसे ढूँढ़ते हुए वहाँ पहुँची। रवि को लगा अब तो मुझे घर जाना ही होगा लेकिन वह तो अभी और खेलना चाहता था।

रवि ने सोचा अब माँ बोलेगी ''रवि चुपचाप घर चलो। बहुत देर हो गई है।'' लेकिन माँ ने कहा ''आपने रवि को कहीं देखा है?'' रवि चौंका। वह जान गया, अरे! मेरा चेहरा तो कोई पहचान ही नहीं सकता।

यह सोचकर रवि खुश हो गया तभी कोई तपाक से बोला, ''नहीं, हमने तो रवि को नहीं देखा।'' तभी अचानक बारिश होने लगी। सब भीगने लगे। चेहरों से रंग बहने लगा। अब सब रवि को देख रहे थे और रवि अपनी माँ को। माँ बोली रवि! रुक तुझे बताती हूँ।

शिक्षक निर्देश-

1. कहानी सुनाने से पहले कहानी के चित्रों, स्थानीय संदर्भों तथा विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।
2. कहानी सुनाने के बाद कहानी के बारे में प्रश्नोत्तर रूप में चर्चा करते हुए कहानी पर गहरी समझ बनाएँ।
3. विद्यार्थियों को चर्चा के दौरान सोचने व अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें।

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

इन शब्दों को और क्या कहते हैं?

अचानक – एकदम   तपाक से – ....

माँ – ....   चेहरा – ....

नीचे दिए गए शब्दों को आपकी अपनी भाषा में क्या बोलते हैं? वाक्य में प्रयोग कर बताइए-

- बारिश, बादल, भीगना, खुश होना,

चर्चा के लिए-

- कहानी को अपनी भाषा में सुनाइए।
- माँ ने रवि का चेहरा कैसे पहचाना?
- माँ ने घर जाकर रवि को क्या कहा होगा?
- अगर बारिश नहीं आती तो क्या होता?
- आप रवि की जगह होते और घर से कोई आपको ढूँढ़ते हुए आ जाता तो आप क्या करते?

चित्र देखकर चर्चा करिए-

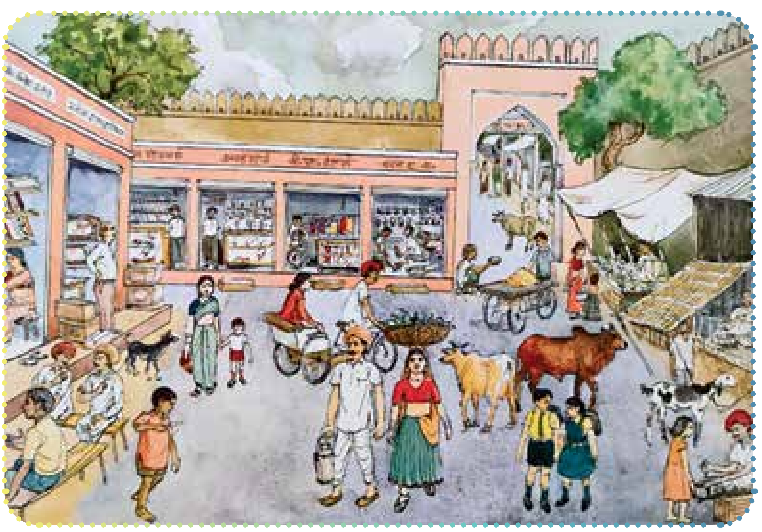

शिक्षक निर्देश- इस चित्र के माध्यम से इस प्रकार चर्चा की जा सकती है-
1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
2. चित्र में कौन क्या कर रहा है?
3. ये कौनसी जगह का चित्र हो सकता है?
4. ये महिला और पुरुष कहाँ जा रहे होंगे?

साथ ही बच्चों के जवाबों पर सवाल करें। जैसे- आपको ऐसा क्यों लगता है?
विद्यार्थियों को चर्चा के दौरान सोचने व अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें।

आओ पहचानें

चित्र देखकर त्योहारों के नाम बताइए-

शिक्षक निर्देश- इस चित्र के माध्यम से इस प्रकार चर्चा की जा सकती है-
1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
2. चित्र में कौन क्या कर रहा है?
3. इस चित्र में कौन-कौनसे त्योहारों को दिखाया गया है?
4. ये दो लोग गले मिलकर क्या बातें कर रहे होंगे?

साथ ही बच्चों के जवाबों पर सवाल करें। जैसे- आपको ऐसा क्यों लगता है?
विद्यार्थियों को चर्चा के दौरान सोचने व अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें।

- आपके यहाँ कौनसे त्योहार मनाए जाते हैं?
- आपको कौनसा त्योहार पसंद है और क्यों?
- इस त्योहार को कैसे मनाते हो?

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

इन वाक्यों को शिक्षक की सहायता से पढ़िए-

1. बाहर का मौसम ठंडा नहीं था।
2. बाहर मौसम गरम था।

इसी तरह इन वाक्यों को पूरा करिए और शिक्षक की मदद से लिखिए-

1. रवि घर के .... था। (बाहर / अंदर)
2. माँ बच्चों के .... गई। (दूर / पास)
3. माँ बोली- बहुत .... हो गई। (जल्दी / देर)

शब्द पहेली–

				हो	~~की~~	ली	⇨	होली
				ला	से	ल	⇨	लाल
			पी	हा	ला	ना	⇨	....
		गु	चा	ला	से	ल	⇨	....
स	के	र	से	का	स	र	⇨	....

अभिनय–

कहानी का अभिनय करिए।

चित्रकारी

अपनी पसंद के रंग भरिए–

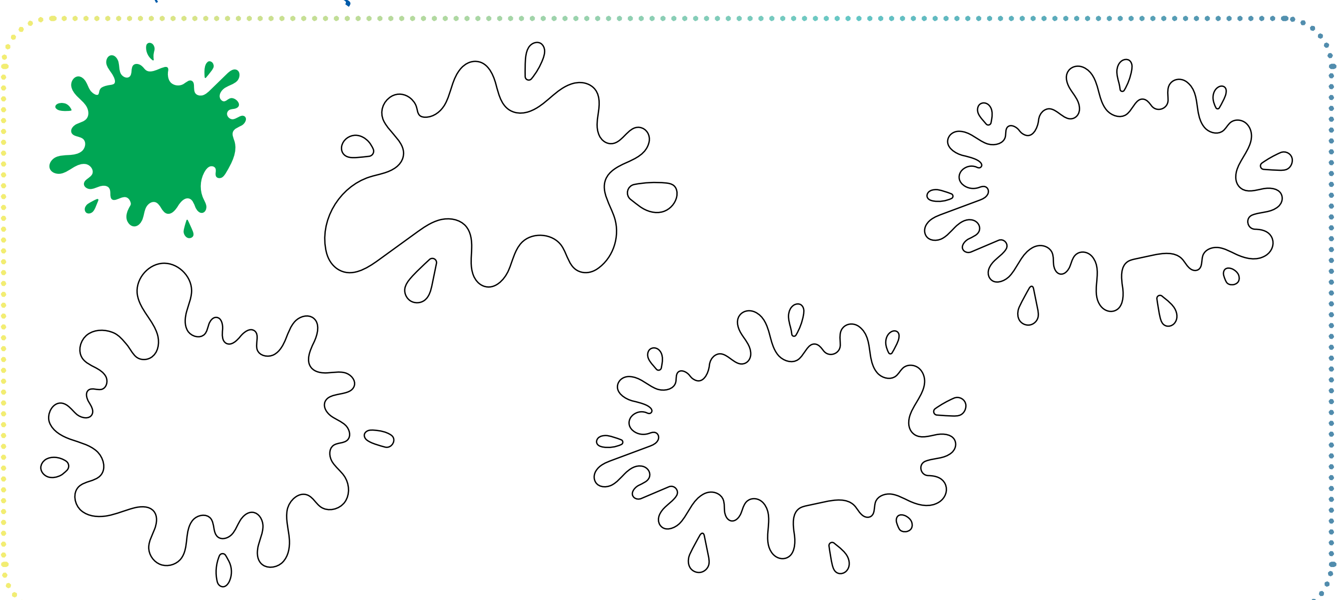

ै

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ै' की मात्रा वाली ध्वनि वाले चित्र को पहचानें और सही (✓) का निशान लगाएँ-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ै ै बै तै पै

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ै
ब	बै
प	

	ै
ग	
त	

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

बै + ल ⇨ बैल

पै + र ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

बैल	मैना	हैरान	पैमाना
....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

मीना को पानी में तैरना आता था। लोग उसे तैराक मानते थे। एक दिन मीना का तालाब में तैरने का मन हुआ। मीना तालाब में तैरने लगी।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- तैरना, तैराक

प्रश्न 1. तैराक कौन था?

प्रश्न 2. मीना कहाँ तैरने लगी?

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

चित्र देखकर वाक्य को पढ़िए एवं चर्चा करिए-

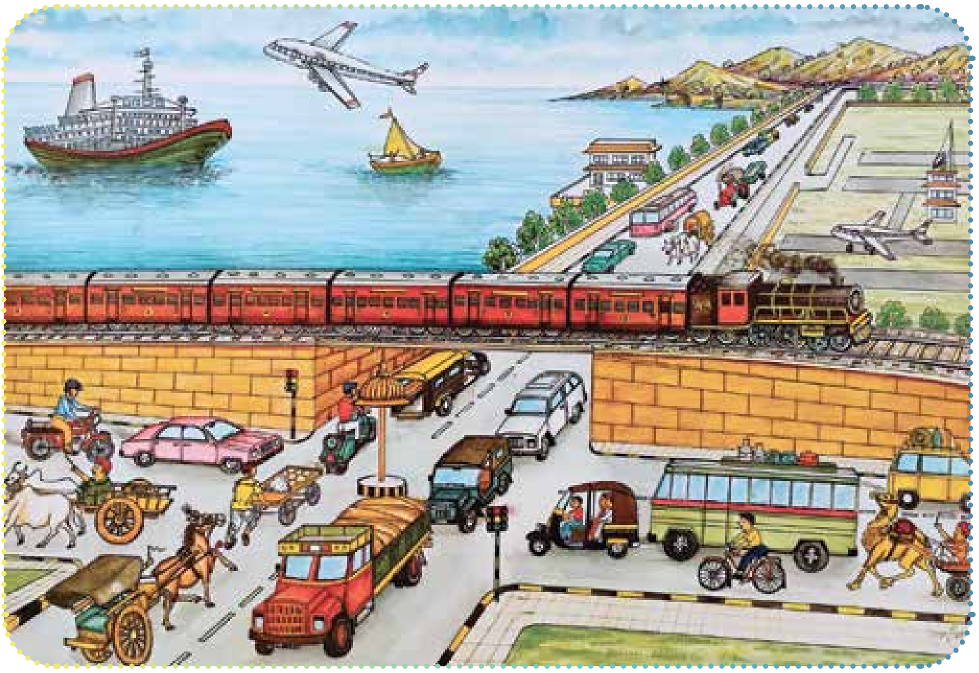

देखो!
आने-जाने के साधन।

चित्र देखकर चर्चा करिए-

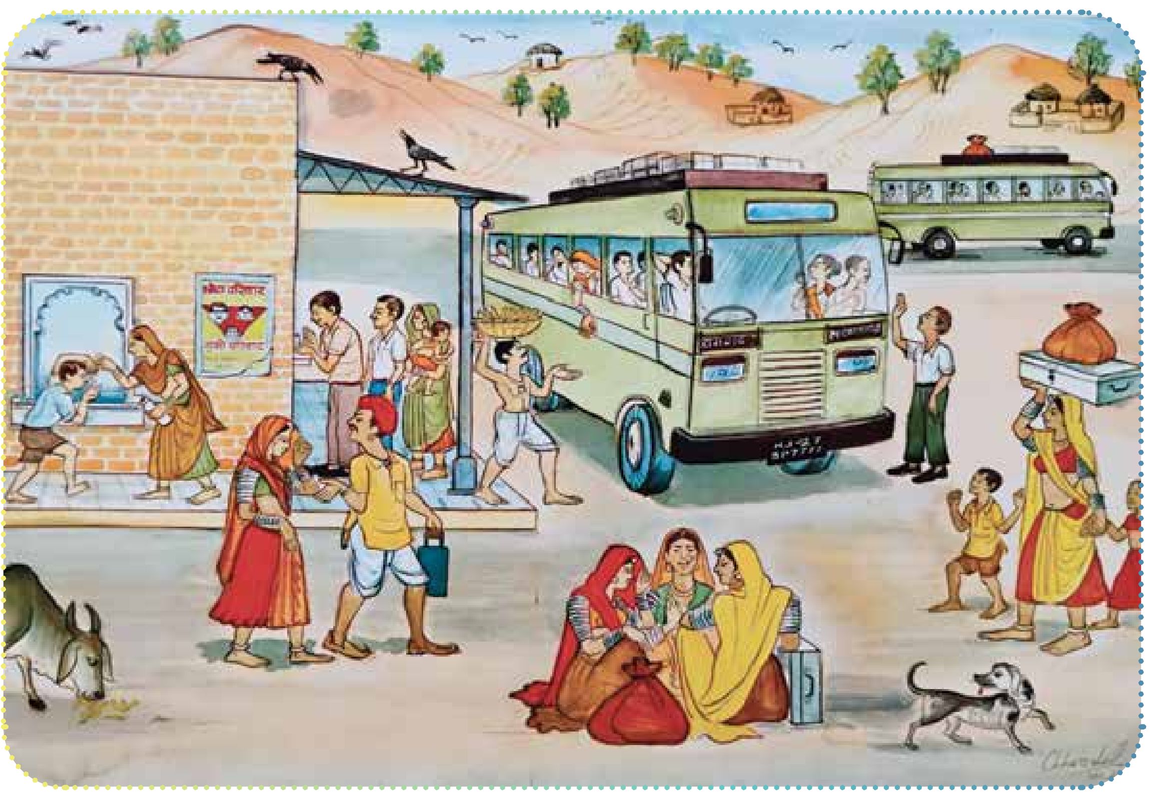

शिक्षक निर्देश- विद्यार्थियों को सोचने व अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें तथा अभ्यास कार्य करने में सहायता करें। बच्चे पुस्तकालय/रीडिंग कार्नर से पढ़ी/सुनी हुई कोई एक कहानी सुनाएँगे।

य

ध्वनि जागरूकता के खेल

'य' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

य	य	य		

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

स म य ⇨ समय

य मु ना ⇨ ....

शब्द पढ़िए-

दया	याद	योग	समय	पायल	कायम

पठन अभ्यास हेतु

योगेन को पानी लाना था। योगेन पानी लेने गया। उसी समय नयन आ गया। योगेन ने नयन से बात की। योगेन के पास समय कम था। योगेन पानी लेकर घर आ गया।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- समय, घर

प्रश्न 1. योगेन क्या लेने गया था?

प्रश्न 2. योगेन को कौन मिला?

प्रश्न 3. आप अपने दोस्त से क्या-क्या बात करते हो?

द

ध्वनि जागरूकता के खेल

'द' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

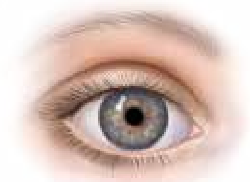

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

द

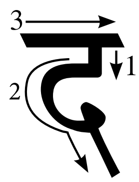

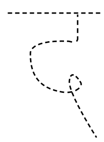

....

....

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

क द म ⇨ कदम

म द द ⇨ ....

जिस शब्द में 'द' नहीं आ रहा है उस पर गोला लगाइए-

दाल	कदम	माला	मदद	चलना	नमक	तुलना

पठन अभ्यास हेतु

एक दिन दीपक बीमार हो गया। अगले दिन उसे मेले में जाना था। दीपक की दादी ने उसे दवाई दी। दवाई से दीपक सही हो गया। अब दीपक मेले में जाने के लिए तैयार हो गया।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- दवाई, तैयार होना

प्रश्न 1. दीपक को दवाई किसने दी?

प्रश्न 2. दीपक कैसे ठीक हुआ?

प्रश्न 3. आप अपने मेले के अनुभव सुनाइए?

पाठ
15

पका पपीता

T7I2D1

मौखिक भाषा विकास के लिए यह कविता विद्यार्थियों के साथ मिलकर गाएँ। कविता पर विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर बातचीत करें–

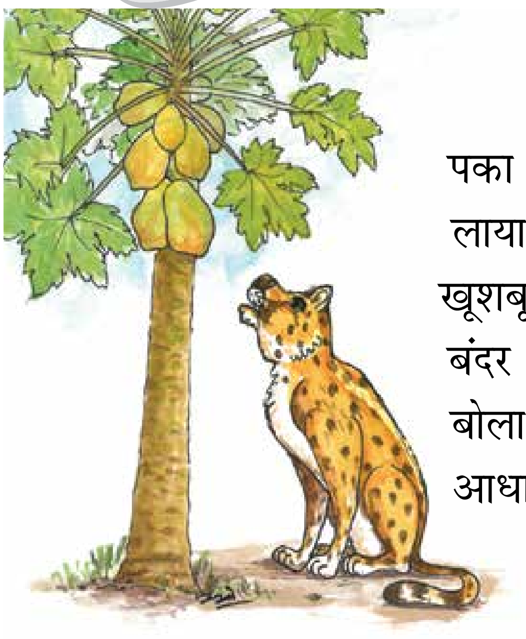

पका पपीता
लाया चीता
खूशबू पाकर
बंदर आकर
बोला काटो
आधा बाँटो

चीता बोला
इतना भोला
मुझे समझ ना
देख उलझ ना
बंदर डपटा
उस पर झपटा

लिए पपीता
भागा चीता
जिद्दी बंदर
उठकर तनकर
होके चौड़ा
पीछे दौड़ा

– शादाब आलम

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- क्या आपको लगता है कि चीता और बंदर दोस्त हैं? ऐसा क्यों लगता है?
- बंदर चीते के पीछे भागा। उसके बाद क्या हुआ होगा?
- क्या आप भी कभी जिद करते हो? तब क्या होता है?
- आप अपने दोस्तों के साथ क्या-क्या बाँटते हो?

अब आपकी बारी

चित्रों को सही क्रम दो-

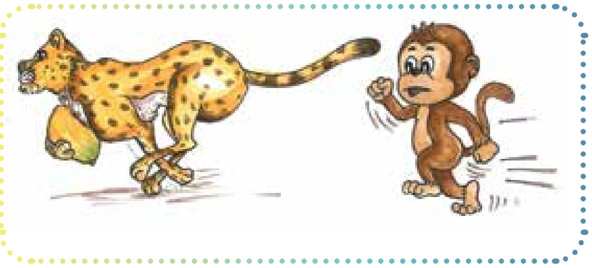

कौन किस समूह का?

तरबूज, खरबूजा, आम, पपीता – इनको कहते हैं फल

गोभी, टमाटर, आलू, लौकी – इनको कहते हैं ....

कौआ, तोता, कबूतर, मैना – इनको कहते हैं ....

चम्मच, थाली, गिलास, कटोरी – इनको कहते हैं ....

कुत्ता, बिल्ली, चूहा, खरगोश – इनको कहते हैं ....

शिक्षक निर्देश- शब्द पढ़ने और लिखने में शिक्षक बच्चों की मदद करें।

मिलान करिए-

छीलकर / काटकर खाने वाले	फल	
छीलकर		
काटकर	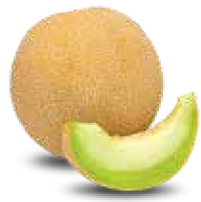	

इन शब्दों को लेकर अपनी कविता बनाओ-

गीता	बोली गीता
फीता	खुला है फीता
चीता	....
जीता	....

खाता	....
जाता	....
पाता	....
गाता	....

जल्दी-जल्दी बोलो-

कच्चा पपीता पका पपीता

पीतल के पतीले में पका पपीता।

कौनसा केला किसका है?

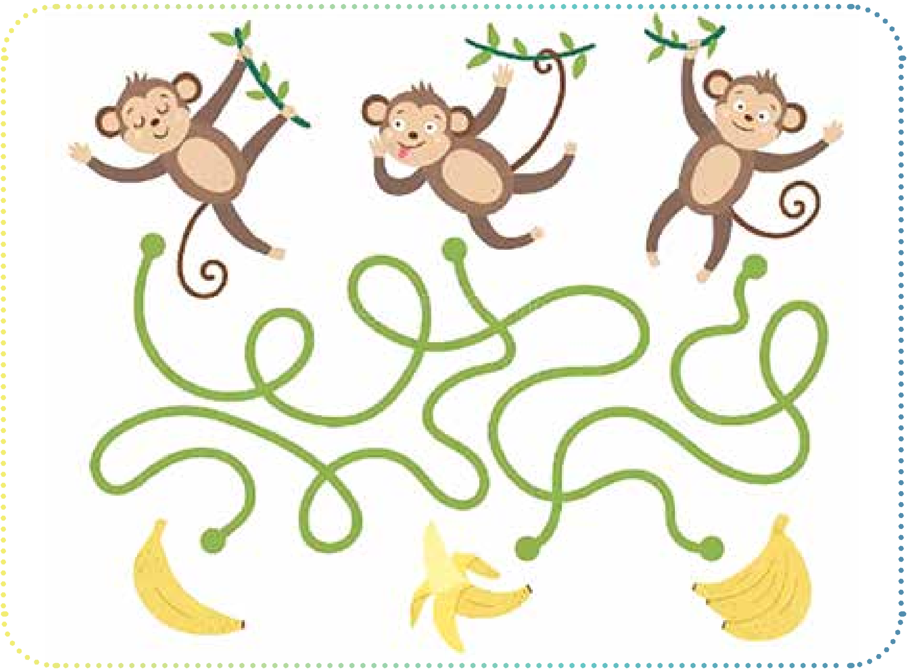

चित्रकारी

बिंदुओं को मिलाकर चित्र को पूरा करिए और रंग भरिए-

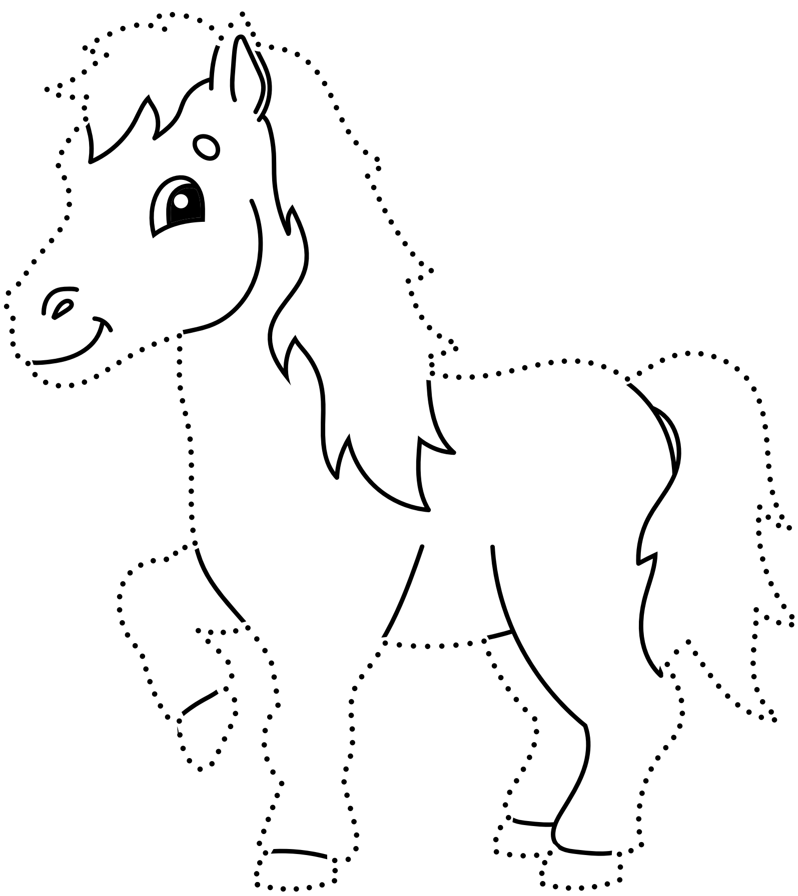

ि

ध्वनि जागरूकता के खेल

मात्रा 'ि' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

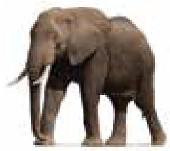

मात्रा 'ि' वाले शब्द को पहचानिए और हाथ ऊपर करके बताइए-

पता - पिता	जला - जिला	कला - किला

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ि | ि (1, 2, 3) | नि | हि | बि

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ि	ै	ो	ु
ग	गि	गै	गो	गु
त				
ल				

	ि	ै	ो	ु
म				
द				
य				

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

कि ता ब ⇨ किताब

सि ता रा ⇨ ....

गि र ना ⇨ ....

पठन अभ्यास हेतु

गीता एक तालाब के किनारे गई। किनारे पर उसे गिलहरी मिली। गिलहरी के पैर में एक तिनका लगा था। गीता ने तिनका निकाल दिया। गिलहरी को अब आराम मिल गया।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- तिनका, आराम

प्रश्न 1. गिलहरी कहाँ रहती थी?

प्रश्न 2. गिलहरी को आराम कैसे मिला?

अं

ध्वनि जागरूकता के खेल

नीचे दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाकर 'अं' ध्वनि की पहचान करवाएँ। जिस शब्द में पहली ध्वनि 'अं' आए तो हाथ सामने और जिस शब्द में पहली ध्वनि 'अं' नहीं आए तो हाथ ऊपर करवाएँ। सभी शब्दों पर एक-एक करके गतिविधि करें-

अंग	गुलाब	अंगूर	मतीरा	अंकित	नहर

'अं' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

अं | अं | अं | .... | ....

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

अं + कि + त ⇨ अंकित

अं + ग + द ⇨ ....

पठन अभ्यास हेतु

अंकित कमल को अंगूर के बाग में लेकर गया। कमल को नहीं पता था। अंगूर का बाग कैसा होता है। कमल बोला, अरे! यह है अंगूर का बाग। दोनों ने बाग से बहुत सारे अंगूर लिए।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- बाग, बहुत सारा

प्रश्न 1. अंकित कमल को कहाँ लेकर गया था?

प्रश्न 2. अंगूर का बाग किसने नहीं देखा था?

प्रश्न 3. बाग में क्या-क्या होता हैं? सोचो और बताओ।

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

ख

पहचानें और लिखें-

ख

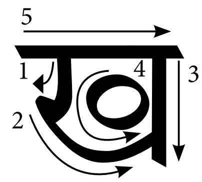

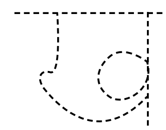

....

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ि	े	ो	ी	ु
ख	खि	खे	खो	खी	खु
द					
य					

पढ़ें-

खी	दो	या	पी
उ	ओ	ए	ई
अं	यु	गे	खो

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

ख + ब + र ⇨ खबर

खु + ल + ना ⇨ ....

बु + खा + र ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

खाना	सीख	खबर	देखना	दिखाना
....	....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

आज राखी है। बरखा ने निखिल को राखी बाँधी। निखिल ने बरखा को खीर खिलाई। निखिल ने एक कार का खिलौना दिया। बरखा कार लेकर खेलने लगी।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- बाँधना, खिलौना

प्रश्न 1. निखिल ने बरखा को क्या दिया?

प्रश्न 2. बरखा ने क्या खाया था?

प्रश्न 3. राखी का त्योहार कैसे मनाते हैं?

पाठ 16

लाल टमाटर

मौखिक भाषा विकास के लिए यह कविता विद्यार्थियों के साथ मिलकर गाएँ। कविता पर विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर बातचीत करें–

लाल टमाटर, लाल टमाटर,
मैं तो तुमको खाऊँगा,
रुक जाओ, मैं थोड़े दिन में
और बड़ा हो जाऊँगा।

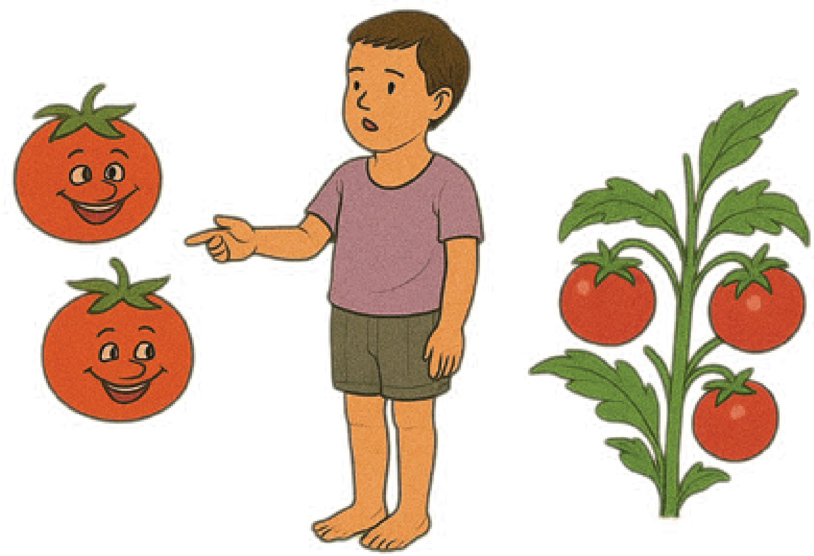

लाल टमाटर, लाल टमाटर,
मुझको भूख लगी भारी,
भूख लगी है तो तुम खा लो–
ये गाजर–मूली सारी।

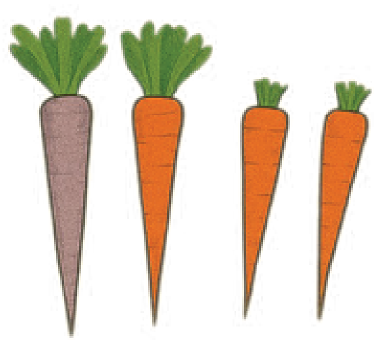

लाल टमाटर, लाल टमाटर,
मुझको तो तुम भाते हो,
जो तुमको भाता है भैया,
उसको क्यों खा जाते हो?

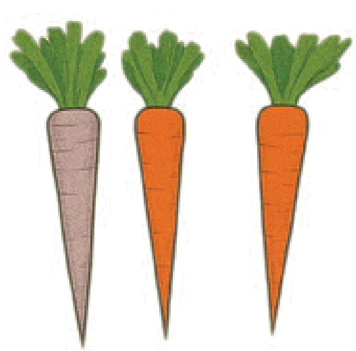

लाल टमाटर, लाल टमाटर,
अच्छा तुम्हें न खाऊँगा,
मगर तोड़कर डाली पर से
अपने घर ले जाऊँगा।

– निरंकारदेव सेवक

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

चित्र देखकर मौखिक चर्चा करें-

चर्चा के लिए-

- आपको कविता कैसी लगी और क्यों?
- इस कविता में कौन-कौन बात कर रहा है?
- अगर आप आम होते और कोई कहता आपको तोड़ लूँ तो आप क्या कहते?

कविता में जिन सब्जियों के नाम आए हैं उन पर गोला लगाइए-

मूली	प्याज	आलू	बैंगन	टमाटर

आपको क्या खाना पसंद है? यहाँ बनाइए और रंग भरिए-

कविता बनी कहानी-

कविता के अनुसार इन वाक्यों में कम से कम तीन गलतियाँ पहचानिए और गोला लगाइए।

- मुझे मिला हरा टमाटर। मैंने टमाटर से कहा कि मैं तुमको खाऊँगा।
- टमाटर ने कहा, रुक जाओ, थोड़ा और छोटा तो हो जाने दो।
- मैंने कहा, अरे भाई टमाटर, मुझे तो बहुत भूख लगी है। टमाटर ने कहा, भैया, गाजर और आलू खा लो।

- इस पर मैंने ने कहा, लेकिन तुम तो मुझे बहुत पसंद हो। तो टमाटर ने कहा, भैया, जो भी पसंद आता है, क्या उसको खा जाते हो?
- मुझ पर इस बात का असर हुआ। मैंने कहा, ठीक है, तुम्हें खाता नहीं हूँ, तोड़कर घर ले जाता हूँ।

मौखिक चर्चा-

लाल रंग की कौन-कौनसी सब्जियाँ होती हैं? बताइए।

....

आपके आसपास कौन-कौनसी लाल रंग की वस्तुएँ दिखाई दे रही हैं?

....

वाक्य जोड़िए-

टमाटर ने कहा-

- आप गाजर खा लो।
- आप मूली खा लो।

इसे ऐसे भी कहा जा सकता है-

- आप गाजर और मूली खा लो।

ऐसे ही आप भी जोड़ो-

- आप आलू खा लो।
- आप पूरी खा लो।

- आप .... और .... खा लो।

- आप बल्ले से खेलो।
- आप गेंद से खेलो।

- आप .... और .... से खेलो।

ं

ध्वनि जागरूकता के खेल

मात्रा 'ं' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ं	2 ं 1	मं	कं	सं

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ं	ि	ै	ो	ी	ु	े
द	दं	दि	दै	दो	दी	दु	दे
य							
ग							

	ं	ि	ै	ो	ी	ु	े
प							
त							
स							

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

बं द र ⇨ बंदर

कं ग न ⇨ ....

पठन अभ्यास हेतु

नंदिनी और मंगल मेले में गए। मेले में रंग-बिरंगी पतंगें थी। मंगल ने हरी और नंदिनी ने लाल पतंग ली। दोनों ने मिलकर कंगन लिए। दोनों मेले से घर आ गए। घर पर सबने लाल और हरी पतंगें देखी।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- मेला, रंग-बिरंगा

प्रश्न 1. नंदिनी और मंगल ने मेले से क्या-क्या खरीदा? प्रश्न 2. मंगल ने कौनसे रंग का पतंग खरीदा?

प्रश्न 3. आपने कभी पतंग उड़ाई हैं? अगर हाँ तो अपना अनुभव सुनाइए।

ऊ

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

अगर आप के पास एक ऐसी जादुई पेंसिल होती जिससे आप जो भी बनाते वो सच में वैसा ही बन जाता तो आप क्या-क्या बनाते और उससे क्या-क्या करते?

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ऊ' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

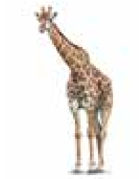

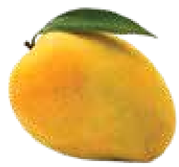

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ऊ

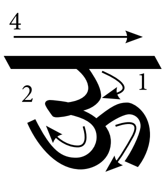

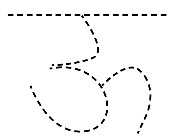

....

....

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ं	ि	ै	ो	ु
क	कं	कि	कै	को	कु
ल					
न					

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

ऊ + नी ⇨ ऊनी

ता + ऊ ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

ऊनी	ताऊ	ऊसर	ऊपर	ऊबना
....	....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

कमला को ऊन की बुनाई सीखनी है लेकिन कमला के पास ऊन नहीं है। कमला दुकान पर गई। कमला ने पीले और हरे रंग की ऊन खरीदी। कमला ऊन से बुनना सीखने लगी।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- बुनाई, ऊन

प्रश्न 1. कमला क्या सीखना चाहती थी?

प्रश्न 2. कमला ने ऊन कहाँ से खरीदी?

प्रश्न 3. कमला को ऊन नहीं मिलती तो क्या होता?

प्रश्न 4. आप ऊन से क्या-क्या बनाना चाहोगे? उनके नाम और चित्र बनाने की कोशिश कीजिए।

ज

मौखिक भाषा विकास हेतु- मिलकर गाएँ और चर्चा करें

जीतू ने पहनी जामुनी जीन
जीन में जेबें एक-दो-तीन
जेबों में जा घुसे
जगमगाते जुगनू तीन
जगमग-जगमग करती जीतू की जीन

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ज' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ज

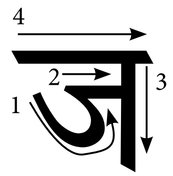

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ं	ि	ै	ो	ु
ज	जं	जि	जै	जो	जु
ख					
य					
द					
ग					

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

ज न क ⇨ जनक

ज हा ज ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

जाल	जनक	जहाज	पंकज	जंजाल
....	....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

जय और अंगद दोनों जंगल में गए। जंगल में बहुत सारे जामुन थे। जय जामुन लेना चाहता था। उसी समय बंदर जामुन लेने के लिए लपका। ऐसे में बहुत सारे जामुन गिर गए। दोनों ने जामुन अपनी जेब में रख लिए।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- जामुन, लपकना

प्रश्न 1. जंगल में कौन-कौन गया था?

प्रश्न 2. जामुन कैसे गिरे?

प्रश्न 3. आप जंगल में होते तो क्या-क्या करते?

स्वतंत्र लेखन हेतु

आपको जामुन के अलावा कौन-कौनसे पेड़ लगाने हैं? उनके नाम लिखिए-

....

....

....

....

पाठ 17

चलता पहाड़

Z6C8T9

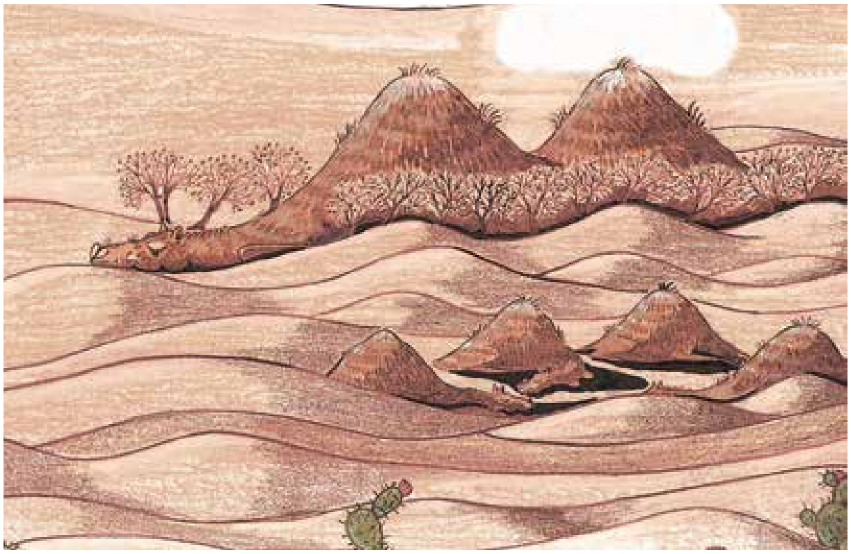

एक ऊँट था। सबसे बड़ा। दो कूबड़ वाला। बड़ा था इसलिए इतराता था। अलग-थलग रहता था।

एक दिन जोर की आँधी आई। खूब मिट्‌टी उड़ी।

ऊँट सोता रहा। उसके चारों ओर मिट्‌टी जम गई। पर कूबड़ बाहर थे।

दो कछुए वहाँ पहुँचे। वे कूबड़ को पहाड़ समझ बैठे। वे लगे चढ़ने-उतरने। उन्हें मजा जो आ रहा था।

तभी ऊँट की नींद खुली। वह हिला-डुला और उठा।

कछुए झट से कूदे, बोले- भागो, पहाड़ तो चल रहा है। ऊँट सोचने लगा पहाड़ क्या होता है?

शिक्षक निर्देश-

1. कहानी सुनाने से पहले कहानी के चित्रों, स्थानीय संदर्भों तथा विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।
2. कहानी सुनाने के बाद कहानी के बारे में प्रश्नोत्तर रूप में चर्चा करते हुए कहानी पर गहरी समझ बनाएँ।
3. विद्यार्थियों को चर्चा के दौरान सोचने व अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें।

एक दिन बहुत गर्मी थी। ऊँट जा बैठा पानी में। पर कूबड़ बाहर थे।
दो मेंढक आए। वे कूबड़ को पहाड़ समझ बैठे।
शाम हुई। ऊँट उठा। मेंढक झट से कूदे। बोले– भागो, पहाड़ तो चल रहा है।
ऊँट सोचने लगा, सब उसे पहाड़ क्यों बोल रहे हैं।

वह चल दिया पहाड़ ढूँढ़ने।
जंगल पार किया। नदी पार की। मैदान पार किया।

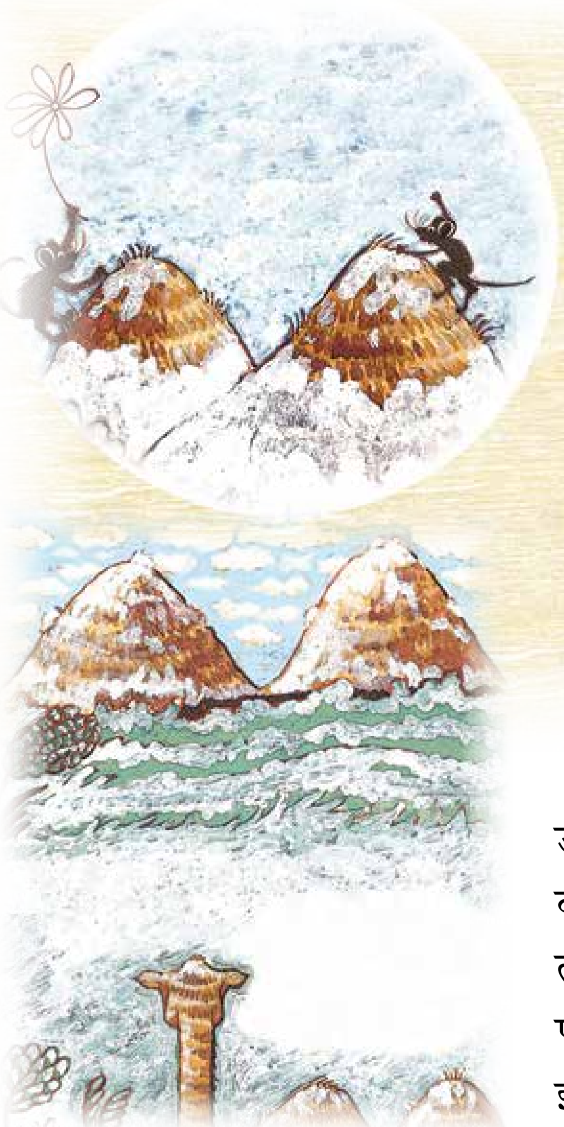

चलते-चलते रात हो गई। वह थककर सो गया। रात को बरफ गिरी। सुबह हुई तो चारों तरफ बरफ थी। कूबड़ बाहर थे।
दो चूहे वहाँ पहुँचे। वे कूबड़ को पहाड़ समझ बैठे। लगे उतरने-चढ़ने।

ऊँट की नींद खुली। वह उठा। चूहे झट से कूदे। बोले– भागो, पहाड़ तो चल रहा है।
तभी ऊँट की नजर सामने पहाड़ पर पड़ी।
पहाड़ को देखते ही ऊँट बोला– अरे बाप रे! इतना बड़ा ऊँट!

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

- इस कहानी का नाम 'चलता पहाड़' क्यों रखा गया होगा?
- आपको कहानी कैसी लगी और क्यों?
- क्या आपने कोई और मजेदार कहानी पढ़ी है? पुस्तकालय की किताबों को देखो, पढ़ो और अपनी मनपसंद कहानी अपने साथियों को सुनाओ।
- अगर कछुओं, चूहों और मेंढक की जगह बिल्ली, कुत्ते या बछिए होते तो वे कूबड़ को क्या समझते और क्यों?

अब आपकी बारी

कहानी में शब्द-

कहानी के शब्दों का अर्थ अपने शिक्षक से पता करिए।

- इतराता
- नजर
- कूबड़

आपके यहाँ इन्हें क्या कहते हैं?

पहले कौन, बाद में कौन?

ऊँट पर कौन पहले बैठा, कौन बाद में बताइए और लिखिए-

चूहा, मेंढक, कछुआ

पहले ....

फिर ....

उसके बाद ....

उल्टा-पुल्टा-

ये शब्द पढ़िए-

चढ़ना - उतरना

कहानी में से कौनसे शब्द यहाँ आएँगे?

बाहर, बड़ा, बैठा,

उठा ....

छोटा ....

अंदर ....

पानी में जानवर-

जब गर्मी होती है तो कौन-कौनसे जानवर पानी में जा कर बैठते हैं?

कौन कैसे चलता?

मेंढक - कूदे

और कौनसे जानवर या कीड़े कूद-कूदकर चलते हैं? गोला लगाइए और नीचे दिए सभी जानवरों की तरह चलकर दिखाइए-

टिड्डा, मुर्गा, मेंढक, कुत्ता, बिल्ली, गिलहरी, खरगोश, कछुआ

ध्वनि जागरूकता के खेल

टिड्डा कहाँ-कहाँ कूदा?

चित्रों को देखकर सही (✓) का निशान लगाइए-

बाल्टी, मटका, पतीला, लड़का, नल

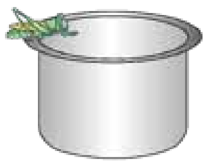

चित्र बनाकर रंग भरिए-

पेड़	नदी	घर	पहाड़

शब्दों को सही खानों में उतारिए-

उड़ती धूल

ठंडा

पसीना

तेज हवा

गर्मी	
पानी	
हवा	
धूल	

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

कहानी को आगे बढ़ाओ और चर्चा करो-

नीचे इस कहानी के मुख्य बिंदु दिए गए है। शिक्षक इन्हें पढ़कर सुनाएँ एवं कहानी आगे बढ़ाएँ।

दो कूबड़ वाला ऊँट।

रेगिस्तान में आँधी आई।
दो कूबड़, कछुओं को लगे पहाड़।

पानी में बैठा ऊँट।
दो कूबड़ ऊपर।
मेंढकों को लगे पहाड़।

ऊँट निकला पहाड़ ढूँढ़ने। जंगल, नदी, मैदान पार किए।

बर्फीली जगह सोया। बर्फ से ढके दो कूबड़। दो चूहों को लगे दो पहाड़।

ऊँट ने सामने देखे दो पहाड़।
वह बोला- ''कितना बड़ा ऊँट!''

अभिनय

इस कहानी का अपनी भाषा में अभिनय करके बताइए।

अलग-अलग बच्चों को ऊँट, कछुए, मेंढक आदि अभिनय करने को कहिए।

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ख' की ध्वनि वाले चित्रों को पहचानें और सही (✓) का निशान लगाएँ-

मौखिक भाषा विकास हेतु मिलकर गाएँ और चर्चा करें

जंगल में जब होली आई
सबने मिलकर धूम मचाई
भालू लाया लाल गुलाल
रंग दिए हाथी के गाल
लोमड़ी दीदी ढोल बजाए
हिरण भैया नाच दिखाए

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ू' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ू

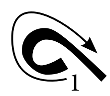

कू

दू

मू

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ू	ि	ा	े	ं
ख	खू	खि	खा	खे	खं
ज					
प					
य					

दिए गए वर्णों से नए शब्द बनाइए-

ज	....	....	....	....	....
ख	....	....	....	....	....
ब	....	....	....	....	....
त	....	....	....	....	....
प	....	....	....	....	....

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

आ लू ⇨ आलू   मू ली ⇨ ....   सू र ज ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

आलू	जूते	पूरब	मूरत	सूरज
....	....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

एक दिन पूनम अंगूर खा रही थी। पास में एक तोता पूनम को देख रहा था। पूनम ने सोचा, तोता अंगूर खाना चाहता है। उसने थोड़े से अंगूर तोते के पास रख दिए। तोते ने सारे अंगूर खा लिए।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- थोड़ा-सा, पास में

प्रश्न 1. पूनम क्या खा रही थी?

प्रश्न 2. तोता किसको देख रहा था?

प्रश्न 3. तोता अंगूर खाने के बाद कहाँ गया होगा और क्यों?

व

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

अगर बरसात नहीं हो तो क्या-क्या होगा? सोचिए और बताइए।

ध्वनि जागरूकता के खेल

'व' ध्वनि वाले चित्रों को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

व	व (3, 2, 1)	व		

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ं	ि	ै	ो	ु
व	व	वि	वै	वो	वु
ज					
ख					
द					
प					
ग					

पढ़ें-

वे	पो	जो
ऊ	गी	ओ
हे	दी	पे
जै	खु	वि

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

व ज न ⇨ वजन

वा ह न ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

वादा	वजन	वाहन	वानर	पुलाव
....	....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

राजू और विवेक विवाह में गए। विवाह में दोनों नाचने लगे। राजू ने वहाँ हलवा खाया। विवेक ने पुलाव खाए। खाना खाकर विवेक बोला ''वाह मजा आ गया।'' उसके बाद दोनों अपने घर आ गए। घर पर सबको विवाह के बारे में बताया।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- विवाह, पुलाव

प्रश्न 1. राजू और विवेक कहाँ गए थे?

प्रश्न 2. विवाह में दोनों ने क्या-क्या खाया?

प्रश्न 3. आप कभी विवाह में गए है? वहाँ आपने क्या-क्या किया?

स्वतंत्र लेखन हेतु

विवेक की जगह आप होते तो पुलाव खाने के बाद क्या बोलते? लिखकर बताइए-

....

....

....

....

ड़

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

आपके गाँव में कौन-कौनसे पेड़ है और वे हमारे क्या-क्या काम आते हैं? बताइए।

ध्वनि जागरूकता के खेल

'ड़' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

ड़

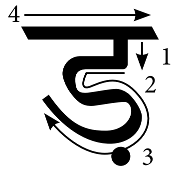

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ू	ो	ि	ै	ं
ड़	ड़ू	ड़ो	डि	डै	डं
व					
ज					
ख					

पढ़ें-

ड़ी	ख़ू	जी
के	गो	ओ
मो	पी	अं
जै	नु	ड़ा

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

ज + ड़ ⇨ जड़

प + ड़ ⇨ ....

क + प + ड़ा ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

पड़	जड़	अकड़	पकड़	कपड़ा
....	....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

जून का महीना था। बाग में पेड़ पर बड़े-बड़े आम लगे हुए थे। गुड़िया का आम खाने का मन हुआ। गुड़िया आम तोड़ने पेड़ के पास गई। वहाँ उसने बहुत सारे आम तोड़े। गुड़िया ने आम खाए। आम बहुत रसीले थे।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- तोड़ना, महीना

प्रश्न 1. बाग में किसके पेड़ थे?

प्रश्न 2. गुड़िया ने आम कहाँ से तोड़े थे?

प्रश्न 3. गुड़िया को आम नहीं मिलते तो वह क्या करती?

स्वतंत्र लेखन हेतु

आम के अलावा कौन-कौनसे फल पेड़ पर लगते हैं? उनके नाम लिखिए-

....

....

....

....

पाठ 18 विद्यालय में आज

A9Q2S3

आज मध्याह्न भोजन के बाद अध्यापिका ने सभी बच्चों को बुलाया। अध्यापिका ने कहा- "आज हम एक मजेदार काम करेंगे।" किसी को यह पता नहीं था कि क्या काम करना है। मध्याह्न भोजन के बाद सभी को बाहर आने के लिए कहा गया। वहाँ तरह-तरह के कागज रखे थे- कुछ बड़े, कुछ छोटे। कुछ कलमें, ब्रश और रंग की शीशियाँ थी।

अध्यापिका ने कहा, "आज हम निर्देश पट्टिकाएँ बनाएँगे और उन्हें अलग-अलग जगह पर लगाएँगे।"

बच्चों को 5-5 के समूह में बाँटा गया। प्रत्येक समूह ने एक-एक जगह के लिए पट्टिकाएँ बनाई।

कुछ बच्चों ने लिखा- "खाने से पहले हाथ धोएँ।" कुछ ने लिखा- "जूते-चप्पल लाइन से रखें।" कुछ ने लिखा- "फूल न तोड़ें।" कुछ पट्टिकाओं पर लिखा गया- "कक्षा में साफ-सफाई रखें।"

हर जगह रंग-बिरंगी पट्टिकाएँ दिखने लगी। थोड़ी ही देर में विद्यालय का स्वरूप बदल गया।

शिक्षक निर्देश-

1. कहानी सुनाने से पहले कहानी के चित्रों, स्थानीय संदर्भों तथा विद्यार्थियों के पूर्व अनुभवों से जोड़कर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।
2. कहानी सुनाने के बाद कहानी के बारे में प्रश्नोत्तर रूप में चर्चा करते हुए कहानी पर गहरी समझ बनाएँ।
3. विद्यार्थियों को चर्चा के दौरान सोचने व अपनी भाषा में बोलने के भरपूर अवसर दें।

स्वतंत्र लेखन हेतु

- आप होते तो पट्टिकाओं में क्या लिखते?
- आपके विद्यालय में क्या-क्या लिखा है? यहाँ लिखिए।

....

....

....

इन पट्टिकाओं में कुछ गलतियाँ हो गई हैं। इन्हें सुधारकर लिखिए-

तुपताप बैठो।

....।

पूड़ा यहाँ डालो।

....।

पेड़ लगाओ, जीवन पचाओ।

....।

नीचे की कुछ पट्टिकाओं को पूरा करिए-

कृपया .... धोकर रखें।

कृपया .... उठाकर सही जगह रखें।

.... के पहले .... जरूर धोएँ।

अब किसी एक पट्टिका का चित्र बनाइए-

चित्रकारी

पढ़िए और चित्र बनाइए-

एक दीवार पर लिखा हुआ था- कृपया इस दीवार के पार न झाँके। कुछ बच्चों से रहा न गया। वे लपककर दीवार के उस पार देखने लगे। वहाँ एक पट्टिका लगी हुई थी। जिस पर लिखा हुआ था देखा, पकड़ लिया ना! हा, हा, हा!

स्वतंत्र लेखन हेतु

आप भी कुछ अपनी मनपसंद पट्टिकाएँ बनाइए-

पढ़िए और पट्टिकाएँ बनाइए-

- माँ! आप मेरा कितना ध्यान रखती हैं। धन्यवाद।
- पापा! आप कभी मुझे विद्यालय छोड़ने में देर नहीं करते। धन्यवाद।
- भैया! आप मुझे खूब हँसाते हो। धन्यवाद।

अब आपकी बारी-

....

....

....

पासा डालें, अक्षर बोलें-

इस खेल को चार बच्चे खेलेंगे। बच्चे क्रम से पासे फेंकेंगे। पासा जिस अक्षर पर आएगा उसे बोलेंगे। यह क्रम बारी-बारी से चलेगा।

हो	नी	पि	ले
कु	मा	सो	चौ
ति	ख	रो	दी
अं	यु	उ	ऐ

खेलें खेल-

झपट्टा

अपने शिक्षक की मदद से खेल खेलें-

दिए गए वाक्यों को पढ़िए और अपने साथी को बताइए।

1. बीना दुकान से सामान लाई।
2. मैना और राहुल गेंद से खेल रहे हैं।
3. मोनिका पपीता खा रही है।
4. राजपाल किताब पढ़ रहा है।
5. कमला बकरी चराने गई।

थ

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

रविवार के दिन आप क्या-क्या करते हैं? बताइए।

ध्वनि जागरूकता के खेल

'थ' ध्वनि वाले चित्र को पहचानिए और सही (✓) का निशान लगाइए-

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

थ

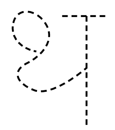

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ं	ि	ै	ो	ु
क	कं	कि	कै	को	कु
ज					
न					
म					
व					
य					
द					

पढ़ें-

अं	वो	ये
कै	मी	जु
गा	दी	ए
हो	ऊ	ओ

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

हा थ ⇨ हाथ

थ का न ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

कथा	हाथ	हाथी	थकान	थरमस
....	....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

जमना के पिता के पास एक हाथी था। हाथी का नाम गज्जू था। जमना रोज हाथी पर सवारी करती थी। जमना उसे केले खिलाती थी। हाथी कान हिलाकर करतब दिखाता था। सब लोग हाथी देखने आते थे। हाथी को देखकर सब लोग ताली बजाते थे।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- करतब, रोज

प्रश्न 1. हाथी का नाम क्या था?

प्रश्न 2. लोग ताली क्यों बजाते थे?

प्रश्न 3. अगर हाथी करतब नहीं दिखाता तो क्या होता?

प्रश्न 4. आपने हाथी देखा है? हाथी का चित्र बनाने की कोशिश कीजिए। उसमें अपना मनपसंद रंग भरिए।

च

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

इस कहानी में अब आगे क्या हुआ होगा? आखिर खरगोश क्यों खुश हुआ होगा? शिक्षक पढ़कर सुनाए-

एक जंगल में खरगोश था। उसे प्यास लगी थी लेकिन उसकी पानी की बोतल पेड़ पर टँगी हुई थी तभी एक ऊँट वहाँ आया। ऊँट को देखकर खरगोश खुश हो गया।

ध्वनि जागरूकता के खेल

दिए गए शब्दों को बोलें और पहली ध्वनि 'च' आए तो अपना हाथ ऊपर करें और 'च' नहीं आए तो हाथ सामने करें-

चरखा	तालाब	चलना	मटका	चटक	कपड़ा

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

च

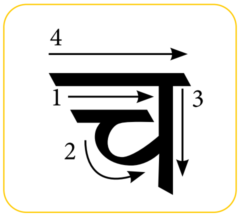

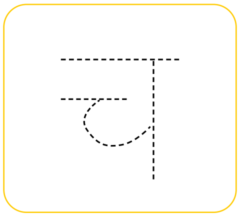

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ू	ो	ि	े	ं
च	चू	चो	चि	चे	चं
म					
प					
व					
ख					
य					

पढ़ें-

चा	अं	के
पै	बु	ऐ
ओ	ऊ	ड़ा
खो	वि	ची

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

च ल ना ⇨ चलना

च र खा ⇨ ....

च तु र ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

चना	लीची	चलना	चरखा	बचना
....	....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

चीनू घर पर खेल रहा था। उसी समय उसे किसी के चलने की आवाज आई। चीनू चारपाई के पास गया। उसने एक चोर को कमरे में चोरी करते देखा। चीनू ने कमरा बाहर से बंद कर दिया। सभी ने मिलकर चोर को पकड़ लिया।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- चारपाई, चोर

प्रश्न 1. चीनू घर पर क्या कर रहा था?

प्रश्न 2. चीनू ने चोर को कैसे पकड़ा था?

प्रश्न 3. चीनू अगर कमरा बंद नहीं करता तो क्या होता?

स्वतंत्र लेखन हेतु

चीनू की तरह आप घर में क्या-क्या खेल खेलते हैं? एक-दो खेलों के नाम लिखकर बताइए-

....

....

....

श

मौखिक भाषा विकास हेतु चर्चा

गर्मियों की छुट्टियों में आप कहाँ-कहाँ जाते हैं और क्या-क्या करते हैं? बताइए।

ध्वनि जागरूकता के खेल

दिए गए शब्दों को बोलें और पहली ध्वनि 'श' आए तो अपना हाथ ऊपर करें और 'श' नहीं आए तो हाथ सामने करें-

शरबत	चकला	शहद	चमक	शतक	मकान

वर्ण/अक्षर गतिविधियाँ

पहचानें और लिखें-

श

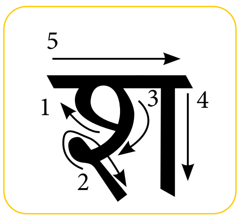

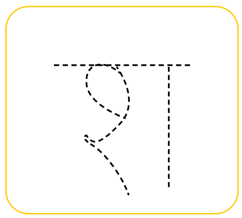

....

....

वर्ण और मात्रा मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

	ू	ं	ै	ि
श	शू	शं	शै	शि
म				
प				
व				
ख				
य				

पढ़ें-

शु	खा	ने
पै	वी	ऐ
ऊ	दू	ड़ा
खो	गो	चे

मिलाकर पढ़िए और लिखिए-

श ह द ⇨ शहद

श त क ⇨ ....

श री र ⇨ ....

शब्द पढ़िए और लिखिए-

शशि	शहद	शतक	विशाल	शरबत
....	....	....	....	....

पठन अभ्यास हेतु

रमेश और शिवकांत रामपाली में रहते हैं। एक दिन वे दोनों बाजार गए। बाजार से शहद और नीबू ले आए। रमेश ने शहद से शरबत बनाने की कोशिश की। शिवकांत ने पानी में नीबू का रस मिलाया। रमेश ने शहद मिलाया। बन गया मजेदार शरबत।

शब्दावली विकास हेतु मुख्य शब्द- शहद, शरबत

प्रश्न 1. दोनों बाजार से क्या लेकर आए?

प्रश्न 2. उन्होंने शरबत कैसे बनाया?

प्रश्न 3. अगर उनके पास शहद नहीं होता तो शरबत कैसे बनता?

स्वतंत्र लेखन हेतु

शरबत बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए? लिखकर बताइए-

....

....

....

....

पुनरावृत्ति अभ्यास - चतुर्थ

D8V9Y2

शब्द पहेली-

		हो	~~की~~	ली	⇨	होली
		ला	के	ल	⇨	....
		पी	कू	ला	⇨	....
गु	हा	ला	है	ल	⇨	....
बि	हा	रं	है	गा	⇨	....

मात्रा जोड़कर फल का सही नाम लिखिए-

तरबज	⇨	....	खरबज	⇨	....
अम	⇨	....	पपता	⇨	....

मात्रा जोड़कर सब्जी का सही नाम लिखिए-

अलू	⇨	....	गभ	⇨	....
लौक	⇨	....	टमटर	⇨	....